



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 21] नई दिल्ली, शनिवार, मई 23, 1987 (ज्येष्ठ 2, 1909)  
No. 21] NEW DELHI, SATURDAY, MAY 23, 1987 (JYAISTHA 2, 1909)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि वह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके  
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

## भाग III—खण्ड 1

### [PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और  
भारत सरकार के संलग्न और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union  
Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached  
and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 1 अप्रैल 1987

सं० ए० 38013/1/87-प्रशा० 3—राष्ट्रपति, संघ लोक सेवा आयोग के के० सं० से० संवर्ग के स्थायी सहायक और स्थानापन्न रूप से तदर्थ आधार पर अनुभाग अधिकारी के पद पर कार्य कर रहे श्री बाई० आर० जुनेजा को, कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग के कार्यालय जापान संख्या 33/12/73-स्था० (ए०) दिनांक 24 नवम्बर 1973 के अनुसार, 31 मार्च 1987 के अपराह्न से निवर्तन आयु प्राप्त होने पर, सरकारी सेवा से निवृत्त होने की अनुमति प्रदान करते हैं।

एम० पी० जैन  
अवर सचिव (का० प्रशा०)  
संघ लोक सेवा आयोग

कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली-110003, दिनांक अप्रैल 1987

सं० ए-20023/8/79-प्रशा०-5—प्रत्यावर्तन होने पर, प्रतिनियुक्ति आधार पर केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, बंगलौर में लोक  
1-76GI/87

अभियोजक के रूप में कार्यरत, श्री बी० शंकर भट्ट, सहायक लोक अभियोजक की सेवाएं दिनांक 7 अप्रैल 1987 (अपराह्न) में कर्नाटक सरकार को सौंप दी गयी हैं।

धर्मपाल भस्ला  
प्रशासन अधिकारी (स्था०)

गृह मंत्रालय

राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो

नई दिल्ली-110066, दिनांक 27 अप्रैल 1987

सं० 35/4/84-प्रशा०/डी० सी० पी० सी०—राष्ट्रपति, मंत्रिमण्डल सचिवालय के वरिष्ठ क्षेत्राधिकारी श्री के० रामन कुट्टी को 14 अप्रैल 1987 (पूर्वाह्न) से तीन वर्ष की अवधि के लिए प्रतिनियुक्ति के आधार पर, समन्वय निदेशालय पुलिस कम्प्यूटर, राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो (गृह मंत्रालय) नई दिल्ली में 2200-4000 रु० के वेतनमान में कनिष्ठ स्टाफ अधिकारी नियुक्त करते हैं।

समन्वय निदेशालय पुलिस कम्प्यूटर, राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो में श्री रामन कुट्टी की कनिष्ठ स्टाफ अधिकारी

के रूप में नियुक्ति, समय-समय पर संशोधित बिस्व मंत्रालय के कार्यालय ज्ञापन संख्या एक० 1 (II)ई-III (बी)/75 दिनांक 7 नवम्बर 1975 में दी गयी प्रतिनियुक्ति सम्बन्धी शर्तों, नियमों के अनुसार शासित होगी ।

सं० 105/22/86-रा० अ० रि० ब्यूरो—निदेशक, राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो 15-3-1983 से केन्द्रीय अंगुली छाप ब्यूरो, कलकत्ता के स्थानापन्न उप-अधीक्षक (अंगुली छाप) श्री एन० के० लहिरी को उस कार्यालय में स्थायी उप-अधीक्षक (अंगुली छाप) नियुक्त करते हैं ।

एस० के० शर्मा,  
निदेशक, रा० अ० रि० ब्यूरो

#### महानिदेशालय

#### केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110 003, दिनांक 28 अप्रैल 1987

सं० ई०-16014(6)/1/85/कामिक-1/51—भासूचना ब्यूरो को प्रत्यावर्तन होने के फलस्वरूप श्री यू० एम० कुमार ने 17 अक्टूबर 1986 के पूर्वाह्न से के० श्री० सु० ब० यूनिट, बी० एस० एल० बोकारो के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया ।

सुनील कृष्ण,  
सहायक महानिरीक्षक/कामिक

#### भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 24 अप्रैल 1987

सं० 11/98/79-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, अण्डमान और निकोबार द्वीपसमूह के मुख्य सचिव श्री एस० आर० शर्मा को अण्डमान और निकोबार द्वीपसमूह में स्थित जनगणना निदेशालय में तारीख 1-4-87 से भगले आदेशों तक पदेन अक्षमता में निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं ।

श्री एस० आर० शर्मा का मुख्यालय पोर्ट-ब्लेयर में होगा ।

सं० 10/5/87-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, भारतीय आधिक सेवा के ग्रेड-III के अधिकारी श्री एस० के० धोरे को भारत के महारजिस्ट्रार के कार्यालय, नई दिल्ली में तारीख 13-3-87 के पूर्वाह्न से 25-3-87 के अपराह्न तक रु० 3000-100-3500-125-4500 के वेतनमान में वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं ।

सं० 13/6/87-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, भारत के महारजिस्ट्रार के कार्यालय, नई दिल्ली में उप महारजिस्ट्रार (सामाजिक अध्ययन) के पद पर कार्यरत डा० एन० जी० नाग का, केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 के नियम 48 (1) (क) के अधीन 30 जून, 1987 के अपराह्न से सरकारी

सेवा में स्वीच्छक सेवा निवृत्ति के लिए 3 महीने का नोटिस सहर्ष स्वीकार करते हैं ।

बी० एस० वर्मा  
भारत के महारजिस्ट्रार

#### वित्त मंत्रालय

#### राजस्व विभाग

#### सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क

#### समाहर्ता का कार्यालय

मदुराई, दिनांक 04 फरवरी 1987

सं० 1/87—समाहर्ता ने केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के निरीक्षक ग्रेड के निम्नलिखित अधिकारियों को रु० 650-30-740-35-810-रु० रो०-35-880-40-1000-रु० रो०-40-1200 (पुराना वेतनमान)/रु० 2000-60-2300-रु० रो०-75-3200-100-3500-(नया वेतनमान) के वेतनमान में स्थानापन्न अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के ग्रेड में नियुक्त किया है ।

निम्नलिखित अधिकारियों ने अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के ग्रुप 'ख' का पद उनके नाम के सामने उल्लिखित तारीख में संभाल लिया है ।

क्र० सं०	नाम	अधीक्षक पद पर नियुक्ति की तारीख
----------	-----	---------------------------------

#### सर्वश्री—

1. एन० बीरय्या	17-01-1986
2. आर० कृष्णाकरन	27-02-1986
3. के० राजगोपाल	09-04-1986
4. बी० गोंधी	16-04-1986
5. डी० राम सिंह	28-04-1986
6. एम० हाजा मोहदीन	04-06-1986
7. बी० माणिकम	04-06-1986
8. सी० एम० भोजप्पन	05-06-1986
9. एम० कादर बादशा	11-06-1986
10. सी० बी० रामस्वामी	11-06-1986

(कोयम्बतूर में बदली हुई है ।)

11. पी० आरुमुखम	13-06-1986
12. के० एम० अरुणाचलम	12-06-1986
13. जे० एल० चन्द्रशेखरन	18-06-1986
14. ए० रामन	16-06-1986

(कोयम्बतूर में बदली हुई है)

15. एन० सुब्रह्मण्यम	01-07-1986
16. ए० एस० मोहम्मद इब्राहीम	02-07-1986
17. एस० चिदम्बरम	03-07-1986
18. आर० नारायणन	11-08-1986
19. के बिजिली सिंह	29-09-1986

(1)	(2)	(3)
20. टी० आर० उमापति	22-10-1986	
21. एच० देवनाथग	21-11-1986	
22. एम० आरुमुखम	14-11-1986	
23. के० ए० जानकीरामन	05-12-1986	
24. आर० स्वामीनाथन	30-12-1986	

राम प्रकाश  
उप समाहर्ता (कार्मिक एवं स्थापना)

आर्थिक कार्य विभाग

बैंक नोट मुद्रणालय,

देवास, दिनांक 26 अप्रैल 1987

सं० क्र० बी० एन० पी०/सी०/5/87--विभागीय पदोन्नति समिति (समूह "ख") की सिफारिश पर श्री ए० एल० दातार, अभियन्ता (सिविल) को सहायक अभियन्ता (सिविल) के पद पर दिनांक 29-4-84 से स्थायी रूप से नियुक्त किया जाता है ।

मु० वी० चार  
महा प्रबन्धक

भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा विभाग

भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षा का कार्यालय

नई दिल्ली-110002, दिनांक 27 अप्रैल 1987

सं० 15-वा० ले० प० 1/27-77--सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखा परीक्षा (द्वितीय) कलकत्ता के कार्यालय में कार्यरत श्री एस० एन० बोस लेखा परीक्षा अधिकारी (वा०) अपनी अधिवर्षिता आयु प्राप्त करने पर दिनांक 31-3-87 अपराह्न से सेवा निवृत्त हो गए हैं ।

सं० 14-वा० ले० प० 1/5-72--सदस्य लेखा परीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक, वाणिज्यिक लेखा परीक्षा-1, नई दिल्ली के कार्यालय में कार्यरत श्री ओ० पी० मल्होत्रा, लेखा परीक्षा अधिकारी (वा०) अपनी अधिवर्षिता आयु प्राप्त करने पर दिनांक 31-3-1987 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हो गए हैं ।

डी० एन० आनन्द  
सहायक नियंत्रक-महालेखा परीक्षक (वा०)

कार्यालय महालेखाकार (लेखापरीक्षा) प्रथम म० प्र०

ग्वालियर, दिनांक 8 अप्रैल 1987

क्रमांक/प्रशासन II/समूह-ए/पदो०/ले० प० अ०/4--महा-लेखाकार (ले० प०) प्रथम ने निम्नलिखित सहायक लेखा

परीक्षा अधिकारियों को स्थानापन्न लेखापरीक्षा अधिकारी के पद पर वेतनमान रु० 2375-75-3200 द० रो०-100-3500 में उनके नाम के आगे दर्शाए गए कार्यभार ग्रहण करने की दिनांक से आगामी आदेश तक पदोन्नत किया है ।

क्रमांक नाम स्थायी क्रमांक कार्यभार ग्रहण करने की दिनांक/पदोन्नति की दिनांक

सर्वश्री--

01/

1. बाई० एन० सिल्ला	355	1-1-87	पूर्वाह्न
2. आर० के० गर्ग	443	1-1-87	"
3. गोविन्दनरायण	381	1-1-87	"
4. यू० सी० गुप्ता	383	1-1-87	"
5. जे० पी० सक्सेना (III)	406	5-1-87	"
6. एन० एल० चौधरी	402	2-1-87	"
7. के० सी० त्रिपाठी	407	5-1-87	"
8. जी० जे० झाला	403	2-2-87	"
9. टी० के० एन० नेम्बिनन	411	13-2-87	"
10. एच० एन० सक्सेना	404	13-2-87	"
11. के० जयरामन	412	16-2-87	"
12. ए० एन० सिंह	414	23-3-87	"
13. डी० वी० सिंह	415	23-3-87	"
प्रोफार्मा पदोन्नति			
(बेतवा रिवर बोर्ड झांसी में प्रतिनियुक्ति पर)			
14. एम० बी० श्रीवास्तव	416	23-3-87	"

(प्राधिकार : महालेखाकार (ले० प०) प्रथम के आदेश दिनांक 1-1-87, 19-1-87, 12-2-87 20-3-87)

(ह०) अगठनीय

उप महालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय महालेखाकार (लेखा परीक्षा) राजस्थान

जयपुर, दिनांक 27 अप्रैल 1987

क्रमांक :--प्रशासन -I(ले० प०) /पी० 13044/78--महालेखाकार (लेखापरीक्षा) राजस्थान, जयपुर निम्नलिखित सहायक लेखापरीक्षा अधिकारियों को स्थानापन्न लेखापरीक्षा अधिकारी (ग्रुप "बी" राजपत्रित) के पदों पर जिसका वेतनमान रु० 2375-75-3200-द० अ०-100-3500

हैं, प्रत्येक के सम्मुख निर्दिष्ट तिथियों से आगामी आदेशों तक के लिए सहर्ष पदोन्नत करते हैं :—

क्र० सं०	नाम	पदोन्नति की तिथि
सर्वश्री—		
1.	श्याम सुन्दर अग्रवाल	27-2-87 (पूर्वाह्न)
2.	शान्ती लाल महनोत	31-3-87 (पूर्वाह्न)
3.	मनोहर लाल गुप्ता	14-4-87 (पूर्वाह्न)

हस्ताक्षर अपठनीय

उप महालेखाकार (प्रशा०)

कार्यालय महालेखाकार, (लेखा०) प्रथम, उत्तर प्रदेश

इलाहाबाद, दिनांक 15 अप्रैल 1987

सं० ए० जी०—I/प्रशा०/13-7/80—निम्नलिखित सहायक लेखापरीक्षा अधिकारियों को स्थानापन्न लेखापरीक्षा अधिकारी के पद पर उनके सामने लिखित तिथि से नियुक्त किया है :—

नाम	नियुक्ति की तिथि
सर्वश्री—	
1. प्रताप सिंह	23-2-1987
2. वेद प्रकाश अग्रोड़ा	23-2-1987
3. राम वृक्ष लाल श्रीवास्तव	12-3-1987
4. हरि बहादुर वर्मा	28-2-1987
5. वीरेन्द्र कुमार शर्मा	27-3-1987
6. ओम नारायण वर्मा	27-3-1987
7. दया शंकर सिंह—2	30-3-1987
8. दया राम गुप्ता—2	27-3-1987

सं० ए० जी० (लेखा०) I/प्रशा०/13-7/80—निम्नलिखित परीक्षा अधिकारी नवर्तन की आयु प्राप्त कर उनके सामने लिखित तिथि से सरकारी सेवा में नियुक्त हो गए हैं :—

नाम	तिथि	कार्यालय
1	2	3
सर्वश्री—		
1. आर० एन० गुप्ता	31-1-87	महालेखाकार (ले० प०) 1 (अप०) उ० प्र०
2. कपूर जगद श्रीवास्तव	31-1-87	—तदैव— (अप०)
3. जय कृष्ण खन्ना	31-1-87	—तदैव— (अप०)
4. योगा नन्द दत्ता	31-1-87	म० ले० (ले० प०) 2 (अप०) उ० प्र०

1	2	3
सर्वश्री		
5. बलवन्त सिंह	31-1-87	म० ले० (ले० प०) 2 (अप०) उ० प्र०
6. कल्याण कुमार चटर्जी	31-1-87	—तदैव— (अप०)
7. राधेश्याम राय	31-3-87	—तदैव— (अप०)

पी० के० मुखोपाध्याय

वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय महालेखाकार (लेखापरीक्षा) राजस्थान

जयपुर, दिनांक 27 अप्रैल 1987

क्रमांक प्रशासन-I(ले० प०)/पी० 13044/78—महालेखाकार (लेखापरीक्षा) राजस्थान, जयपुर निम्नलिखित अनुभाग अधिकारियों को स्थानापन्न सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी (ग्रुप "बी" राजपत्रित) के पदों पर, जिसका वेतनमान रु० 2000-60-2300 द० अ०-75-3200 है, प्रत्येक के सम्मुख निर्दिष्ट तिथियों से आगामी आदेशों तक के लिए सहर्ष पदोन्नत करते हैं :—

क्रमांक	नाम	पदोन्नति की तिथि
सर्वश्री—		
1.	कालू राम	15-4-87 पूर्वाह्न
2.	अनू मल सिंह	15-4-87 पूर्वाह्न
3.	राम अवनार नैनकवाल	15-4-87 पूर्वाह्न
4.	मूल चन्द वर्मा	15-4-87 पूर्वाह्न
5.	मूल चन्द गर्ग	15-4-87 पूर्वाह्न
6.	ईश्वरी प्रसाद गुप्ता	15-4-87 पूर्वाह्न
7.	होती लाल	15-4-87 पूर्वाह्न
8.	पारम मल सोनी	15-4-87 पूर्वाह्न
9.	नरेन्द्र मोहन स्नेही	15-4-87 पूर्वाह्न

(ह०) अपठनीय

उप महालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय महालेखाकार (लेखा परीक्षा)—प्रथम, पश्चिम बंगाल

कलकत्ता-700001, दिनांक 27 अप्रैल 1987

सं० प्रशासन-प्रथम/पदोन्नति-93/सं० ले० प० अ०/273—दिनांक 27 अप्रैल 1987—महालेखाकार (लेखा परीक्षा)—प्रथम, पश्चिम बंगाल ने निम्नलिखित अनुभाग अधिकारी/ (लेखा परीक्षा) को 27 अप्रैल 1987 के पूर्वाह्न से अस्थायी



और स्थानापन्न रूप से (धर्म-राजपत्रित-2000-60-2300-दक्षता रोध-75-3200 रुपए वेतनमान पर) सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी के पद पर नियुक्त करने की कृपा की है ।

1. श्री तपन कुमार नाग
2. श्री चन्द्र शेखर बनर्जी

ये पदोन्नतियां माननीय केन्द्रीय प्रशासनिक ट्रिब्यूनल बलकत्ता में लम्बित रिट याचिका के अन्तिम निर्णय के अधीन है ।

अधिकारियों को 2ख के शतनुसार भारत सरकार गृह मंत्रालय के ज्ञापन दिनांक 26-9-81 से एक माह के भीतर अपना वेतन 22(क)(1) के अन्तर्गत पदोन्नति के तारीख के दिन से और फिर उसके बाद मूल निगम 22(ग) के अन्तर्गत नीचे के पद पर आगामी वेतन वृद्धि के तारीख के दिन से या सीधे पदोन्नति के तारीख के दिन से निर्धारण के लिए विकल्प दे सकते हैं ।

सनत कुमार मिश्र  
वरिष्ठ उपमहोत्तरीकार (प्रशासन)

#### वस्त्र मंत्रालय

#### वस्त्र आयुक्त का कार्यालय

बम्बई-20, दिनांक 29 अप्रैल 1987

नियंत्रित वस्त्र (उत्पादन तथा वितरण) अधिसूचना, 86 सं० सी० ई० आर० (13)/87-सी० एल० बी०—वस्त्र (नियंत्रण) आदेश, 1986 के खण्ड 16, 17 तथा 18 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं एतद्वारा निम्न अधिसूचना जारी करता हूँ :—

#### भाग—I

##### 1. संक्षिप्त नाम, सीमा एवं प्रयुक्ति

- (1) यह अधिसूचना "नियंत्रित वस्त्र (उत्पादन तथा वितरण) अधिसूचना, 1986 कहलाएगी ।
- (2) यह अधिसूचना पूरे भारत में लागू होगी ।
- (3) यह सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से प्रभाव में आएगी ।

2. वस्त्र (नियंत्रण) आदेश, 1986 के अन्तर्गत जारी हुई निम्न अधिसूचनाएं रद्द की जाती हैं :—

(एक) सी० ई० आर०/7/86 सी० एल० बी०, दिनांक 26-6-1986 ।

(दो) सी० ई० आर०/9/86 सी० एल० बी०, दिनांक 29-7-1986 ।

ये अधिसूचनाएं जो इस के द्वारा रद्द की गई हैं उनके अन्तर्गत जो भी आदेश दिए गए, अधिकार प्राप्त हुए, दण्डित हुए या

अन्य कोई कार्य किया या किया हुआ माना गया वे सब इस अधिसूचना में सम्बन्धित उपबन्धों के अन्तर्गत जारी किए गए, प्राप्त हुए, दण्डित हुए माने जाएंगे ।

3 (एक) राष्ट्रीय वस्त्र निगम (जिसे आगे से एन० टी० पी० कहा जाएगा) द्वारा उत्पादित तथा इस अधिसूचना के प्रकाशन पर पैक की गयी नियंत्रित धोती, नियंत्रित साड़ी, नियंत्रित लॉन्ग क्लॉथ तथा नियंत्रित पॉलिएस्टर संमिश्र शर्टिंग का अधिकतम एक्सफैक्ट्री मूल्य, एन० टी० पी० की प्रति चारस मीटर लागत होगा जिसकी फैलावट सरकार मान्य फार्मूले के आधार पर होगी जिसमें उत्पादन में शामिल होने वाली मिल्नों की वास्तविक क्षमता का उपयोग, वास्तविक ब्याज तथा मिल्नों के निर्माण को ध्यान में रखा गया है तथा जिसमें नियंत्रित धोती तथा नियंत्रित साड़ी के लिए प्रति चारस मीटर रु० 2/- तथा नियंत्रित लॉन्ग क्लॉथ के लिए प्रति चारस मीटर रु० 1.50 घटा हुआ होगा । नियंत्रित पॉलिएस्टर संमिश्र शर्टिंग के मूल्य सरकार द्वारा समय-समय पर निश्चित किए गए मूल्य होंगे ।

(दो) द्वितीय श्रेणी के वस्त्रों का अधिकतम एक्सफैक्ट्री मूल्य उपरोक्त एक्सफैक्ट्री मूल्य में 100/0 (दस प्रतिशत) कम होगा । शब्द द्वितीय श्रेणी के वस्त्रों से तात्पर्य वही है जो उपरोक्त नियंत्रण आदेश के उपबन्ध के खण्ड-17 के अधीन जारी अधिसूचना में परिभाषित है ।

(तीन) 1-7-81 को या उसके बाद पैक किए गए वस्त्र की उपरोक्त किंमों के उपभोक्ता मूल्य, सूती तपड़े के वस्त्र के मामले में उपरोक्त खण्ड (एक) या (दो) के अनुरूप निश्चित एक्सफैक्ट्री पर 150/0 तथा पॉलिएस्टर सूती शर्टिंग के मामले में 20% (अस्थायी) होंगे तथा जिसमें केन्द्रीय उत्पाद नियम 1944 के अधीन उत्पाद शुल्क तथा उस समय प्रभाव में होने वाले कानून के अन्तर्गत लगाए गए केन्द्रीय शुल्क की रकम जोड़ी जाएगी ।

#### भाग-II

नियंत्रित वस्त्र की किंमों तथा जातिगत विवरण

इस अधिसूचना के प्रयोजन हेतु :—

4 नियंत्रित धोती/नियंत्रित साड़ी/नियंत्रित लट्ठा/नियंत्रित पॉलिएस्टर संमिश्र शर्टिंग के मद (बी), (सी) तथा (डी) में दिए गए अलग-अलग जातिगत मदों के अलावा निम्न जातिगत विवरण एक समान होंगे ।

(एक) आसन काउंट 40.49 काउंट से अधिक न हो ।

(दो) सादी बुनावट हो ।

(तीन) ताने तथा पेटे के धागों के काउंटों में 8 काउंट से ज्यादा अन्तर न हो ।

(चार) किनारीवाली साड़ी, धोती को छोड़कर प्रत्येक नियंत्रित वस्त्र की एक किनारी में ताने के दो धागों पक्के लाल रंग में रंग हुए बुने गए हों ।

परन्तु यह तभी हो जब कि ऐसे रंगीन धागे अनियंत्रित वस्त्र में बुनाए गए हों।

टिप्पणी :—उपरोक्त प्रयोजन के लिए प्रयोग में लाए गए दो रंगीन धागे सामान्य तथा नेप्यॉल लाल रंग में रंगे गए हों। छपे हुए रंगीन या अन्य किसी रंग में रंगे हुए कपड़ों में बुने जाने वाले किनारी के दो धागे किसी भी विषम रंग में हो सकते हैं। किन्तु वे स्पष्ट रूप से दिखायी दें।

(पांच) समिश्र पॉलिएस्टर शर्टिंग को छोड़कर पूर्णरूप से कपास से निर्मित हुए हों।

(छ) रीड व पिक के बीच का अन्तर चार से अधिक हो तथा पिक 40 से कम हों।

(सात) उपरोक्त वस्त्रों में उपयोग में लाए गए रंग धुलाई के पक्के हों।

बी नियंत्रित धोती :

(क) उपरोक्त (ए) के अतिरिक्त यह कोरा या धुला हुआ वस्त्र होगा जो सामान्यतः उसी नाम से जाना जाता हो। मर्सराईज हो अथवा नहीं तथा जिसकी किनारी व सिर सफेद या रंगीन धागों से बने हुए हों।

(ख) पना 104 से 122 से० मी० के बीच हो।

सी० नियंत्रित साड़ी :

(क) उपरोक्त (ए) के अतिरिक्त यह कोरा या धुला हुआ वस्त्र होगा जो सामान्यतः उसी नाम से जाना जाता हो। मर्सराईज हो अथवा नहीं।

(ख) जिसकी किनारी तथा सिरों में रंगीन या सफेद धागे बुने हुए हों।

(ग) पना 104 से 122 से० मी० के बीच हो।

(घ) इसमें छपी हुई मलमल तथा छपी हुई वॉयल सम्मिलित हैं जिसकी लम्बाई प्रति नग 5 मीटर से कम नहीं हो।

टिप्पणी :—छपी हुई मलमल तथा छपी वॉयल से तात्पर्य सादा बुनावट के उस वस्त्र से है जिसकी किनारी व सिर छपे अथवा बिना छपे हुए हों तथा जिनके ताने का घागा 28 काउंट से कम न हो और जो पांच मीटर 5 1/2 मीटर की साड़ी लम्बाई में कटा हुआ हो उस घागा में प्रति नग उपभोक्ता कीमत अंकित की जाएगी।

डी नियंत्रित लॉग क्लाथ :

(क) उपरोक्त (ए) में वर्णित अतिरिक्त कोरा या धुला हुआ या रंगा हुआ कपड़ा जो मर्सराईज या प्रिन्क हो या न हो तथा

(ख) जिसका पना 84 से० मी० से 120 से० मी० के बीच में हो (दोनों शामिल)

इ नियंत्रित धुले हुए/रंगे हुए/छपे हुए पॉलिएस्टर रुई समिश्र शर्टिंग निम्न बुनावट विवरण के होंगे :

ताना—38 काउंट

बाना—42 काउंट

रीड—72

पिक्स—68 प्रति इंच

फिनिश पना—89 से० मी०

मिश्रण अनुपात : रुई 52%; पॉलिएस्टर 48% धुले हुए शर्टिंग अंकित किया जाने वाला उपभोक्ता मूल्य रु० 10.50 प्रति मीटर और रंगी हुई किस्मों के लिए रु० 11.50 तथा छपी हुई किस्मों के लिए रु० 12/- प्रति मीटर होगा।

भाग—3

नियंत्रित वस्त्र का उत्पादन :

5. राष्ट्रीय वस्त्र निगम सहित कोई भी व्यक्ति वस्त्र आयुक्त की लिखित अनुमति के बिना नियंत्रित वस्त्र का उत्पादन तथा/या विधायन नहीं करेगा।

भाग—4

6. नियंत्रित वस्त्र पर अंकन एवं स्टैम्पिंग

उपरोक्त खण्ड तीन के अनुसार निश्चित किया गया प्रति मीटर उपभोक्ता मूल्य उत्पादक द्वारा मीटर के हिसाब से बिकने वाले नियंत्रित वस्त्र की ऊपरी तह तथा किनारी पर प्रत्येक एकांतर मीटर पर देवनागरी लिपि तथा अंग्रेजी के बड़े अक्षरों में अंकित किया जाएगा (लाल रंग/स्याही)। नियंत्रित धोती तथा नियंत्रित साड़ी जब वे एक नग या जोड़ी में पैक की गयी हो तब उनके अन्त में भी देवनागरी लिपि और अंग्रेजी में निम्न खण्ड 8 में विहित के अनुसार अंकन किया जाएगा।

7. इसके अतिरिक्त निम्न अंकन, उत्पादक द्वारा नियंत्रित वस्त्र के प्रत्येक थान की ऊपरी तह पर देवनागरी लिपि या अंग्रेजी के बड़े अक्षरों में किए जायेंगे।

1. उत्पादक का नाम

2. उपरोक्त खण्ड 4 में दी गयी परिभाषा अनुसार किस्मों का विवरण जैसे “नियंत्रित धोती” “नियंत्रित शर्टिंग” आदि।

3. उत्पादक द्वारा दिया गया किस्म का अनुक्रमांक।  
टिप्पणी :—

(1) नीचे दिए गए प्रपत्र (ए) में निर्माता द्वारा प्रत्येक किस्म पर अंकित “किस्म अनुक्रमांक” दर्ज किया जाए। अनुक्रमांक दिया जाए।

(2) किसी एक अनुक्रमांक की किस्म का उत्पादन बन्द होने पर वह अनुक्रमांक अन्य किस्म पर न दिया जाए।

4. जिस वस्त्र में ताने और बाने में सिर्फ कोम्ब यार्न का उपयोग किया हो उस पर “सम्पूर्ण कोम्ब धागे से निर्मित”

5. पैकिंग का माह्र एवं वर्ष
6. लम्बाई मीटर में तथा पना से० मी०
7. जब वस्त्र अंगतः रुई तथा अंगतः रुई के अलावा किसी अन्य रेशों से निर्मित हुआ हो तो वस्त्र में प्रयुक्त रेशों के विभिन्न मिश्रण का सही अनुपात के साथ "समिश्र वस्त्र" का अंकन निम्न प्रकार से "समिश्र वस्त्र" 52% रुई 48% पालिएस्टर"

टिप्पणी :—(1) उपरोक्त अनुसार नियंत्रित वस्त्र पर किया जाने वाला अंकन जब वस्त्र के थान की लम्बाई 20 मीटर या उससे ज्यादा हो तब या तो उसके दोनों सिरों पर अथवा अन्य वस्त्र की चिदी पर अंकन करके अलग टुकड़े पर जो दोनों सिरों पर सुरक्षित रूप से टाक दिया जाए। यदि कपड़ा किताबी तह में लपेटा (बुक फोल्ड) गया हो तो उपरोक्त अंकन सिर्फ ऊपरी तह पर किया जाएगा।

- (2) जहां थान दो हिस्सों में हो तब उपरोक्त अनुसार ऊपरी तह पर किए गए अंकन के अतिरिक्त निम्न अंकन टुकड़ों के अन्तिम सिरों पर किया जाएगा। जहां ऊपरी तह टुकड़ों का हिस्सा न हों।

(क) निर्माता का नाम

(ख) निर्माता द्वारा दिया गया "किस्म का अनुक्रमिक" क्र० संख्या के बाद

(ग) पैकिंग का माह्र एवं वर्ष

(घ) "विभक्त पीस"

- (3) अंकन के लिए पैकिंग का माह्र निम्न संक्षिप्त अक्षरों में दिया जाएगा।

में और प्रति मीटर उपभोक्ता मूल्य की रकम अंकों में एवं "बुंगी" अतिरिक्त।

- (दो) प्रत्येक मीटर पर किनारे से 2.54 से० मी० की ऊंचाई पर उपभोक्ता मूल्य प्रति मीटर तथा प्रति मीटर उपभोक्ता मूल्य की रकम अंकों में एवं "बुंगी" अतिरिक्त।

2. इकाई या जोड़ी में पैक की गई नियंत्रित धोती "या" नियंत्रित साड़ी पर उपरोक्त खण्ड-6 के अनुसार किए जाने वाले अंकन के अतिरिक्त निम्न अंकन भी किए जायेंगे अर्थात् जैसे कि,

- (क) जोड़ी में पैक की गई हो तब उपरोक्त खण्ड-7 के अनुसार किए गए अंकन के ठीक नीचे "प्रति नग उपभोक्ता मूल्य" शब्द और प्रति नग उपभोक्ता मूल्य की रकम अंकों में एवं "बुंगी" अतिरिक्त शब्द/दूसरे नग के अन्तिम सिरे पर किनारी से 2.54 से० मी० की ऊंचाई पर "प्रति नग उपभोक्ता मूल्य" शब्द और उपभोक्ता मूल्य की रकम अंकों में एवं "बुंगी" अतिरिक्त।

(ख) इकाई में पैक की गयी हो तब उपरोक्त खण्ड-7 के अनुसार किए गए अंकन के ठीक नीचे "प्रति नग उपभोक्ता मूल्य" शब्द और प्रति नग उपभोक्ता मूल्य की रकम अंकों में एवं "बुंगी" अतिरिक्त।

3. अंकन के उपरोक्त निर्वेशों के अनुसार द्वितीय श्रेणी सैकण्ड्स के वस्त्र पर, सैकण्ड्स शब्द एवं नीचे की टिप्पणी के अनुसार कूते गए द्वितीय श्रेणी के वस्त्र के उपभोक्ता मूल्य की रकम अंकित की जायेगी।

टिप्पणी :—(एक) उपरोक्त मद के लिए उपभोक्ता मूल्य से तात्पर्य धोती अथवा साड़ी के प्रति नग खुदरा मूल्य से तथा धोती एवं साड़ी के अतिरिक्त वस्त्र के लिए प्रति मीटर खुदरा मूल्य से होगा जिसमें वेय उत्पाद शुल्क शामिल होगा लेकिन बुंगी यदि देय हो, तो शामिल नहीं होगी।

- (दो) द्वितीय श्रेणी सैकण्ड्स वस्त्रों का उपभोक्ता मूल्य जो अंकित किया जाना है वह खण्ड-3 के निर्वेशों के अनुसार कूता गया खुदरा मूल्य होगा जिसमें उत्पाद शुल्क शामिल होगा लेकिन बुंगी यदि देय हो तो शामिल नहीं होगी।

FOR	ABBREVIATIONS
January	JANY
FEBRUARY	FEBY
AUGUST	AUGT
SEPTEMBER	SEPT
OCTOBER	ACTR
NOVEMBER	NOVR
DECEMBER	DECR

- (4) पैकिंग का वर्ष निम्न संक्षिप्त अंकों में दिया जाएगा।

1986 के लिए संक्षिप्त अंक "86"

8. 1. इकाई या जोड़ी में पैक की गयी "नियंत्रित धोती" या "नियंत्रित साड़ी के" अतिरिक्त अन्य नियंत्रित वस्त्र पर खण्ड 7 में विहित अंकन के अतिरिक्त निम्न अंकन भी किए जायेंगे जैसे कि:—

(एक) उपरोक्त खण्ड-7 के अनुसार किए गए अंकन के ठीक नीचे "प्रति मीटर उपभोक्ता मूल्य" शब्दों

भाग—5

नियंत्रित कपड़े की बिक्री एवं प्रदान

9. वस्त्र आयुक्त की लिखित अनुमति बिना राष्ट्रीय वस्त्र निगम, नियंत्रित वस्त्र का उत्पादन करने वाला कोई भी उत्पादक अपने द्वारा उत्पादित किसी भी नियंत्रित वस्त्र की बिक्री या प्रदान वस्त्र आयुक्त के द्वारा की जाने वाली निविष्ट शर्तों तथा ऐसे व्यक्ति या व्यक्तियों को छोड़कर नहीं करेगा।

10. (एक) अपने प्रमाणित उपभोग के अतिरिक्त कोई भी व्यक्ति बिना सुयोग अधिकारी की लिखित अनुमति अथवा नियुक्ति के नियंत्रित वस्त्र का एक स्थान में दूसरे स्थान पर परिवहन नहीं करेगा ।

स्पष्टीकरण :—उपरोक्त खण्ड के लिए सुयोग अधिकारी से तात्पर्य वस्त्र आयुक्त या राज्य सरकार अथवा केन्द्रीय शासित प्रदेश के नागरी आपूर्ति विभाग में नियंत्रित वस्त्र के वितरण से संबंधित अधिकारी से है ।

- (दो) वस्त्र आयुक्त अथवा राज्य सरकार या केन्द्र प्रशासित प्रदेश की सरकार की पूर्व अनुमति के बिना कोई नियंत्रित वस्त्र का परिवहन भेजने वाले की लिखित अनुज्ञा में निर्दिष्ट व्यक्ति को छोड़कर नियंत्रित वस्त्र का प्रदान किसी अन्य व्यक्ति को नहीं करेगा ।

भाग छः

#### बित्री प्रणाली

11. नियंत्रित वस्त्र का उत्पादन करने वाला प्रत्येक उत्पादक इस आदेश की तारीख तक जमा तथा उसके बाद उत्पादित नियंत्रित वस्त्र का कुल स्टॉक वितरण की निम्न पांच प्रणालियों को प्रदान करेगा । प्रदान अथवा बित्री किए जाने वाली किस्मों का परिमाण वस्त्र आयुक्त के समय-समय पर जारी किए जाने वाले आदेशों के अनुसार होगा । निम्न वितरण प्रणालियों को किया जायेगा जैसे कि :

- (1) छोटे अर्ध शहरी/ग्रामीण इलाकों में मिल की निजी खुदरा या अधिकृत खुदरा दुकानें ।
- (2) सहकारी क्षेत्र में सुपर बाजार ।
- (3) राष्ट्रीय उपभोक्ता सहकारी संघ तथा उनसे संबंधित सहकारी संस्थाओं की श्रृंखला ।
- (4) संबंधित राज्य सरकार द्वारा मान्य उचित दामों की दुकानें तथा
- (5) समय-समय पर संबंधित राज्य सरकार अथवा वस्त्र आयुक्त द्वारा निर्दिष्ट सहकारी अन्य एजेंसी ।

स्पष्टीकरण :—

(एक) “ग्रामीण इलाका” से तात्पर्य है जहां की आबादी 1981 की जनगणना के आधार पर 10,000 से ज्यादा नहीं है ।

(दो) अर्ध शहरी इलाके से तात्पर्य उस शहर से है जहां 1981 की आबादी 1981 की जनगणना के आधार पर 10,000 से अधिक परन्तु 50,000 से कम है ।

भाग—सात

#### 12. विवरणी एवं फार्म

(एक) राष्ट्रीय निगम सहित नियंत्रित वस्त्र का प्रत्येक उत्पादक वस्त्र आयुक्त, न्यू सी० जी० ओ० बिल्डिंग, चर्च गेट, बम्बई-20 तथा उनके क्षेत्रीय कार्यालय जिसके अधिकार क्षेत्र में वह आता हो । वह दिनांक 1-7-81 के बाद अपने द्वारा निर्मित एवं पैक किए नियंत्रित वस्त्र की सत्य एवं सही जानकारी यहां संलग्न फार्म—ए में प्रस्तुत करेगा ।

(दो) मूल्य संशोधन की प्रत्येक अवधि में समान अनु-क्रमांकवाली किस्मों के लिए उपरोक्त फार्म में जानकारी अगले माह की दस तारीख तक प्रस्तुत की जाएगी । जब कभी निर्माता द्वारा अनुक्रमांक वाली किस्म जारी की जाए तब उसकी जानकारी फार्म “ए” में जारी किए जाने वाले माह से अगले माह के दस दिन के अन्दर प्रस्तुत की जाएगी ।

गोविंद स्वरूप

अतिरिक्त वस्त्र आयुक्त

#### फार्म “ए”

मिल उत्पादन की प्रत्येक किस्म के बारे में वस्त्र आयुक्त को प्रस्तुत किया जाने वाला फार्म ।

मूल्य निर्धारण की तिमाही :

मिल का नाम :

स्थान :

1. (ए) वस्त्र पर अंकित मिल की क्रम संख्या
- (बी) कोड नम्बर :

2. वस्त्र का पूर्ण विवरण (फिनिश अवस्था में)

3. विवरण लूम स्टेट केलेंडर किया हुआ तथा/या फिनिश

1. पना से० मी० में
  2. लम्बाई मीटर में
  3. वजन किलोग्राम में
  4. रीड प्रति इंच (2.34 से० मी)
  5. पिक्स प्रति इंच (2.54 से० मी०)
  6. औसत काउंट (अंग्रेजी काउंट)
  7. रीड स्पेस से० मी० में
  8. मीटर में टेप लम्बाई
  9. संख्या कोरा घुला हुआ रंगीन
- (एक) ताने में  
(दो) बांडर में  
(तीन) किनारी में

## 10. धारों का वास्तविक वजन

वर्णन	काउंट	धारों का वास्तविक निमांक
		वास्तविक हिमावी
फ्रेच काउंट	समरूप वजन (वेस्ट	
	अपेजी काउंट जोड़े बिना)	
(1)	(2)	(3)
(4)	(5)	

1. बार्प/ताना
2. वेपट/बाना
3. बार्ट/किनारी
4. विशिष्ट धारो  
(यदि प्रयुक्त हो)
5. मिश्रण प्रतिशत  
(पुर वस्त्र में)  
संमिश्र शटिंग के  
मासके में
11. सेंटीमीटर तथा इंच में बाईंग की चौड़ाई ।
12. छपे हुए वस्त्र के मामले में ---  
(एक) प्रयुक्त रंगों की संख्या :  
(दो) छपे गए क्षेत्र का प्रतिशत
13. क्रिसम की पैकिंग शुरू करने की तारीख
14. मूल्य की फैलावट :  
क्रम संख्या ,  
कोड संख्या :  
विवरण ,
14. (ए) एक्स फैक्ट्री मूल्य/प्रति नग/प्रति मीटर  
(बी) खुदरा मूल्य/प्रति नग/प्रति मीटर  
(सी) उत्पाद शुल्क/प्रति नग/प्रति मीटर  
(डी) अधिकतम उपभोक्ता मूल्य  
(ई) पूर्ण किए गये पैसों में (जब मीटर के हिसाब से बिक्री) अथवा नजदीकी पांच पैसों में (जब प्रति नग के हिसाब से बिक्री)

मिल प्रबन्धक/मंचिव के  
हस्ताक्षर

स्थान :

दिनांक :

औद्योगिक विकास विभाग

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 23 अप्रैल 1987

सं० ए-19018(753)/84-प्रशा० (राज०)--कृषि  
तथा सहकारिता विभाग में भारतीय आर्थिक सेवा के ग्रेड-II  
में नियुक्ति होने के कारण, विकास आयुक्त (लघु उद्योग)

कार्यालय, नई दिल्ली के उप निदेशक (आर्थिक अन्वेषण) श्री  
पी० एन० राममूर्ति ने 17 मार्च 1987 से अपने पद का कार्यभार  
छोड़ दिया ।

सी० सी० राय ,  
उप निदेशक (प्रशासन)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग--6)

नई दिल्ली-110001, दिनांक 27 अप्रैल 87

सं० 17011/318/86 प्र-6--संघ लोक सेवा आयोग  
द्वारा ली गयी इंजीनियरी सेवा परीक्षा 1984 के परिणाम के  
आधार पर राष्ट्रपति श्री राधे श्याम पांडे को 30 मार्च 1987  
के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों के जारी होने तक भारतीय निरीक्षण  
सेवा के समूह "क" में इंजीनियरी शाखा के ग्रेड-III के रूप में  
नियुक्त करने हैं ।

2. श्री राधे श्याम पांडे ने दिनांक 30-3-87 (पूर्वाह्न)  
को पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय नई दिल्ली  
में महायक निरीक्षण निदेशक/निरीक्षण अधिकारी (इंजी०)  
के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया है । वह नियुक्ति की तारीख  
से 2 वर्ष के लिए परिवीक्षाधीन रहेंगे ।

सं० ए-17011/312/86/प्र-6--संघ लोक सेवा आयोग  
की सिफारिश पर, राष्ट्रपति, श्री आर० के० अग्रवाल को दिनांक  
2-2-87 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक, भारतीय निरीक्षण  
सेवा ग्रुप "ए" के इंजीनियरिंग शाखा में सहायक निदेशक,  
निरीक्षण/निरीक्षण अधिकारी (इंजीनियरिंग) के पद पर नियुक्त  
करते हैं ।

2. श्री आर० के० अग्रवाल ने इस कार्यालय के मुख्यालय  
में दिनांक 2-2-87 (पूर्वाह्न) से सहायक निदेशक, निरीक्षण/  
निरीक्षण अधिकारी (इंजीनियरिंग) के पद का कार्यभार संभाल  
लिया है ।

3. श्री अग्रवाल दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षाधीन  
रहेंगे ।

आर० पी० शाही  
उप निदेशक (प्रशासन)

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 23 अप्रैल 1987

सं० 2817वी/ए-32013(व० प्रशा० अधि०)/82-  
19ए--राष्ट्रपति जी भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के प्रशासनिक  
अधिकारी श्री एस० के० महंता को वरिष्ठ प्रशासनिक अधि-  
कारी के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 3000-  
4500 रु० के वेतनमान के वेतन पर, स्थानापन्न क्षमता में,

आगामी आदेश होने तक 20-3-87 के पूर्वाह्न से नियुक्त कर रहे हैं।

सं० 2835वी/ए-19011(1-जी० जी०)/86-19ए-—राष्ट्रपति जी श्री घनश्याम गोनाडे को भूवैज्ञानिक (कनिष्ठ) के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 2200-75-2800 द० रो०-100-4000 रु० के वेतनमान के न्यूनतम वेतन पर स्थानापन्न क्षमता में आगामी आदेश होने तक 19-3-87 के पूर्वाह्न से नियुक्त कर रहे हैं।

अमित कुशारी  
निदेशक (कार्मिक)

कलकत्ता-700016, दिनांक 27 अप्रैल 1987

सं० 2912बी/ए-19011(1-ब० उपमहानिदेशक (का०)/86-19ए-—राष्ट्रपति जी श्री डी० के० गुप्ता, आयुक्त, आयकर (स्तर-I) को वरिष्ठ उप महानिदेशक (कार्मिक) के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में सामान्य नियमानुसार 5900-200-6700 रु० के वेतनमान के वेतन पर, प्रतिनियुक्ति पर, आगामी आदेश होने तक 16-4-87 के अपराह्न से नियुक्त कर रहे हैं।

एन० के० मुखर्जी  
वरिष्ठ उपमहानिदेशक (प्रचालन)

भारतीय सर्वेक्षण विभाग  
महासर्वेक्षक का कार्यालय

देहरादून, दिनांक 30 अप्रैल 1987

सं० सी-20/579-ए-—श्री श्याम लाल कर्मा, जिन्हें स्थापना एवं लेखा अधिकारी (सामान्य केन्द्रीय सेवा ग्रुप "बी") के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया गया था, की 17 मार्च, 1987 से उक्त पद पर पुष्टि की जाती है।

गिरीश चन्द्र अग्रवाल,  
मेजर जनरल,  
भारत के महासर्वेक्षक

परमाणु ऊर्जा विभाग

क्रय और भंडार निदेशालय

बम्बई-400 085, दिनांक 15 अप्रैल 1987

सं० क्र भ नि/2/1(29)/83-प्रशा०/18186-परमाणु ऊर्जा विभाग, क्रय और भंडार निदेशालय के निदेशक ने स्थायी भंडारी श्री एम० आर० वैद्य को इसी निदेशालय में दिनांक 1 अप्रैल 1987 पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक 2000-60-2300-द० रो०-75-3200-100-3500 रुए के वेतनमान में सहायक भंडार अधिकारी के पद पर अस्थायी तौर पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है।

दिनांक 24 अप्रैल 1987

सं० क्रभनि/2/1(26)/83-प्रशा०/19686-—परमाणु ऊर्जा विभाग, क्रय और भंडार निदेशालय के निदेशक ने क्रय सहायक श्री सी० शिवराज को इसी निदेशालय में दिनांक 1 अप्रैल 1987 पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक रुए 2000-60-2300-द० रो०-75-3200-100-3500 के वेतनमान में सहायक क्रय अधिकारी के पद पर अस्थायी तौर पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है।

बी० जी० कुलकर्णी  
प्रशासन अधिकारी

तारापुर परमाणु बिजलीघर

टी० ए० पी० पी०-401504

दिनांक 16 अप्रैल 1987

सं० टी० ए० पी० एस०/1/57/86-भार-—मुख्य अधीक्षक, तारापुर परमाणु बिजलीघर, परमाणु ऊर्जा विभाग श्री एन० श्रीनिवासन, न्यूक्लियर विद्युत बोर्ड में स्थायी वरिष्ठ आशुलिपिक और मद्रास परमाणु बिजलीघर में स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी को दिनांक 8-4-1987 की पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक के लिए तारापुर परमाणु बिजलीघर में स्थानापन्न प्रशासनिक अधिकारी-II के तौर पर नियुक्त करते हैं।

एस० रंगनाथन  
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 29 अप्रैल 1987

शुद्धि-पत्र

सं० ए० 31014/2/81-प्रशासन-I-— इस निदेशालय की 30 जुलाई, 1985 की अधिसूचना संख्या ए-31014/2/81-प्रशासन-I में—

3-1-1979 के स्थान पर 12-1-1982 पढ़ें।

पी० के० षई  
उप निदेशक प्रशासन (सी० एण्ड बी०)

निर्माण महानिदेशालय

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 30 अप्रैल 1987

सं० 1/384/69-ई० सी० 9-—इस विभाग के तकनीकी अधिकारी श्री एम० एल० मोटा, सहायक वास्तुक वार्धक्य की आयु प्राप्त करने पर 30 अप्रैल, 1987 (अपराह्न) को सरकारी सेवा से निवृत्त होते हैं।

सं० 1/73/69-ई० सी०-9--इस विभाग के तकनीकी अधिकारी श्री बी० के० दार, सहायक वास्तुक वाधक्य की आयु प्राप्त करने पर 30 अप्रैल, 1987 (अपराह्न) को सरकारी सेवा से निवृत्त होते हैं।

सं० 1/29/69-ई० सी० 9--इस विभाग के तकनीकी अधिकारी श्री जी० एम० भोगल, तकनीकी अधिकारी वाधक्य की आयु प्राप्त करने पर 30 अप्रैल, 1987 (अपराह्न) को सरकारी सेवा से निवृत्त होते हैं।

पृथ्वीपाल सिंह  
प्रशासन उपनिदेशक

उद्योग तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय  
(कम्पनी कार्य विभाग)  
कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय  
कम्पनी अधिनियम 1956 के मामले में और  
रुबी रबर वर्क्स लिमिटेड के मामले में  
कोचीन, दिनांक 24 अप्रैल 1987

सं० 993/लिखि०/3381/87--मिथिल सं० सि०  
पि० 85/81 में एरणाकुलम में स्थित उच्च न्यायालय के तारीख  
30-7-1986 के आदेश द्वारा रुबी रबर वर्क्स लिमिटेड का  
परिसमापन करने का आदेश दिया गया है।

वि० ए० विजयन मेनन  
कम्पनियों का रजिस्ट्रार  
केरल

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

सहायक आयकर

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 16 अप्रैल 1987

निवेश सं० एम० डी०-23/86-87—अतः मुझे, एस०  
के० पहवा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० खसरा सं० 275 खतौनी सं० 48 है तथा जो  
औरंगशहपुर डिग्री में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, दिनांक 22-8-86,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक्रे) और अंतरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) नगरपालिका व ग्राम पंचायतों की शक्ति, जहाँ  
अधिनियम के अधीन कायदे के अन्तरक के अन्तरक  
में कमी करने या उक्त नगरपालिका व ग्राम पंचायतों के लिए  
शक्ति/का

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम का  
अनुसरण अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री नन्दू व काता पुत्र श्री ईश्वरी  
नि० औरंगशहपुर डिग्री शहर, मेरठ।

(अन्तरक)

(2) श्री जनकपुरी सहकारी आवास समिति लि०  
मेरठ द्वारा श्री कदम सिंह ठाका व ब्रजपाल सिंह  
मेरठ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नोटिस :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि जो भी  
अवधि बाद में गणना होती हो के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

खसरा सं० 275, खतौनी सं० 48, औरंगशहपुर डिग्री  
मेरठ।

एस० के० पहवा

सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),  
(अर्जन रेंज), कानपुर

दिनांक : 16-4-87

मोहर :



प्रमुख आइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 16 अप्रैल 1987

निर्देश सं० एम० टी० 30/86-87--अन. मुझे, एम०

के० पहवा,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सूचना प्राधिकारी को यह विज्ञापन करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित

बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० खसरा सं० 392 है तथा जो क्वारसी (अलीगढ़) में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अलीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 21-8-1986

को पूर्वोक्त सर्पारान उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और सूझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावरसम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य इसको उचित प्रतिफल में, उचित दृश्यमान प्रतिफल का पद्धत प्रतिफल या अन्तर, और अन्तर (अन्तरगतों) और अन्तर (अन्तरगतों) में अन्तरण से निम्न तय किया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में दस्तावेजिक रूप से की गई नहीं किया गया है।--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री गोगेन्द्र सिंह पुत्र महाव सिंह  
नि० क्वारसी तहसील--कोल जिला० अलीगढ़।  
(अन्तर्गत)
- (2) उ० रे० कर्मचारी सहकारी आवास समिति लि०  
अलीगढ़ 142ए रेलवे कालोनी अलीगढ़ द्वारा श्री  
गोगेन्द्र चौधरी पुत्र श्री रामस्वरूप ।  
(अन्तर्गति)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खसरा सं० 392, ग्राम क्वारसी, तहसील--कोल, जिला अलीगढ़ ।

एम० के० पहवा  
सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण),  
(अर्जन रेज), कानपुर

दिनांक : 16-4-87  
मोहर :

सहायक आयकर अधिकारी, कानपुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 16 अप्रैल 1987

निदेश सं० एम० डी०-32/86-87-अत मुझे, एस०  
के० पट्टा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये  
से अधिक है

और जिसकी सं० 81/1, है तथा जो नराहड़ा में स्थित है (और  
इससे उपाय अग्रसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 30-8-86,  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के बाविल  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
और/या

(ख) ऐसी किसी भी आय या किसी भी अन्य वास्तविक  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
उपबोधार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री जगदीश प्रसाद पुत्र श्री सोहनलाल  
नि०-28 राम नगर, मेरठ।

(अन्तरक)

(2) श्री विजय पाल सिंह पुत्र श्री भालुल सिंह  
गांव एवं पो० मुडलाना, महारनपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अग्रसूची

सं० 81/1, नराहड़ा, मेरठ।

एस० के० पट्टा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर अधिकारी, (निरीक्षण)  
(अर्जुन रंज), कानपुर

दिनांक 16-4-87  
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्गलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 16 अप्रैल 1987

निदेश सं० एम० 1117/86-87—अत मुझे, एस० के०  
पाहुवा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 586/2, 587/2 है तथा जो सूरजपुर में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दादरी में, रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक  
13-8-86,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
वैध प्रतिफल निम्नलिखित संदर्भों से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जहाँ ३—

(1) श्री नरेन्द्र सिंह जे हल पुत्र श्री महेन्द्र सिंह  
निवासी—मध्यलिा मार्ग, डासना, गाजियाबाद ।  
(अन्तरक)

(2) सी० एफ० सी० लेबोरटीज लि०  
द्वारा श्री एस० के० चौपड़ा पुत्र श्री डा० आर०  
एन० चौपड़ा,  
31 कालकाजी, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

(3) वही

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

(4) वही

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता  
है की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति में अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

लक्ष्यीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सं० 587/2, 586/2 सूरजपुर, परगना—दादरी गाजियाबाद

एस० के० पाहुवा,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

(अर्जन रेंज), कानपुर

दिनांक : 16-4-1987

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 अप्रैल 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/6/37ईई/8-86/  
79—अन. मं०, टी० के० साह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट सं० यू०जी-10/अप्पर ग्राउण्ड खण्ड है तथा  
जो एस्मल हाउस ग्रामल अली रोड, नई दिल्ली में स्थित  
है (और इसमें उपर्युक्त अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित  
है), आयकर अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली में भारतीय अधिनियम, 1961 के  
अधीन, दिनांक

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मध्य यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरको) और अन्तरिणी  
(अन्तरिणीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिणी द्वारा प्राप्त नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, रिपान में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) एस्मल प्रोपर्टीज एण्ड एण्डस्ट्रीम  
बी-10, लार्गेस रोड, औद्योगिक क्षेत्र, नई दिल्ली।  
(अन्तरक)

(2) न्यू विजली फाउण्ड्री,  
जी० टी० रोड, बटाना, पंजाब।  
(अन्तरिणी)  
(अन्तरिणी)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या सप्ताहान्तर व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट सं० यू०जी-10, अप्पर ग्राउण्ड खण्ड 391.13  
वर्ग फीट (एस्मल हाउस) 10 ग्रामल अली रोड, नई दिल्ली।

टी० के० साह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 13-4-1987

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 अप्रैल, 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/6/37ईई/8-86/  
80—अतः मझे, टी० के० साह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट सं० 209 और 210 है तथा जो दूसरा  
खण्ड 658.82 वर्ग फीट एस्सल हाउस, 10,  
आसफ अली रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), सहायक आयकर आयुक्त  
(निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, नई दिल्ली-1 में भारतीय आयकर  
अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनांक अगस्त 1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अनिरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
बासविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

(1) एस्सल प्रोपर्टीज एण्ड इण्डस्ट्रीज  
बी-10, लार्गेम रोड इण्डस्ट्रीयल एरिया  
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) इंडो जावा एण्ड कम्पनी ।  
811, अंसल भवन, कस्तूरबा गांधी मार्ग,  
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होता है, के भीतर पर्योक्त  
वक्तों में से किसी व्यक्ति द्वारा.

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट सं० 209, 210/2 खण्ड 658.82 वर्ग फीट एस्सल  
हाउस, 10, आसफ अली रोड, नई दिल्ली ।

टी० के० साह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-6 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

3-76 GI/87

दिनांक : 13-4-1987

मोहर :

## प्रकाश आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
की धारा 269 ग (1) के अधीन सूचना

## राजपत्र सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 अप्रैल 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/6/37ईई/8-86/  
87-ए—प्रतः मुझे, श्री टी० के० साह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट सं० 217, है तथा जो दूसरा खण्ड, एसल  
हाउस, 10, आसफ अली रोड, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), सहायक आयकर  
आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-6, दिल्ली में भारतीय  
अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनांक अगस्त 1986,  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरिक्तियों) के बीच गम्भीर अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भातीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 1) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ दायित्वी द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) एसल प्रोपर्टीज एण्ड इण्डस्ट्रीस  
बी-10, लारेंस रोड औद्योगिक क्षेत्र, नई दिल्ली ।  
(अन्तरक)
- (2) श्री असीस गुप्ता सुपुत्र श्री बी० के० गुप्ता  
सी०-50, ग्रेटर कैलाश, भाग-1, नई दिल्ली -1  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् किसी व्यक्ति से पत्र  
सूचना को तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

## अनुसूची

फ्लैट सं० 217/दूसरा खण्ड /103.96 वर्ग फीट एसल  
हाउस, 10-आसफ अली रोड, नई दिल्ली ।

टी० के० साह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-6, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 13-4-87  
मोहर :

कल्पना बाई - डॉ० एम. एम.

भाषाकार की परिभाषा, 1961 [1961 का 43] की

पारा 269-अ (1) के अन्तर्गत कानून।

姓名: 王 强      学 号: 123456789

शर्माभन, सहायक माहिर बाबुल (निराश्रित)

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 अप्रैल 1987

निवेश सं० आर्द्र० ए० सी०/एक्यू०/६/३७ईई/८-८६/

80-बी-अतः मूझे, टी० के० साह,

ब्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है।

अवेर जिसकी सं० पलैट सं० 2 114, है तथा जो प्रथम खण्ड एसल हाउस, 10-आसफ अली रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) (अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, दिनांक अगस्त 1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान प्रतिफल के लिए सम्पत्ति की यह है और यह कि प्रत्यक्ष करने का कारण है कि सहाय्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित अनुसूची के अंतर्गत वर्गीकृत के वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) बन्तरक से हुए किसी माय की बाबत, उक्त मायिनबय को अधीन कर देने के बन्तरक को सम्पत्त्य में माली करने या उक्त बन्तरक में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, बिना भारतीय ब्यांकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या अन्य अधिनियम, या ब्यांकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तर्राष्ट्रीय द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में बर्धित है कि;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) एसएल प्रोपर्टीज एण्ड इण्डस्ट्रीज ,  
बी-10, लारेंस रोड, औद्योगिक क्षेत्र, नई दिल्ली ।  
(अन्तरक)

(2) श्री मुनीश गुप्ता सुपुत्र श्री बी० के० गुप्ता,  
सी०-50, ग्रेटर कैलाश, भाग-1, नई दिल्ली-48  
(अन्तरिती)

उन्हें यह सूचना जारी करने एवं नए संघर्ष के अवसर की जिम्मे  
कार्यवाहियों करता हूँ।

**समस्त राजस्थान की भाजपा की समन्वय बैठक में मोदी की भाषण-...**

(क) एक व्यक्ति के गुणपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्समर्थी व्यक्तियों पर व्यक्ति की तारीख में 30 दिन की अवधि को भी अवधि कम से कमजोर होती है, के नीचे पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति पर;

(ख) इस सूचना के उद्घरण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उच्चतम स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिग्रहणकारी के पास विहित में किया जा सकेगा।

**संक्षेपः—**इसमें प्रवृत्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनय, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**Abstract**

प्लैट सं० 114, प्रथम खण्ड, 267:63 वर्ग फीट एमल  
हाउस, 10, आसफ अली रोड नई दिल्ली ।

टी० के० साह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 13-4-87

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 अप्रैल 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/6/37ईई/8-86/  
80-सी-अतः मुझे, टी० के० साह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट सं० 316, है तथा जो निसरा खण्ड  
एसल हाउस 10 आसफ अली रोड, नई दिल्ली में स्थित है  
(और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), सहायक  
आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, दिनांक अगस्त 1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

- (1) एसल प्रोपर्टीज एण्ड एण्डस्ट्रीज ।  
बी-10, लारेंस रोज, औद्योगिक क्षेत्र नई दिल्ली ।  
(अन्तरक)
- (2) श्रीमती मोनिया सरमा सुपुत्र श्री जे० एल० सरना  
बी-1/75, सफदरजंग एक्लेव, नई दिल्ली ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट सं० 316, निसरा खण्ड 233.29 वर्ग फीट एसल  
हाउस, 10-आसफ अली रोड, नई दिल्ली ।

टी० के० साह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-6 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 13-4-87

मोहर :



आरूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 अप्रैल 1987

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/6/37ईई/8-86/  
87-डी--अस मुझे, टी० के० साह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट सं० 216, है तथा जो फ्लैट दूसरा  
खण्ड एसल हाउस, 10, आसफ अली रोड, नई दिल्ली में  
स्थित है (और इससे उपाय अतुल्य में पूर्ण रूप से वर्णित  
है), सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-6, नई  
दिल्ली-1 में भारतीय अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनांक  
अगस्त 1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
साबित होने की कमी करने या उससे बचने में सूचना  
को त्रुटि; और/वा

(ख) ऐसी किसी आम या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27,  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सूचना के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) एसल प्रोपर्टीज एण्ड इण्डस्ट्रीज  
बी-10, लारेंस रोड, औद्योगिक क्षेत्र, नई दिल्ली ।  
(अन्तरक)

(2) श्री जे० एल० सरना सुपुत्र श्री वी० पी० सरना  
बी-1/75, सफदरजंग एंक्लेव, नई दिल्ली ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अतुल्य

फ्लैट सं० 216, दूसरा खण्ड 233 29 वर्ग फीट एसल  
हाउस, 10-आसफ अली रोड, नई दिल्ली ।

टी० के० साह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-6 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 13-4-87

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 अप्रैल 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/6/37ईई/8-86/  
80-ई---अत मुझे, टी० के० माह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट सं० एल-10, है तथा जो फर्स्ट फ्लोर/  
एसल हाउस तादादी 295.69 वर्ग फीट में स्थित है और  
10, आसफ अली रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन  
रेंज-6 नई दिल्ली-1 में भारतीय आयकर अधिनियम, के  
अधीन दिनांक अगस्त 1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से ऐसे द्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) एसल प्रोपर्टीज एण्ड इण्डस्ट्रीज  
बी-10, लारेंस रोड, औद्योगिक क्षेत्र,  
नई दिल्ली--35

(अन्तरक)

(2) न्यू बिजली फाउण्टी,  
जी० टी० रोड, बाटला, (पंजाब)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लेट सं० एल-10, लोफ्ट/295:69 वर्ग फीट एसल  
हाउस, 10-आसफ अली रोड, नई दिल्ली ।

टी० के० माह

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-6 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 13-4-87

मोहर :

प्रारूप भाग-टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 अप्रैल 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एफ०/3/37ईई/8-86/195-

के—अतः मुझे, श्री सुभाष कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सी-139, है तथा जो सी-139, नारायणा  
इण्डस्ट्रीयल एरिया फेज-1, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे  
उपरोक्त अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय, भारतीय आयकर अधिनियम, 1961,  
के अधीन, नई दिल्ली दिनांक अगस्त, 1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या आयकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए:

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरक  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मे० रणवीर सिंह सन्तोख सिंह एण्ड कम्पनी,  
द्वारा गुरचरण सिंह, रोड-सं० 44, पंजाबी बाग  
नई दिल्ली II

श्री दर्शन सिंह, निवासी—एस-147 नारायणे  
विहार, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

(2) मे० मोना इण्टरनेशनल,  
सी-139, नारायणा इण्डस्ट्रीयल एरिया, नई दिल्ली,  
फेज-1,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सी-139, नारायणा इण्डस्ट्रीयल एरिया, फेज-1, नई  
दिल्ली, तादावी-600 वर्ग गज ।

सुभाष कुमार

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002,

दिनांक 15-4-1987

मोहर :

प्रमुख बाई, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) की अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3; नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 अप्रैल 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस०-आर०-2/  
8-86/355--अतः मुझे, सुभाष कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० प्रो० सं० 3, है तथा जो क्लाम 'सी' पंजाबी  
बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त 1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के  
कार्यत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) एतद्विषय किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती मिथलेश गुप्ता (2. श्री मुकेश गुप्ता,  
3. श्री संजय गुप्ता, सुपुत्र श्री आर० के० गुप्ता ।  
निवासी—7006, ब्लाक-14, देवनगर, करोल  
बाग, नई दिल्ली ।

( (अन्तरक)  
(2) श्री रामकुमार गुप्ता 2. श्री धर्मपाल गुप्ता  
3. श्री अशोक कुमार गुप्ता, सुपुत्र श्री बारमल  
गुप्ता, श्रीमती सुषमा गुप्ता,  
निवासी—30, अशोक पार्क (मैन) दिल्ली ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
लिए कार्यवाहियां शुरू करवाएं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

प्रो० सं० -3, क्लाम 'सी', क्षेत्र 55.55 वर्ग गज, पंजाबी  
बाग, ईस्ट एवेन्यू रोड, दिल्ली ।

सुभाष कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 15-4-1987

सोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस. ....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 अप्रैल 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस०-आर०-2/  
8-86/360—अतः मुझे, सुभाष कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० भी-78, है तथा जो इन्दरपुरी क्षेत्र, ग्राम नरायणा, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त 1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम केंद्रस्थान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

4-76GI/87

(1) श्री त्रिज नारायण दत्त सुपुत्र श्री हरनाम दास,  
निवासी—सी-78, इन्दरपुरी, नई दिल्ली ।  
(अन्तरक)

(2) श्री भारत भूषण तनेजा सुपुत्र श्री पी० एल०  
तनेजा, श्रीमती नीरू तनेजा धर्मपत्नी श्री भरत  
भूषण,  
निवासी—एच-86, क्रिती नगर, नई दिल्ली ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोदृष्टाभूरी के पाठ निहित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

हाउस सिगल स्टोरी व सं० सी-78, तादादी-500 बर्ग  
गज, स्थित इन्दरपुरी, एरिया आफ नरायणा, नई दिल्ली ।

सुभाष कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 15-4-1987

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 अप्रैल 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस०-प्रार-2/  
8-86/369—प्रतः सुने, सुभाष कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 17/35 है तथा जो 17/35 पञ्जाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त 1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गृह्य है और मूले यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीयत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री मदन मोहन सचदेवा सुपुत्र श्री बिश्व दास सचदेवा, निवासी—के-35, नाडल टाउन, दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री राजेश लखनपाल एण्ड श्रीमती सतीता लखनपाल धर्मपत्नी श्री राजेश लखनपाल,

निवासी—के-4/8 माडल टाउन, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्रो० सं० 17, रोड, सं० 35, पंजाबी बाग, नई दिल्ली, तावादी 569.36 वर्ग गज ।

सुभाष कुमार

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :—

दिनांक : 15-4-1987

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 अप्रैल 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/एम०-आर०-2/

8-86/381—अतः मुझे, सुभाष कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-  
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 2265, है तथा जो नाईवाला करोल बाग,  
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई  
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त 1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उद्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उमके उद्यमान प्रतिफल में, ऐसे उद्यमान प्रतिफल का  
उम्ह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कांक्षित नहीं किया गया है :—

(क) वास्तविक है (है) किसी भाव की वास्तविक  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उसके बचने के दृष्टि से किया;  
और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी भन या अन्य वास्तविकों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
अनुसरण अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरित किया हुआ प्रकट नहीं किया  
या या किया जाना चाहिए या, जिसने के दृष्टि से  
किया;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री हरभजन सिंह सुपुत्र सरदार ओगिन्दर सिंह,  
निवासी—मकान सं० 2265, नाईवाला गली  
सं० 67, करोल बाग, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) में० बैलेज कन्ट्रिक्स; कम्पनी (प्रा०) लि०,  
पंजीकृत कार्यालय 404, नंदमा टावर राजेन्द्रा  
पलेस, नई दिल्ली,  
(कम्पनी अण्डर इनकारपोरेशन द्वारा परमोटर)  
(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों शुरू करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में आई सीआओप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवशुध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पात्र  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

आधा भाग प्रो० सं० 2265, नाईवाला गली सं० 67,  
खसरा सं० 591, करोल बाग, नई दिल्ली, तादादी 231 वर्ग  
गज ।

सुभाष कुमार  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 15-4-87  
मोहर .

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 अप्रैल 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस०-आर-2/  
9-86/431—अतः मुझे, सुभाष कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 2265 नाईवाला है तथा जो करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मितम्बर 1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्र प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती गुरुचरण देवी धर्मपत्नी श्री जगजीत सिंह, निवासी—2265, गली सं० 67, करोल बाग, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) में० बलेज कन्स्ट्रक्शन कम्पनी (प्रा०) लि०, पंजीकृत कार्यालय 404, पदमा टावर महेन्द्रा पलेस, नई दिल्ली, कम्पनी अण्डर इन कारपोरेशन द्वारा डाइरेक्टर श्री डी० एन० तनेजा सुपुत्र श्री जी० डी० तनेजा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तक्षेप किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्त्यक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के माँ परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आधा भाग प्रो० सं० 2265, गली सं० 67, नाईवाला करोल बाग, नई दिल्ली, खसरा सं० 591, तादादी 231 वर्ग गज ।

सुभाष कुमार

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 15-4-1987

मोहर :



प्रत्यक्ष आई.टी.एन.एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 20 अप्रैल 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/4/37ईई/8-86/III/

79—अतः मुझे, डी० के० श्रीवास्तव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) का धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फार्म सं० बी-29, है तथा जो पुष्पांजली बिजवासन नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, नई दिल्ली-1 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनांक अगस्त 1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्ययमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से, ऐसे व्ययमान प्रतिफल का मनुष्य प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एवम् किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) असल प्रोपर्टीस प्रा० लिमि०

115 असल भवन, 16, के० जी मार्ग नई दिल्ली  
(अन्तरक)

(2) श्री अर्जुन सी वाने द्वारा श्रीमती मोहती वाने  
सी०-34, वेस्ट एण्ड (नजदीक शानि निकेतन)  
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और श्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुप्राप्त

फार्म सं० बी-29, पुष्पांजली फार्म गांव-बिजवासन,  
नई दिल्ली ।

डी० के० श्रीवास्तव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 20-4-87

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 20 अप्रैल 1987

निवेश सं० आई० ए० सी० /एफ्यू०/4/37ईई/8-86/  
168/80—अतः मुझे, डी० के० श्रीवास्तव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसको पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० डब्ल्यू०-21 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली का 1/8 भाग में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनांक अगस्त 1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है

कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अभिमत नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायत्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्रीमती उषा डालमिया पत्नी श्री ए० डालमिया सं० 1, तीस जनवरी मार्ग, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रमा रानी खन्ना पत्नी श्री केवल कृष्ण खन्ना और मुनीश खन्ना सुपुत्र केवल कृष्ण खन्ना निवासी—2-सी/5, न्यू रीहक रोड, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

1/8 पोरशन भाग प्लॉट क्षेत्र बियरिंग डब्ल्यू-21, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली ।

डी० के० श्रीवास्तव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 20-4-87

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 20 अप्रैल 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एम्पू०/4/37ईई/8-86/  
190/81—प्रतः मुझे, श्री डी० के० श्रीवास्तव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० डब्ल्यू-21, है तथा जो जी० के-2, नई दिल्ली  
में स्थित है (और इससे उपायय्य अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर  
आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, दिल्ली में भारतीय आयकर  
अधिनियम, 1961 के अधीन दिनांक अगस्त 1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिफल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्त-  
रिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
में प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए,

(1) श्रीमती बेला डालमिया परानी आई० एच० डालमिया  
सं० 1, तीस जनवरी, मार्ग, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(1) श्री विजय कुमार खन्ना एण्ड संम (एचयूएफ'),  
द्वारा विजय कुमार खन्ना 2/सी5, न्यू रोहतक रोड,  
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, बभोहस्ताधारी के पास  
लिखित में किसे का हकीकत।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में विधा  
किया है ।

### अनुसूची

पाठ पोरशन प्लॉट लैंड बियरिंग डब्ल्यू-21, ग्रेटर कैलाश-  
2, नई दिल्ली ।

डी० के० श्रीवास्तव  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 20-4-87

मोहर :

प्राकृतिक आर्थिक एन.एस. . . . .

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 20 अप्रैल 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/ए यू०/4/37ईई/8-86/  
195-एफ/82—अतः मुझे, डी० के० श्रीवास्तव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फार्म सं० बी-30, ई तथा जो पुष्पांजली गांव  
बिजवासन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक  
आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली  
में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनांक  
अगस्त 1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
इन्हें प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
थाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
सिद्धित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं कमा गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
हाथिल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए। और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्त्रियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिगत अर्थात् :—

(1) श्रीमती मोहिनी बाने  
सी-34, वेस्ट एण्ड (नजदीक शांति निकेतन)  
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) अंसल प्रोपर्टीज एण्ड इण्डस्ट्रीस प्रा० लिमि०  
115, अंसल भवन, के० जी० मार्ग, नई दिल्ली ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्यन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
रहित किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फार्म सं० बी-30, पुष्पांजली फार्म, गांव बिजवासन ।

डी० के० श्रीवास्तव  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-4 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 20-4-87  
मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

(1) श्री प्राण गथ कश्यप

ई-48, जी फ्लोर, ग्रेटर कैलाश, भाग-2, नई दिल्ली  
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री बालकिशन

ई-56, ग्रेटर कैलाश एंक्लेव-2,  
नई दिल्ली-110048

भारत सरकार

(अन्तरगती)

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-4, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 20 अप्रैल 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/4/37-जी/8-86/

115--अनः मुझे, डी० के० श्रीवास्तव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ई-48, है तथा जो जी-फ्लोर, ग्रेटर कैलाश-भाग 2, में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली-1 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त 1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ई-48, जी, फ्लोर ग्रेटर कैलाश भाग-2, तीन ब्रैड रूम्स  
ड्राइंग/डाइनिंग, दो बाथरूम, किचन, स्टोर रूम, मैजनिंग रूम एक  
बाथरूम ।

डी० के० श्रीवास्तव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 20-4-87

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--  
5-76GI/87

प्ररूप आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 20 अप्रैल 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/4/37-जी/8-  
86/112—अतः मुझे, डी० के० श्रीवास्तव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० शाप प्लॉट ब्रियरिंग सं० 77, है तथा जी ब्लॉक एम, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय, नई दिल्ली-1 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त 1986,

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पर्याप्त प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्रीमती सुधीर बाला सरीन पत्नी श्री गोपाल सिंह सरीन,

ई-496, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली-48 वर्तमान पता-3533, रमजे स्ट्रीट लॉग्यूनी, ब्यूरोक, कनाडा द्वारा एटॉरनी श्री गोपाल सरीन ।

(अन्तरक)

(2) एम० जे० एण्टरप्राइसिस

55-ए, उदय पार्क, नई दिल्ली द्वारा पार्टनर मंजित कौर और जसवीर कौर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

शाप प्लॉट ब्रियरिंग सं० 77, ब्लॉक एम तावडी 195  
वर्ग गज आवासीय कालोनी, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली ।

डी० के० श्रीवास्तव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसूचन में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 20-4-87

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 अप्रैल 1987

निवेदन सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-7/37ईई/8-86/  
113—अन. मुझे, श्री बी० के० मंगोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बी-412, है तथा जो चौथा खण्ड 5, भीकाजी  
कामा प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची  
में पूर्ण रूप से वर्णित है), सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में  
भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के  
अधीन, दिनांक अगस्त 1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
संग्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्घोष से उक्त अन्तरण निश्चित  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अन्तरक  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री जे० बी० माटि; सुपुत्र स्व० श्री जी० एम०  
माटि, ए-1/230, सफदरजग एंक्लेव, नई दिल्ली।  
(अन्तरक)

(2) श्री ओम प्रकाश डिग्रा सुपुत्र श्री दौलत राम डिग्रा  
20/26, ईस्ट पंजाबी बाग, नई दिल्ली।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट सं० बी-412 चौथा खण्ड 5, भीकाजी कामा प्लेस,  
नई दिल्ली। तादादी 533 वर्ग फीट।

बी० के० मंगोत्रा

सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज-7, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 10-4-87

मोहर .

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 अप्रैल 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-7/37ईई/8-86/  
142—अत. मुझे, श्री बी० के० मंगोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 409, है तथा जो भीकाजी कामा पलेस,  
नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण  
रूप से वर्णित है), सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में भारतीय  
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कब के अधीन  
दिनांक अगस्त 1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित से  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का वास्तविक, उक्त  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए;  
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहीए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री सी० एल० मथोडा (नमन लाल मथोका)  
बी-7 मफदरजग एक्वेव,  
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) मिसेज शशि खन्ना  
1ए-232, फरीदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिर्ण करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में सम्पन्न होता हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट सं० 409, चौथा खण्ड, बिल्डिंग सं० 9, भीकाजी  
कामा पलेस, नई दिल्ली ।

बी० के० मंगोत्रा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 10-4-87

मोहर :



प्ररूप जारी टी. एन. एन. 1111

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 अप्रैल 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-7/37ईई/8-86/  
141—अतः मुझे, वी० के० मंगोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट सं० 408, है तथा जो भीकाजी कामा पलेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन दिनांक अगस्त 1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कम निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

[(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोच-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण से, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सी० एल० मधोक,  
बी-7/3, सफदरजंग एकलेव, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) मिसेस दुलाली खन्ना  
1ए-232, फरीदाबाद ।

(अन्तरिती)

यदि यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

व्यष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फ्लैट सं० 408, 9, भीकाजी कामा पलेस, चौथा खण्ड,  
नई दिल्ली ।

वी० के० मंगोत्रा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

दिनांक : 10-4-87

मोहर :

**प्रकट भार.डी.एच.एच.**

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 अप्रैल 1987

निदेश सं० आर्डी० ए० सी०/एक्यू०-7/37ईई/8-86/  
195-एम—अतः मुझे, श्री वी० के० मंगोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एस-171, है तथा जो ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली प्रथम खण्ड में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम की 1961 की धारा 269 कख के अधीन दिनांक अगस्त 1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल से लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि उपापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित के वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तविकी को, चिन्ह भारतीय भाव-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) मास्टर अमन नागरथ पत्नी श्री रणजीत नागरथ  
2 टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली ।  
श्री सतीश सेठ, सुपुत्र श्री सी सेठ जी-1/10,  
दरिया गंज, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री मोहन लाल दयोहर 5, लॉअर राइन स्ट्रीट,  
कलकत्ता प्रोमोटर प्रोपोज्ड प्रा० लिमि० ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

**उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधकता—**

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिक अवधि में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

प्रथम खण्ड एस-171, ग्रेटर कैलाश, भाग-2, नई दिल्ली  
तादावी 298 वर्ग गज ।

वी० के० मंगोत्रा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 10-4-87

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 अप्रैल 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-7/37ईई/8-86/222—अन. मुझे, श्री बी० के० मंगोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एस-62, ग्रेटर कैलाश-2, है तथा जो नई दिल्ली-1 में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कब के अधीन दिनांक अगस्त 1987,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तवों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के लिए, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स वजोडमन एक्मपोर्ट लिमि० द्वारा डायरेक्टर अब्दुल कादिर सुपुत्र श्री एच० अब्दुल वाजिद डी-9, कालिंदी कालोनी, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री बिमल किशोर जैन सुपुत्र श्री बी० बी० दाम जैन मिसेज रीता जैन पत्नी श्री के० के० जैन मिसेज कविता जैन पत्नी श्री एस० के० जैन मिसेज डेजी जैन पत्नी श्री बी० के० जैन निवासी-1490, कुचा सेठ, दरिबा कला, चादनी चौक, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होगी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा बभोहस्ताक्षरी के पाठ लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रापटी सं० एस/62, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली ।

बी० के० मंगोत्रा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-7, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 10-4-87

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 अप्रैल 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/8-86/  
3213ए—अतः मुझे, श्री एस० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसको पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स० स्पेश स० 11, है तथा जो तीसरा खण्ड ब्लॉक  
ई, होटल्स कम कमर्शियल काम्प्लेक्स नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में  
स्थित है (और इसमें उल्लेख अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर  
आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय  
आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनांक अगस्त 1986,  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
संग्रह प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
ही, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) नेहरू प्लेस होटल्स लिमि० ।

इरोम सिनेमा बिल्डिंग, जगपुरा एक्सप्रेसवे,  
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती विभा भाटिया और मि० सीमा भाटिया  
ए-1/114, मफदरजग एक्वेव, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होता है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अर्धहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

स्पेश स० 11, तीसरा खण्ड ब्लॉक ई, होटल्स कम—कम-  
शियल काम्प्लेक्स, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली जगभग क्षेत्र 647  
वर्ग फीट ।

एस० सी० गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक 16-4-1987

मोहर :

प्रमुख भाई. टी. एन. एल.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 अप्रैल 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/8-88/  
3213बी—अतः मुझे, श्री एस० सी० गुप्ता,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट सं० 805, है तथा जो इण्टरनेशनल  
ट्रेड टावर, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम,  
1961 के अधीन, दिनांक अगस्त 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पर्याप्त प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
व्ययों में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
6-76GI/87

(1) मेसर्स कोरोनेशन स्पॉनिंग इंडिया  
बी-44, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली -1100048  
(अन्तरक)

(2) श्री जे० एस० लूथरा  
111/92, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली-1  
(अन्तरिती)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशंका :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट सं० 805, इण्टरनेशनल ट्रेड टावर, नेहरू प्लेस  
होटल्स, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली। क्षेत्र 735 वर्ग फीट।

ए० सी० गुप्ता  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 16-4-87  
मोहर :

प्रकरण आई.टी.एन.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्त्तव्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 अप्रैल 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/8-86/  
3225—अन: मुझे, श्री एस० सी० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट सं० 1304, देविका टावर, है तथा जो नई दिल्ली-6 नेहरू प्लेस में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनांक अगस्त 1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की छयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से, ऐसे छयमान प्रतिफल का पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण के द्वारा किसी नाब की बात, उक्त अधिनियम की अधीन कर देने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) प्रगति कंस्ट्रक्शन कम्पनी, देविका-टावर,  
चौथा खण्ड सोनला हाउस, 73-74, नेहरू प्लेस,  
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री महेश चन्द्रा जैन  
55-बी, कैंट, कानपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों के किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, या उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फ्लैट सं० 1304, देविका टावर, 6-नेहरू प्लेस, नई दिल्ली । क्षेत्र 560 वर्ग फीट ।

एस० सी० गुप्ता  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 16-4-1987

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 अप्रैल 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/8-86/

3228—अतः मुझे, श्री एस० सी० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट सं० 1309, देविका टावर, है तथा जो नेहरू पलेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनांक अगस्त 1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दो दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में, परन्तु दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच गंभीर अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) प्रगति कंसल्टिंग कम्पनी, देविका टावर,  
चौथा खण्ड, सीतला हाउस, 73-74, नेहरू पलेस,  
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रवीण जैन  
55बी, कैट, कानपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फ्लैट सं० 1309, देविका टावर, 6, नेहरू पलेस, नई दिल्ली ।  
क्षेत्र 500 वर्ग फीट ।

एम० सी० गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 16-4-87

मोहर :

प्रकट भाई: टी. एच. एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 अप्रैल 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/8-86/

3230—अतः मुझे, श्री एस० सी० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट सं० 1306, है तथा जो नेहरू प्लेस,  
नई दिल्ली 1 में स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक  
आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली-1 में  
भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनांक अगस्त  
1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दख्तमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
है कारण है कि वशापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दख्तमान प्रतिफल से, ऐसे दख्तमान प्रतिफल का पन्नाह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विहित में  
आवधिक रूप से उचित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुए किसी भाग की वापस, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
राशि में कमी करने या उक्त बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्णित है—

(1) प्रगति कंस्ट्रक्शन कम्पनी देविका टावर,  
चौथा खण्ड, शीतला हाउस, 73-74, नेहरू प्लेस,  
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) मास्टर प्रसांत जैन  
55, बी, कैट, कानपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के  
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लेट सं० 1306, देविका टावर, 6, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली ।  
क्षेत्र 325 वर्ग फीट ।

एस० सी० गुप्ता  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली

दिनांक : 16-4-1987  
मोहर :



प्रकाशक: टी. ए. ए. ए. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

राजपत्र सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 अप्रैल 1987

निदेश सं. आई. ए. सी. 0/एक्यू. 0/1/37ईई/8-86/3231--

अतः मुझे, श्री एस. सी. गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लैट सं. 1308, 6 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली-1  
में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर  
आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-1, नई दिल्ली में भारतीय  
आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन दिनांक अगस्त 1986,  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकर्ता विलेख के अनुसार अंतरित  
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायिल  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य जास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
अनुबन्धक अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
मैं, श्री, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जन रोज-1--

(1) प्रगति कंस्ट्रक्शन कम्पनी देविका टावर  
चौथा खण्ड, गीतला हाउस, 73-74, नेहरू प्लेस,  
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शकुन्ता देवी जैमन  
55-बी, कैण्ट, कानपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपाहस्ताभरा के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लैट सं. 1308, देविका टावर 6, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली  
क्षेत्र 440 वर्ग फीट ।

एस. सी. गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 16-4-87

मोहर :

प्रमुख न्यायाधीश, नई दिल्ली

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 अप्रैल 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/8-86/

3232—अतः मुझे, श्री एस० सी० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जमकी सं० प्लैट सं० 1310, 6, है तथा जो नेहरू प्लेस,  
नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व  
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक  
आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली-1 में  
भारतीय आयकर अधिनियम, 1981 के अधीन दिनांक अगस्त  
1986,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवधान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके व्यवधान प्रतिफल से ऐसे व्यवधान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और वह अन्तरक (अंतरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए धब  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए किए गए

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तिनों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अप-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) प्रगति कंस्ट्रक्शन कम्पनी (देविका टावर),  
चीथा खण्ड, शीतला हाउस, 73-74, नेहरू प्लेस,  
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री संदीप जैन  
55, बी, कैण्ट, कानपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धावेप है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद र समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितवशु  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लैट सं० 1310, देविका टावर, 6, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली ।  
क्षेत्र 500 वर्ग फीट ।

एस० सी० गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 16-4-87

मोहर :

प्रमुख आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 अप्रैल 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/8-86/3233-

अतः मुझे, श्री एस० सी० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट सं० 1307, है तथा जो 6, नेहरू प्लेस,  
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक  
आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में  
भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनांक अगस्त  
1986,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि बधाईपूर्वक संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल से  
बहुत प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब  
बाधा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) प्रगति कंस्ट्रक्शन कम्पनी, देविका टावर  
चौथा खण्ड, शीतला हाउस, 73-74, नेहरू प्लेस,  
नई दिल्ली ।

(अन्तरिक)

(2) श्री दुर्गा बाई जैन  
55-बी, कैण्ट, कानपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वादों :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट सं० 1307, देविका टावर 6, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली ।  
क्षेत्र 568 वर्ग फीट ।

एस० सी० गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 16-4-87

मोहर : :

प्रूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 अप्रैल 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एन्यू०/1/37ईई/8-86/

3234—अतः मुझे, श्री एस० सी० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-  
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट सं० 1305, है तथा जो देविका टावर,  
6 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम,  
1961 के अधीन, दिनांक अगस्त 1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वाचित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) प्रगति कंस्ट्रक्शन कम्पनी देविका टावर  
चीफा खण्ड, शीतला हाउस, 73-74, नेहरू प्लेस,  
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कुसुमलता जैन  
55-बी, बी० कैण्ट,  
कानपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट सं० 1305, देविका टावर, 6, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली ।  
क्षेत्र 325 वर्ग फीट ।

एस० सी० गुप्ता  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 16-4-87  
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 अप्रैल 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एफ्यू०/1/37ईई/8-86/

3237—अन: मुझे, एस० सी० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट सं० 2-ए, है तथा जो तल खण्ड कुदन हाउस, 16 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन दिनांक अगस्त 1986,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

7-76G1/87

(1) टावर हाइट बिल्डिंग्स प्रा० लि०

डी-31, माउन्ट टाईन, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) लक्ष्मी पाल धीर एण्ड सन (एच० ए एफ)

सी-361, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली । द्वारा श्री एल० पी० धीर कर्ता ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाय में समाप्त होती है, के भीतर पत्रोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

फ्लैट सं० 2-ए, तल खण्ड कुदन हाउस, 16, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली—110019 । तादादी 250 वर्ग फीट ।

एस० सी० गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 16-4-87

मोहर :

प्रमुख भाग: डी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

बाजार मूल्य

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रें :- 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 अगस्त 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/8-86/

3240—अन: मुझे, श्री एम० सी० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें  
हमके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० प्लॉट सं० 20, है तथा जो चौथा खण्ड, 38,  
नेहरू प्लेस में स्थित है (और इस उल्लेख अनुसूची में पूर्व  
रूप में वर्णित है), री स्ट्रीकर्ता के अधिकारी के कार्यालय, सहायक  
आयकर आयुक्त (निरीक्षण) रें :- 1, नई दिल्ली - 1 में भारतीय  
आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनांक अगस्त 1986,  
को पूर्णतः सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए ता पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में दर्ज  
नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) अपनी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के अन्तर्गत अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, निम्नलिखित  
सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

- (1) गुलमोहर एस्टेट प्रा० लिमि०  
415, देवका टावरम, 6, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली।  
(अन्तरक)
- (2) श्री अमिन गर्ग सुपुत्र श्री रविन्द्र गर्ग  
14, कैलाश अपार्टमेंटम, नई दिल्ली।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवर्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रामाण्यकारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों की पदों का, या उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

प्लॉट सं० 20, चौथा खण्ड 38, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली-  
110019, क्षेत्र 399 वर्ग फीट।

एम० सी० गुप्ता  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रें :- 1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 16-4-87

मोहर :

प्रारूप आइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 अप्रैल 1987

निदेश सं. आई.ए. सी. 0/एक्यू. 0/1/37ईई/8-86/

3241-अन. मुजे, श्री एम. सी. गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्री एम. सी. गुप्ता सं. 419, है तथा जो चौथा खण्ड  
38 नेहरू प्लेस नई दिल्ली में स्थित है (श्री एम. सी. गुप्ता  
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-  
1, नई दिल्ली-1 में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961  
के अधीन, दिनांक अगस्त 1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और  
अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच एम. सी. गुप्ता के लिए तद  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तुओं  
को बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, स्थान में सुविधा  
के लिए।

वतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) गुलमोहर एस्टेट प्रा. लि. मि. 0  
415, देविका टावर, 6, नेहरू प्लेस,  
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) मास्टर निनिन गर्ग मुपुत्र श्री रविन्द्र मार्ग  
14, कैलाश अपार्टमेंट, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अमृत्सूची

प्लेट सं. 419, चौथा खण्ड, 38, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली-  
110019, क्षेत्र 584 वर्ग फीट ।

एम. सी. गुप्ता

सूक्ष्म प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 16-4-87

मोहर .

प्रमुख धाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 अप्रैल 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/3788/9-86/

3273--अन मूज, एम० सी० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लैट सं० जी/8 है तथा जो 8-ए, तल खण्ड  
कुदन हाउस, 16, नेहरू प्लेस, दिल्ली-1 में स्थित है (और  
इसमें उदात्त अनुसूची में पूर्वरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम,  
1971 के अधीन, दिनांक मितम्बर 1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतर्गती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विहित के वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या नक्स अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरित की जाए प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) टावर हाइट बिल्डिंग प्रा० लिमि०  
डी-31, माडल टाउन, दिल्ली-19

(अन्तरक)

(2) श्री अनोक धीर और मिस स्वाति धीर  
सी-361, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली 1

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के संबंध में निम्न  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

401 वर्ग फीट प्लैट सं० जी/8-ए, तल खण्ड कुदन हाउस,  
16, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली 1

एम० सी० गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक 16-4-87

मोहर



प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
की धारा 269 घ (1) के अधीन संचन

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 अप्रैल 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/8-86/

3313—अन मुझे. एम० सी० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जी-1, है तथा जो शापिंग सेंटर कम कम्प्यू-  
निटी फर्मिनिटी कालकाजी नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें  
उत्तम अंश में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, नई दिल्ली -1 में भारतीय आयकर अधिनियम  
1961 के अधीन, दिनांक अगस्त 1986,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) जस्तुन से हुई किसी आय की वसति, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के धारित  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिनमें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :—

(1) भाटिया अश्वार्थसेट प्रा० लि०

ए-18, कैनाश कालोनी, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती विमला मेहरा द्वारा

मेमर्स अमोलक राम श्रोम प्रकाश बजार साबुनिया  
गुरु बाजार, अमृतसर पंजाब ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरों के साथ  
लिखित में लिए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

जी-1, शापिंग सेंटर कम कम्प्यूनिटी फर्मिनिटी कालकाजी,  
नई दिल्ली । क्षेत्र 562.50 वर्ग फीट 1 प्लैट सं० 102,  
प्रथम खण्ड ।

एम० सी० गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1 दिल्ली, नई दिल्ली- 110002

दिनांक : 16-4-87

मोहर :

प्रत्यक्ष बाई-टी. एन. एस. -----

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना**

**आयकर अधिकारी**

**कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)**

अर्जन रोज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 अप्रैल 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/8-86/

3314—अत. मुझे, श्री एस० सी० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि 'आयकर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जी-1, है तथा जो शोपिंग सेंटर कम कम्युनिटी सेंटर फैमिलिटी कालकाजी, दिल्ली फ्लैट सं० 103, में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-1, दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक अगस्त 1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की वापस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अतीवृत्ति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेमर्स भाटिया अर्गटमेंट्स प्रा० लिमि०

ए-18, कैलाश कानोनी, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री सोहन लाल मेहरा द्वारा अमोलक राम, ओम-प्रकाश बाजार साबुनिया (गुरु बाजार) अमृतसर -1 पञ्जाब (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यावहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के एकपत्र में प्रकाशन की तारीख

45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के एकपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45

दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवशुक्त किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**संक्षेपितः :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के बध्याव 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जी-1, शोपिंग सेंटर कम कम्युनिटी फैमिलिटी, कालकाजी, नई दिल्ली प्रथम खण्ड कुल क्षेत्र 375 वर्ग फीट । फ्लैट सं० 103 ।

एस० सी० गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110 002

दिनांक : 16-4-87

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 अप्रैल 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/8-86/

3315—अत मुझे, श्री एम० सी० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जी-1, है तथा जो शापिंग सेंटर कम कम्यु-  
निटी फैमिलिटी कालकाजी, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें  
उपाध्व अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (अर्जन रेंज-1,  
नई दिल्ली-1 में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के  
अधीन, दिनांक अगस्त 1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) भाटिया अपार्टमेंट्स प्रा० लिमि०  
ए-18, फैलाश कालोनी, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री भगवान दाम मेहरा  
गुरु बाजार, अमृतसर पंजाब ।

(अन्तरिणी)

अधिश बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त  
उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या सप्ताहवन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

नमूना

जी-1, शापिंग सेंटर कम कम्युनिटी फैमिलिटी कालका  
जी नई दिल्ली क्षेत्र 375 वर्ग फीट प्लॉट सं० 104 प्रथम खण्ड ।

एम० सी० गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली -110002

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 16-4-87

मोहर :

प्रथम भाग, टी. एम. एस. - - - - -

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 अप्रैल 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/8-86/

3316—अत मुझे, एम० सी० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जी-1, है तथा जो शापिंग सेंटर कम कम्युनिटी फेसिलिटी कालकाजी, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), जिम्मेदारी अधि-कारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली -1 में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, दिनांक अगस्त 1986,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाव में सुविधा के लिए;

(1) भाटिया अपार्टमेंट्स प्रा० लिमि०

ए-18, नैलाश कालोनी, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री वीपुल मेहता द्वारा मेमर्स अमलोक राम ओम-प्रकाश वजार, साबुनीयाँ गुरु बाजार, अमृतसर (पंजाब)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

जी-1 शापिंग सेंटर कम कम्युनिटी फेसिलिटी कालकाजी नई दिल्ली प्रथम खंड फ्लैट नं० 105, कुल क्षेत्र 187:50 वर्ग फीट।

एम० सी० गुप्ता  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली-110002

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरक को, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 16-4-87

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

ताम्रनिर्ग, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 अप्रैल, 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37इड/8-86/

3317--अतः सुते, एस० सी० गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो जी-1 शापिंग सेंटर  
कम कम्युनिटी फेसीलिटी कालकाजी में स्थित है  
(और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित  
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर  
आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 नई दिल्ली में भारतीय  
आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख अगस्त 1986  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरको) और अन्तरिती  
(अन्तरिनियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

8-76G1 87

- (1) भाटिया अपार्टमेंट्स प्रा० लि०, ए-18, कैलाश  
कालोनी, नई दिल्ली।

अन्तरक)

- (2) गजीव मेहरा द्वारा अमलोक राम ओम प्रकाश  
बाजार सबुनिया, गुह बाजार, अमृतसर, पंजाब।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में गमान होता हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

जी-1. शापिंग सेंटर कम कम्युनिटी फेसीलिटी कालका  
जी, नई दिल्ली। प्रथम खंड 1 फ्लैट नं० 106 कुल  
क्षेत्र 187:50 वर्ग फीट।

एस० सी० गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख : 17-4-1987

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 अप्रैल, 1987

निदेश सं. आई. टी. एन. एस. 1/37ड/8-86/

3318--अन. मुझे एम. सी. गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विव्याप्त करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. है तथा जो फ्लैट नं. 101, एम पी डी हाउस-1, प्लॉट नं. 6 मदनगीर एल एम सी नजदीक पुष्प भवन, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक अगस्त 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिणी (अंतरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के बायिल्व में कमी करने या उसमें बचने में सविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) एम पी डी लिमिटेड एम. सी. 110, मेघडून  
94, नेहरू रोड नई दिल्ली।

(अन्तःक)

(2) शर्पणा मल्ल (छोटा), यू/जी मंतोप देवी मल्ल  
40, स्टूडेंट राउ, चौरा राउ हम नं. 2, कलकत्ता

(एन्तर्निनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में संगत होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 101, एम पी डी हाउस-1, प्लॉट नं. 1  
मदनगीर एल एम सी, नजदीक पुष्पभवन, नई दिल्ली ताबादी  
257 वर्ग फीट।

एम. सी. गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख : 16-4-1987

मोहर :

अध्याय २६ टी एन.एन. ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

आयकर सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-1 नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 16 अप्रैल, 1987

निदेश नं० आई० ए० सी०/एक०/1/37ईई/8-86/

3319--अन सुज एम० सी० गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है -

और जिसकी सं० है तथा जो प्लॉट नं० 120 एम पी डी हाउस 1 प्लॉट नं० 6 मदनगीर एन एस सी नजदीक पुष्प भवन नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपा-बद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-1 नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख अगस्त 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का रजिस्ट्री प्रतीक से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कोषित नहीं किया गया है -

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त अधिनियम में बर्णित कर देने के अन्तरक के बावजूद में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तविक को बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रत्येकवर्ष अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

(1) एम पी डी विल्डमर प्रा० लि०, 110 मेघदूत 94 नेहरू पलेस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) आनन्दशंकर मल गु/जी मांगरमल 40, स्ट्राड रोड चौथा खंड सम नं० 2, रत्नकता।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के अन्वय में कोई भी बाधा -

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, या भी अवधि बाह में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जमाहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 102, एम पी डी हाउस-1, प्लॉट नं० 6, मदनगीर एन एस सी नजदीक पुष्पभवन, नई दिल्ली। तादादी 368 वर्ग फीट। है

एम० सी० गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-1, नई दिल्ली

तारीख 16-1-1987  
साहू.

अन. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् -

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 अप्रैल 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/8-86/

3320--अतः मुझे, एस० सी० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इससे  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट सं० 103, है तथा जो एम० पी० डी०  
हाउस, मदनगीर एल एससी० नजदीक पुष्पभवन, नई दिल्ली  
तादादी 410 वर्ग फीट में स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची  
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई  
दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनांक  
अगस्त 1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्षयमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके क्षयमान प्रतिफल से, ऐसे क्षयमान प्रतिफल का  
व्यवहार प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिणी  
(अन्तरिणी) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से अधिक नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को वास्तविक  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) किसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) एम० पी० डी० बिल्डिंग्स प्रा० लिमि०  
110, मेघदूत, 94, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली  
(अन्तरक)

(2) श्रीमती संतोष देवी मल्ल  
40, रुण्ड रोड, रूम सं० 2, चौथा खण्ड,  
कलकत्ता ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में बहुत-  
बहुत किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 23-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लेट सं० 103, एम० पी० डी० हाउस-1, 6, मदनगीर र  
एल० एस० सी० नजदीक पुष्पभवन, नई दिल्ली तादादी 410  
वर्ग फीट ।

एस० सी० गुप्ता  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 16-4-87

मोहर :



**प्रमाण माह**, ई. पू. पृ. पृ.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूत्राया

১৫৯৪ খ্রিঃ

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 अप्रैल 1987

निदेश स० आर्द्ध० प० सी०/एक्यू०/1/37ईई/8-86/

3321--अत मुञ्जे, ए० सी० गुप्ता.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सख्त प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट सं० 105, एम० पी० डी० हाउस,  
1, मदनमोहन एल० एम० सी नजदीक पुष्प भवन, नई दिल्ली  
तदादी 440 वर्ग फुट में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनु-  
सूची में पूर्ण रूप वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
सहायक आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेज-1, नई दिल्ली-1  
में भारतीय आयुक्त अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनांक  
अगस्त 1986,

का पूर्वांकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह निष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांकृत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्का प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तर्गत से हुए किसी काम को वापस, उक्त परिधिमान से काफी कम होने से वास्तविक से वास्तविक से कम कराने या उक्त यन्त्रों से ध्वनिता से लिए हुए या

(क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य जास्तियों को, किन्हु भारतीय वाहनकर अधिनियम, 1927 (1927 का 11) से उनका अभिलेखित न बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधिनियम से उनकी संपत्ति को कर देना या या किसी जाना खाहूँ या, स्थान में खुदिया खी लिए:

अतः अथ उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अन्तरण में, में नवम अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) एम० पी० डी० बिल्डिंग्स प्रा० लिमि०

110, मेघदूत, 94 नेहरू पलेस, नई दिल्ली ।  
(अन्तरक)

(2) श्री सागर मल

40, रुद्र रोड, चौथा खण्ड, कम सं० 2,  
कलकत्ता-1

(अन्तरिती)

को वह क्षया प्रारंभ करने पूर्वोक्त मन्त्रीय के अतिरिक्त जिन कार्यवाहियों में संलग्न हैं।

सबस सभ्यता के वर्जन को हटाना से कादं भी नहीं --

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि कम में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति तकतः

(ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन का तात्पर्य 45 दिन के भीतर उक्त न्यायर समिति में दित-सूचक किसी व्यक्ति द्वारा, अभ्योद्वेष्टाक्षरी के पाठ लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## અનસાથી

प्लैट न० 105, एम० पी० डॉ० हाउस-1, मदनगरी  
एल० एम० सी०, नगदीक पुष्पभवन, नई दिल्ली तादादी  
440 वर्ग फीट ।

ए.स. सी. ग.प्ला

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन मेर-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 16-4-87

मोहर \*

प्रत्यक्ष आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 अप्रैल 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/8-86/

3322--अन मुझे, एम० सी० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० प्लेट सं० 101, बिल्डिंग सं० 4, पुष्प विहार, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, दिनांक आयकर अगस्त, 1986,

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एस दृश्यमान प्रतिफल का, पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता था और था, जिससे सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत म. म. उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1) के अन्तर्गत निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

(1) श्री राजेश जैन ।

54-भोगल रोड, जगपुरा, नई दिल्ली ।

(अन्तर्गति)

(2) किरण कपूर

सी-12, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली ।

(अन्तर्गति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट सं० 101, बिल्डिंग सं० 4, पुष्पविहार, नई दिल्ली  
व क्षेत्र 324 वर्ग फीट ।

एम० सी० गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक . 16-4-87

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 अप्रैल 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई8-86

3223--अतः मुझे, एस० सी० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसको पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु० से अधिक है।

और जिमकी सं० फ्लैट सं० 102, है तथा जो बिल्डिंग सं० 4, पुष्पविहार नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, नई दिल्ली 1 में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनांक अगस्त 1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितों (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक की शायद ही कभी करने या ठहरने करने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) वजेश जैन

54, भोगल रोड, जंगपुरा, नई दिल्ली ।  
(अन्तरक)

(2) एच० के० कपूर श्री

मी-12, ग्रेटर कैलाश-1  
नई दिल्ली ---1

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन की विश्व कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या न्यूनतरणीय व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सम्पन्न होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त आक्षेप सम्पत्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिये गये हैं।

अनुसूची

फ्लैट सं० 102, बिल्डिंग सं० 4, पुष्पविहार, नई दिल्ली  
क्षेत्र 324 वर्ग फीट ।

एस० सी० गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 16-4-87

मोहर :

प्रमाण आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 अप्रैल 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1-37ईई/8-86/  
3324--अन. मुझे, एम० सी० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1 00,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट सं० 1044, बिल्डिंग सं० 4, है तथा  
जो पुष्प विहार, नई दिल्ली में स्थित है (और उम्मेद  
उपावृद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिनियम के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय अधिनियम, 1961 के  
अधीन, दिनांक अगस्त 1986,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूल्य यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, बिम्बलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए;  
और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा  
के लिए;

(1) श्री राजेश जैन

54, भागल रोड, जंगपुरा,  
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) एम० के० कपूर (एम० यू० एफ०)

सी-12, ग्रेटर कलाश-1,  
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा जो इस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट सं० 104, बिल्डिंग सं० 4 पुष्प विहार नई दिल्ली  
क्षेत्र 316 वर्ग फीट ।

एम० सी० गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-1100002

अन. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसूचना,  
मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६—

दिनांक : 16-4-87

मोहर :

प्रख्य आई.टी एन एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 अप्रैल 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/8-86/

3325—अत मुझे, एस० सी० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० फ्लैट सं० 105, बिल्डिंग सं० 4, है  
तथा जो पुष्प विहार, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम,  
1961 के अधीन, दिनांक अगस्त 1986,को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के व्यवमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके व्यवमान प्रतिफल से, ऐसे व्यवमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) आउ अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बायत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आम्निश्यों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

9-76GI/87

(1) श्रीमती सुशीला दरयानी  
मी-103, न्यू राजिन्दर नगर, नई दिल्ली ।  
(अन्तरक)(2) श्री एच० के० कपूर (एच०यू०एफ०)  
सी-12, ग्रेटर कैलाश—1,  
नई दिल्ली ।  
(अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कानून भ्रमाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट सं० 105, बिल्डिंग सं० 4, पुष्प विहार, नई दिल्ली ।  
क्षेत्र 263 वर्ग फीट ।एस० सी० गुप्ता  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002दिनांक : 16-4-87  
मोहर :

प्रकृष आर्इ टी एन एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 अप्रैल 1987

सं० आर्इ० ए० सी०/एक्यू० 1/37ईई/8-86/3326---

अतः मुझे एस० सी० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'जवन अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु में अधिक है

और जिसकी सं० 2/5 है तथा जो शेयर प्रामर्श नं० डब्ल्यू-14,  
500 वर्ग गज ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली में स्थित है (और इस  
उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1,  
नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम के अधीन दिनांक अगस्त  
1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
की बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
अवधय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है ---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
योग्यत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए, और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिक्य  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के परोक्षार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना माना था, छिपाने में सम्पत्ति  
के लिए,

अतः अशा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधागा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री बलराज कुमार सूद  
एम-59, ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री शक्ति कपूर,  
63/5 एन० ई० ए०, ओल्ड राजिन्दर नगर,  
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन को निम्न  
कार्यवाहिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

2/5 शेयर प्रामर्श नं० डब्ल्यू-14 तादादी 500 वर्ग गज  
ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली ग्रेटर कैलाश-1 नई दिल्ली ।

ए० सी० गुप्ता

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली-110002

दिनांक 16 अप्रैल 1987

मोहर

प्रमुख बाई. टी. एन. एड. ....

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

बाजार सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 अप्रैल 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/उल्यू०/1/37ईई/8-86/

3327—अतः मुझे, एस० सी० गु ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग  
के अधीन बंधन प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-  
रु. से अधिक है

और जिस की सं० 2/5 है तथा जो शेयर प्रापटी न० उल्यू-14,  
तादावी 500 वर्ग गज ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली में स्थित है  
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), निजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रज-1 नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, के अधीन  
दिनांक अगस्त 1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अतिरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एस दृश्यमान प्रतिफल का  
बहु प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और  
अतिरिती (अतिरिती) के बीच एस अंतरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित  
के वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी भाग की वास्तविक उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर वसूली के अंतरक के बहिष्करण में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
कर/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य वास्तविक  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के अंतर्गत अतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री बलराज कुमार सूद,  
एस-59, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री शिवांगी कपूर,  
65/5, एन० ई० ए० ओल्ड राजिन्दर नगर,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना द्वारा ऊपरके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
गोपनीयता शुरू करवाया है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपत्त :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, या भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी एक द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में अंतर्गत  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिभूतधारियों के साथ  
संपत्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अन्तर्गत 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

अनुसूची

2/5 शेयर। प्रापटी न० उल्यू-14 तादावी 500 वर्ग गज  
ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

एस० सी० गुप्ता  
सहायक अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रज-1 नई दिल्ली-110002

दिनांक 16 अप्रैल 1987  
मोहर

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 अप्रैल 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एफ्यू०/1/37ईई/8-86/3328--

अतः मुझे, एस० सी० गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 1/5 है तथा जो शेयर प्रापटी नं० डब्ल्यू-14, ग्रेटर कैलाश-1, में स्थित है (और हममें उपायुक्त अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक अगस्त 86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से मुक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(ब) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 16) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अनिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था, छिपाने से सूविधा के लिए;

(1) श्री बलराज कुमार सूद,  
एस-59, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मास्टर सिद्धार्थ कपूर, द्वारा पिता और अभिभावक  
शक्ति कपूर,  
63/5, एन० इ० ए० ओल्ड राजिन्दर नगर,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/5 प्रापटी शेयर नं० डब्ल्यू-14, तादादी 500 वर्ग गज।  
ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

एस० सी० गुप्ता  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली-110002

नोट: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 16 अप्रैल 1987

सोहर :



**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना**

**भारत सरकार**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 अप्रैल 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्०/1/37ईई/8-86/

3329—अतः मुझे, एस० सी० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिस की सं० 1/3 है तथा जो शेयर प्रापटी नं० एन-118, तादादी 300 वर्ग गज ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपासक अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय अधिनियम, 1961 के अधीन दिनांक अगस्त 1986 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रोत्फल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बहुत प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) कथरण से हुई किसी बाय की वापस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के हासिल में कभी कटने या उक्त कटने से सूचना के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों के जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रावधानों के अन्तरित द्वारा प्रकट महा किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एस० तिलोचन सिंह, आनन्द,  
ए-3, कैलाश कालोनी, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स महाजन फाउंडेशन द्वारा ट्रस्टी ललित महाजन,  
1411 चित्रजीव टावर,  
43, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभाहस्ताक्षरी के माध्यम लिखित में किए जा सकेंगे।

वर्णनकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

पी० नं० 1/3 शेयर एन-118, ग्रेटर कैलाश-I, नई दिल्ली  
तादादी 300 वर्ग गज ।

एस० सी० गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली-110002

दिनांक 16 अप्रैल 1987

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 अप्रैल 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/8-86/3330--

अतः मुझे, एस० सी० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिस की सं० 1/3 है तथा जो भाग प्रापर्टी न० 118, तादादी 300 वर्ग गज ग्रेट कैलाश-1, नई दिल्ली ई स्थित 2 (और इस उपोद्घात अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिका-री के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन दिनांक अगस्त 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर

अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

(1) श्री एस० त्रिलोचन सिंह, आनन्द  
ए-3, कैलाश कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मास्टर जैतिन महाजन और नीतिन महाजन द्वारा  
पिता और अभिभावक श्री ललित महाजन  
218, गुलमोहर पार्क, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी आक्षेप.—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

1/3 शेयर प्रामा न० एन-118, तादादी 300 वर्ग गज  
ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

एस० सी० गुप्ता

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, नई दिल्ली-110002

दिनांक 16 अप्रैल 1987

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

अथवा बाईं दो पक्षों में से एक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 अप्रैल 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/8-86/

3331—अतः मुझे, एस० सी० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० है तथा जो 1/3 शेयर प्राप्टि न० एन-118, ग्रेटर कैलाश-1 में स्थित है (और इस उपावृद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन दिनांक अगस्त 86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से ऐसे दायमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अतिरिक्त रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कथित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित की दवांग प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए,

(1) श्री एम० त्रिलोचन सिंह आनन्द,  
ए-3, गैलाश कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तर्गत)

(2) श्री अनिला महाजन,  
218, गुलमोहर एकलेव, नई दिल्ली।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाह्य करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उत्सम्भन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जमाहस्ताधारी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ है या उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/3 शेयर प्राप्टि न० एन-118, नादादी 300 वर्ग गज  
ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

एस० सी० गुप्ता

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2 नई दिल्ली-110002

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 16 अप्रैल 1987

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 अप्रैल 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/8-86/

3332--अतः मुझे, एम० सी० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो प्रापट्री नं० ए-3, नीति बाग नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उराबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन तारीख अगस्त 86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शक्ति में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसंस्करण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) मै० पाल एंड पाल बिल्डरस लिमि०  
70, गीशन बिल्डिंग, कनाट सर्कस, नई दिल्ली।  
(अन्तरक)
- (2) श्री सत्य पाल बंसल और श्री बी० आर० चौपड़ा,  
बी-15, ग्रेटर कैलाश-1, चौपड़ा नई दिल्ली महरोली  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

हाक बिल्डि प्रापट्री नं० ए-3 नीति बाग, साथ में प्लॉट के निचे का आधा भाग 426,66 वर्ग गज अपूर्ण कंस्ट्रक्शन 18-6-86 तक बनी हुई।

एस० सी० गुप्ता  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 16 अप्रैल 1987

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 अप्रैल 1987

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/8-86/

3333—अतः मुझे, श्री एस० सी० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 16217 एंटायर दूसरा खण्ड प्लॉट सं०  
14/17, है तथा जो एल० एस० मदनगीर, नई दिल्ली में स्थित  
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली-1 में भारतीय आयकर अधिनियम,  
1961 के अधीन, दिनांक अगस्त 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

10-76 G1/87

(1) मै० केप्रीकोन इण्डस्ट्रीज लिमि०

बी-4/205, सफदरजंग एंक्लेव, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) मै० गमन इण्डिया लिमि०

गमन हाउस, वीर सावरकर मार्ग, बम्बई ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

एंटायर दूसरा खण्ड प्लॉट सं० 16/17 एल० एस० सी०  
मदनगीर, नई दिल्ली । क्षेत्र 4000 वर्ग फीट ।

एस० सी० गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 16-4-1987

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 अप्रैल 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/4-87/3334--अतः मुझे, एस० सी० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सी-7/2, है तथा जो बसंत विहार, नई दिल्ली में स्थित है (और इस उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनांक अप्रैल 1987 में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से मुक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें वचन में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 16) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नडा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री डी० सी० जैन, सुपरिन्टेण्डेंट इंजीनियर, आकाशवाणी, रेडियो इंदौर ।

(अन्तरक)

(2) श्री पी० के० जैन, सी-7/2, बसंत विहार, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशंका :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सी-7/2, बसंत विहार, नई दिल्ली । क्षेत्र 5000 वर्ग फिट ।

एस० सी० गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 16-4-87

मोहर ।

प्रारूप आदेश टी. एन. एम. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 अप्रैल 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/6/एस० आर०-1/  
8-86/781—अत मुझे, टी० के० साह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सी-8/16, है तथा जो माडल टाउन, क्षेत्र  
मलिकपुर छावनी, दिल्ली राज्य दिल्ली में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय, नई दिल्ली -1 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त  
1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के बिना अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उक्त दृश्यमान प्रतिफल के एतद् दृश्यमान प्रतिफल के  
सम्बन्ध प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निर्माणाखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से है कि किसी भाव की शक्ति, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के  
साथ-साथ में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
आर/या

(ख) एसी किसी भाव-या किसी धन या अन्य आस्थिती  
को जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरित होना पकट नहीं किया गया  
या जो किमी. बीना बाँटिए या, अन्तरण या अन्तरण  
के बिना।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निर्माणाखत व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री प्रीतम सिंह सुपुत्र श्री सज्जन सिंह और श्री दलजीत  
सिंह सुपुत्र एस० प्रीतम सिंह 1880, भगीरथ वैलेस,  
दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री सुखवीर सरन अग्रवाल सुपुत्र हरिराम श्रीमती  
पुष्पा अग्रवाल पत्नी सुखवीर सरन अग्रवाल,  
अशोक कुमार सुपुत्र सुखवीर सरन अग्रवाल,  
मास्टर अजय कुमार अग्रवाल और मास्टर अनूप  
कुमार अग्रवाल सुपुत्र सुखवीर सरन अग्रवाल पिता/  
अविभावक सुखवीर सरन अग्रवाल, 2023, कटरा  
लच्छु सिंह फाउण्टेन, दिल्ली ।

(अन्तरित)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त भायकर  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

हाई स्टोरी हाउस सं० सी-8/16, तादादी 487.5 वर्ग  
गज स्थित माडल टाउन, क्षेत्र मलिकपुर छावनी दिल्ली राज्य,  
दिल्ली ।

टी० के० साह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 13-4-87

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 अप्रैल 1987

निदेश सं० आई० ए० पी०/एक्यू०/6/एस० आर०-1/  
8-86/784—अतः मुझे, श्री टी० के० साह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ए-2/65 है तथा जो राजोरी गार्डन, क्षेत्र बसई वारापुर दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली। में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त 1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किता जाना चाँहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री अतर सिंह सुपुत्र श्री प्रवान सिंह श्री सेवासिंह सुपुत्र श्री प्रदान सिंह और केशव सिंह सुपुत्र प्रवान सिंह एटोरनी परसराम सुपुत्र काशी राम निवासी—ए-2/65, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली।  
(अन्तरक)

(2) श्री प्रमोद कुमार राकेश कुमार, श्री कमल कुमार सुपुत्र श्री परसराम निवासी—जे-76/77, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आरोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दी और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान सं० ए-2/65, ताबादी 29534 वर्ग गज स्थित राजोरी गार्डन, क्षेत्र बसई वारापुर, दिल्ली राज्य, दिल्ली।

टी० के० साह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 13-4-87

मोहर :



प्रमुख आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 अप्रैल 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एम०/6/एस० आर०-1/

8-86/789—प्रतः मुझे, श्री टी० के० साह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट सं० 9 है तथा जो ब्लॉक-5—सी तादादी वार्ड नं० 16, रोहतक रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अपाई :—

(1) श्री ताराचन्द सुपुत्र श्री बरकतराम गम्भीर  
श्री कस्तूरी लाल सुपुत्र श्री ताराचन्द गम्भीर, श्री  
बोधराज सुपुत्र श्री ताराचन्द गम्भीर,  
मकान नं० 1210 गली सं० 11, सदर बाजार,  
दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स आर० एन० गुप्ता और सुपुत्र (एचयूएफ)  
द्वारा कर्ता रामनिवास मेसर्स गुप्ता राजा राम एण्ड  
संस (एच०यू०एफ) द्वारा कर्ता राजा राम मेसर्स  
जयभगवान एण्ड संस (एच०यू०एफ०) द्वारा  
कर्ता जय भगवान डी-28, मनोहर पार्क, नई दिल्ली  
(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवशु  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्रापटी प्रकोठी मक्का बिल्ड हाई स्टोरी प्रबन्धी प्लॉट सं०  
9, ब्लॉक 5—सी तादादी वार्ड सं० 16, रोहतक रोड, नई दिल्ली  
क्षेत्र 367:56 बर्ग गज खसरा सं० 1057/153, खेत सं०  
1, खटानी सं० 1046/1, बाग राजजी, दिल्ली ।

टी० के० साह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज-6 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 13-4-87

मोहर :

प्रकाशक: टी. एम. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (191 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 अप्रैल 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/6/एन० आर०-1/  
8-86/807—अतः मुझे, श्री टी० के० साह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके द्वारा 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सूचना प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं०, है तथा जो नं० 1 संसारी रोड दरियागंज,  
दिल्ली तादादी सं० 4222 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, नई दिल्ली-1 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त 1986,  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दसमान  
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दसमान प्रतिफल से, ऐसे दसमान प्रतिफल के  
बहुत प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्गत (तरकी) और अन्तर्गत  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की गणना, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के  
व्ययों में कमी करने या उससे बचने में सविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तर्गत  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रवर्धनार्थ अन्तरितियों द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या वास्तविकता को प्रकट करने के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
मेरे, श्री, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अधिधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

(1) रविन्दर शंकर माथुर, मिस्टर अनिल शंकर, श्री  
राकेश शंकर माथुर,  
निवासी—ई-313, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली  
विनय शंकर माथुर  
निवासी—के-34सी, कैलाश कालोनी, नई दिल्ली।  
(अन्तरक)

(2) ऋषि इंजीनियरिंग एण्ड कंस्ट्रक्शन प्रा० लिमि०  
के-41, हीजखाम एंक्लेव, नई दिल्ली-110016  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए  
कार्यवाही करना शुरू कर रहा है।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्यन्त्र व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्त्र  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास  
निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

क्षेत्र तादादी 348:9 वर्ग गज दो मंजिल जो 1, संसारी  
रोड, दरियागंज, दिल्ली बियरिंग तादादी सं० 4222."

टी० के० साह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-6 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दि तिथि 13-4-87

मोहर :

**राजपत्र, भाग III, खण्ड 1, पृष्ठ 4167**

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना**

**भारत सरकार**

**कार्यक्षेत्र, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)**

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 अप्रैल 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/6/एस० आर०-1/

8-86/809—अतः मुझे, टी० के० साहू,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो 3-डी III ब्लाक सी/1, माडल टाउन दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली-1 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त 1986,

को पूर्णतः सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाबत में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री श्रीम प्रकाश भसीन तिलक राम भसीन और जगदीश लाल भसीन सुपुत्र स्व० श्री रामदास भसीन 3-डी/III, ब्लाक सी/1, माडल टाउन, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री पवन कुमार, राकेश कुमार, रमन कुमार और मुकेश कुमार सुपुत्र श्री कश्यपरी लाल 2/3 विह उषा रोड, शक्ति नगर, दिल्ली।

(अन्तरिती)

अब यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध के समान होवे, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में कुछ-कुछ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अनौद्देश्यकारी रूप से प्राप्त निहित में किए जा सकेंगे।

**समाप्तिकरणः—**इसके प्रत्यक्ष अर्थों और पक्षों को, जो उक्त अधिनियम, के अन्तर्गत 20-क के परिभाषित हैं, पूरी तरह होना, जो उक्त अधिनियम में किया गया है।

**अनुसूची**

सकान सं० 3 डी/III ब्लाक सी-1, तादारी 586 वर्ग गज स्थित माडल टाउन, दिल्ली।

टी०के० साहू,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, दिल्ली, नई दिल्ली

दिनांक : 13-4-87

मोहर :

प्रकृष आर्.टी.एन.एल.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13-4-87

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/6/एस० आर०-1/  
8-86/811—अतः मुझे, टी० के० साह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो जे-128, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली  
में स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची में पूर्व क्रमसे वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली 1 में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, दिनांक अगस्त 1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरितीया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाका गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित अनुसूच्य से उक्त अन्तरण लिखित  
वास्तविक रूप से कायित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुआ किसी नाम की वापस, उक्त  
निषेध के वर्णन कर देने के अन्तरक के अस्तित्व में  
अभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
आई/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति, अर्थात् :—

(1) श्री जेतिनवर पाल सिंह सुपुत्र श्री प्रीतपाल सिंह और  
प्रेमलता पत्नी श्री जेतिनवर पाल सिंह  
निवासी—128, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली ।  
(अन्तरक)

(2) श्री रमेश कुमार मल्होत्रा और राजिनंदरपाल मल्होत्रा  
सुपुत्र श्री कृष्ण लाल मल्होत्रा ।  
15/44, सुभाष नगर, नई दिल्ली ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकृत  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभ्युत्पादकरी को प्राप्त  
लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्मीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

ग्रामटी बियरिंग सं० जे-128, तावादी 31131 बर्ग गज  
स्थित राजोरी गार्डन, क्षेत्र बसई दारापुर, दिल्ली राज्य दिल्ली ।

टी० के० साह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6 दिल्ली, नई दिल्ली- 110002

दिनांक : 13-4-87

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 अप्रैल 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/6/एस० आर०-1/

8-86/818-—प्रतः मुझे, श्री टी० के० साह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसकी पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सूचना प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिमकी सं० 2, है तथा जो नेताजी सुभाष मार्ग, दरियागंज, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने ला उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

11-76GI/87

(1) श्री अथोनी वेनेनटाइन ट्रीनीडाडे सुपुत्र श्री विसेंट मैनुअल ट्रीनीडाडे  
सी-32, प्रीत विहार, दिल्ली-92 1

(अन्तरक)

(2) जैना प्रोपर्टीज प्रा० लिमि०  
पंजीकृत आफिस एम० ब्लाक आदीनाथ श्रीहाउस,  
सुपर बाजार के सामने द्वारा डायरेक्टर गणेश जैन ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

लक्ष्यीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्रोपर्टी ब्रियरिंग सं० 2, नेताजी सुभाष मार्ग, नई दिल्ली  
बिल्ड उबान लीज-होल्ड प्लॉट सं० 2, खमरा सं० 128/  
43, 46, 47 तादादी 279:7 वर्ग गज ।

टी० के० साह

सक्षम प्राधिकारी

महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 6, नई दिल्ली-110002

दिनांक 13-4-87

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 अप्रैल 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/6/एस० आर०-1/  
8-86/822--अतः मुझे, टी० के० साह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो जे-173, राजगोरी गार्डन, क्षेत्र  
गांव बमई बागपुर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची  
में पूर्ण रूप से वर्णित है), निजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
नई दिल्ली ---1 में भारतीय निजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त 1986

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(1) श्री एस० पी० खोमला सुपुत्र श्री कृष्ण खोमला,  
जे-173, राजगोरी गार्डन नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री सुदर्शन कुमार सुपुत्र श्री मुखगज गुलाठी  
जे-4/8, राजगोरी गार्डन, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होता है, के भीतर पूर्वाक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, उर्थात् :--

तल खण्ड सं० जे-173, तादाद 301, बर्ग गज 50%  
शेयर मिया राजगोरी गार्डन क्षेत्र, गांव-गपई दारापुर, दिल्ली  
राज्य, दिल्ली ।

टी० के० साह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-6 नई दिल्ली

दिनांक : 13-4-87

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 अप्रैल 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/6/एस० आर०-1/  
8-86/829--अतः मुझे, टी० के० साह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० 31/5 है तथा जो ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली  
में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली--में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, दिनांक अगस्त 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ए० में दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा एकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री प्रेमवी और धर्मवी ।

681, सेक्टर 21-ए, फरीदाबाद (हरियाणा)  
(अन्तर्गत)

(2) श्री प्रवीण मेहता, 2 ए० के० मेहता

डी-129 और 131 वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली ।  
(अन्तर्गती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति में अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कांई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

प्रापटी सं० 31/5, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली ।

टी० के० साह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6 नई दिल्ली-110002

दिनांक : 13-4-87

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 अप्रैल 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/6/एस० आर०-1/

8-86/832---अतः मुझे, टी० के० साह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 31 है तथा जो ब्लॉक बी, अशोक विहार, हाउस, सं० 31, अशोक विहार, वजीरपुर फेस-1, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उदाहरण अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि कारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अतिरिती (अतिरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री हमराज खान सुपुत्र श्री गरब दाम  
एच० ए० पी० पुलिस काम्पलेक्स मधुबन करनाल  
(हरियाणा) ।

(अन्तरक)

(2) श्री कृष्ण कुमार सुपुत्र श्री मुनी लाल  
केसी/19-ए, एम० आई० जी० प्लैट अशोक विहार,  
फेस-1, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बंध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सिगल स्टोरी हाउस सं० 31, ब्लॉक बी, अशोक विहार,  
वजीरपुर फेस-1, आवासीय स्कीम, दिल्ली तादादी 497/22  
वर्ग गज ।

टी० के० साह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 13-4-87

मोहर :



प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख (1) के अधीन सूचना**

**आयकर अधिकारी**

**कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)**

अर्जन रंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 अप्रैल 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/6/एस० आर०-1/

8-86/833—अतः मुझे, टी० के० साह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एम० पी० एल० सं० 1545 है तथा जो सी-8 प्लॉट सं० 5, ब्लॉक 40, वेस्ट पटेल नगर नई दिल्ली में स्थित (और इसमें उभावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त 1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्घोष से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकता को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाँहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री भारत भूषण

निवासी-एस-429, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली  
विद्या भूषण निवासी-बी-22, महारानी बाग,  
नई दिल्ली 32 श्री के बी सोनी 429 एस०, ग्रेटर  
कैलाश-1, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्रीमती लाजवन्ती देवी ट्रस्ट द्वारा ट्रस्टी  
श्री सुनील भूषण, वेद भूषण, आनन्द भूषण और  
विजय भूषण सुपुत्र श्री पिताम्बर लाल  
24, पूमा रोड, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए आवश्यकियाँ करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(ग) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

**अनुसूची**

डाई स्टोरी बिल्डिंग प्रापर्टी ब्रियारंग सं० एम० पी० एल० सं० 1545/सी-8, प्लॉट सं० 5, ब्लॉक सं० 40, तादादी 1000 वर्ग गज स्थित वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली ।

टी० के० साह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-6 नई दिल्ली- 10002

दिनांक : 13-4-87

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 अप्रैल 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/6/एम० आर०-1/  
8-86/834—अन: मुझे, श्री टी० के० साह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट सं० 7, ब्लॉक सं० 30 (30/7) एम० पी० एल० सं० 1084 ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 15) के अधीन दिनांक अगस्त 1986,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा षकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री दत्तजीत सिंह सुपुत्र स्व० श्री जगत सिंह, निवासी—30/7, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली। (अन्तरक)

(7) श्री दीनक गम्भीर सुपुत्र श्री पदमचंद गम्भीर, निवासी—22, पुसा रोड, नई दिल्ली और योगेश गम्भीर सिंह सुपुत्र श्री पदमचंद गम्भीर 22, पुसा रोड, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाई स्टोरी प्रापर्टी प्लॉट सं० 7, ब्लॉक सं० 30 (30/7) एम० पी० एल० सं० 1084, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली ताबादी 200 वर्ग गज।

टी० के० साह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-6 नई दिल्ली-110002

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 13-4-87  
मोहर :

## प्रकरण आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रोज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 अप्रैल 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एफ्यू०/6/एम० आर०-1/  
8-86/835—अत. मु.से, टी० के० साह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जे-179 है तथा जो राजोरी गार्डन, नई  
दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, दिनांक अगस्त 1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री राजीव कुमार मिलास सुपुत्र श्री बी० एस०  
मिलास, और श्रीमती रुथ कुमुम मिलास पत्नी  
श्री राजीव कुमार मिलास

निवासी—जे-179, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) मेजर प्रेम कुमार मल्होत्रा सुपुत्र श्री स्वर्गीय  
पेसोरी लाल मल्होत्रा

निवासी—एल-12, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाद :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्रापटी सं० जे-179, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली पंटायर  
प्रथम खण्ड और दूसरा खण्ड ।

टी० के० साह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रोज-6 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 13-4-87

मोहर :

प्रमाण जारी टी. एन. एस. ५-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

माउत सरकर

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 अप्रैल 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/6/एम० आर०-3/  
8-86/384—अतः मुझे, टी० के० साह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पाठ में 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सभ्य प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीरजिमकी सं० 52/21, डब्ल्यू. ई० ए. है तथा जो करोन बाग,  
नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर उमा उपायद्वारा अनुसूची में पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, दिनांक अगस्त 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-  
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) एम. अमविंदर सिंह मुमुन एम० मुजान सिंह फेंसी  
बाजार, गहाठी ।

(अन्तरक)

(2) एम० प्रीतपाल सिंह मुमुन एम० सत्य सिंह  
5300, हरद्वान सिंह रोड, करोन बाग, नई दिल्ली  
पार्टनर मेमर्स भारत नेदर एण्ड शू मैटीरियल स्टोर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन का अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितग्रह  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

1/2 जेयर प्रापर्टी ब्रियरिंग सं० 52/21, डब्ल्यू. ई० ए.  
करोन बाग, नई दिल्ली तादादी 2653 वर्ग गज एम० पी० एल०  
सं० 8096-97 ।

टी० के० साह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 13-4-87

मोहर :

सूचना क्र. टी. एन. एस. 3/85

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 अप्रैल 1987

निदेश सं. आई. ए. ए. 52/21/उ.ए. 5/एस. आर-3/8-  
86/385—अतः सुझे, टी. के. साह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 52/21, उ.ए. 5/एस. आर-3/85, है तथा जो करोड़ बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई

है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से इससे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरण (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए दाय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के अंतर्गत अंतरण सिद्धि में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
12—76 GI/87

(1) एम. जमशेद सिंह सुपुत्र श्री एम. सुजान सिंह निवासी—फैन्सी बाजार, गहाठी ।

(अन्तरक)

(1) एम. नरिंदर पाल सिंह सुपुत्र श्री मरूप सिंह निवासी—5300, हरध्यान सिंह रोड, करोल बाग, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों से से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास निहित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

1/2 प्रापटी बियरिंग सं. 52/21 उ.ए. 5/एस. आर-3/85, करोल बाग, नई दिल्ली । तादादी 253 वर्ग गज तादादी सं. 8096-97 ।

टी. के. साह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6 नई दिल्ली-110002

दिनांक : 13-4-87

मोहर :

प्रकृप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 अप्रैल 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/6/एस० आर०-3/  
8-86/386—अतः मुझे, टी० के० साह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो बेसमेंट एम० सी० डी० बिल्डिंग, डी० बी० गुप्ता रोड, पहाड़गंज, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उमके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उमने करने में सुविधा के लिए; और/या

(ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरीती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) धर्मवीर एण्ड सन्स द्वारा कर्ता धर्मवीर सुपुत्र श्री हरिचन्द (स्वर्गीय)  
431, मथुरा रोड, जगपुरा एक्सटेंशन, नई दिल्ली।  
(अन्तरक)

(2) श्री मोतिया दीवान पृथ्वीराज दीवान।  
निवासी—एस० पी०-3, तिलक नगर, जयपुर।  
सुदेश बी० मलिक, सी-33, पश्चिम अपार्टमेंट्स,  
बादर बम्बई।

कि यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बेसमेंट एम० सी० डी० बिल्डिंग, देवाबन्धु गुप्ता रोड,  
पहाड़गंज, नई दिल्ली-110055, तादादी 3500 वर्ग फीट।

टी० के० साह  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज 6 नई दिल्ली-110002

दिनांक : 13-4-87

मोहर :

प्ररूप आई. टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 14 अप्रैल 1987

निदेश सं० के० 10/86-87--अतः मुझे, वी० के० सिंगल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 117/के/17 है तथा जो सर्वोदय नगर कानपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 28-2-1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्रीमती कमला नायक पत्नी जी० ए० एन० नायर निवासी 117/के/17 सर्वोदय नगर, कानपुर ।

(अन्तरक)

(2) श्री आर० के० टण्डन पुत्र श्री वी० टण्डन तथा श्रीमती मधु टंडन पत्नी श्री आर० के० टंडन नि०—सिविल लाइन्स, कानपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

117/के/17 सर्वोदय नगर, कानपुर ।

वी० के० सिंगल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
(अर्जन रेंज), कानपुर

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 14-4-87  
मोहर :

## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110 011, the 1st April 1987

No. A-38013,1/87-Admn.III.—The President is pleased to permit Shri Y. R. Juneja, a permanent Assistant and officiating Section Officer on ad-hoc basis in the CSS Cadre of the Union Public Service Commission to retire from Government Service, on attaining the age of superannuation with effect from the afternoon of the 31st March, 1987 in terms of Department of Personnel and Administrative Reforms O.M. No. 33/12/73-Ests(A) dated the 24th November, 1973.

M. P. JAIN

Under Secy. (Per. Admn.)  
Union Public Service Commission

## CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi-3, the 24th April 1987

No. A-20023,8/79-AD.V.—The services of Shri B. Shankar Bhat, APP working as Public Prosecutor/Central Bureau of Investigation, Bangalore on deputation basis have been placed at the disposal of the Government of Karnataka, on repatriation, w.e.f. 7/4/1987 (AN).

D. P. BHALLA

Administrative Officer(E)  
CBI

## MINISTRY OF HOME AFFAIRS

## NATIONAL CRIME RECORDS BUREAU

New Delhi-110066, the 27th April 1987

No. 35/4,84-Admn/DCPC.—The President is pleased to appoint Shri K. Raman Kutty, Senior Field Officer in the Cabinet Secretariat as Junior Staff Officer in the scale of pay of Rs. 2200—4000 in the Directorate of Coordination Police Computers, National Crime Records Bureau (MHA), New Delhi on deputation basis for a period not exceeding 3 years with effect from the forenoon of 14th April 1987.

2. The appointment of Shri Raman Kutty as Junior Staff Officer in the Directorate of Coordination Police Computers, National Crime Records Bureau will be governed by the standard terms and conditions of deputation as laid down in the Ministry of Finance OM No. F.1(11)E-III(B), 75 dated the 7th November, 75, as amended from time to time.

No. 105/22,86-NCRB.—The Director, National Crime Records Bureau hereby appoints Shri N. K. Lahiri, an officiating Deputy Superintendent (Finger Print) in the Central Finger Print Bureau, Calcutta as Deputy Superintendent (Finger Print) in that office substantively with effect from 15-3-1983.

S. K. SHARMA

Director, NCRB

## DIRECTORATE GENERAL

## CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 23rd April 1987

No. E-16014(6)/1/85/Pers.I.—Consequent upon his repatriation to Intelligence Bureau, Shri U. M. Kumar, relinquished the charge of Asstt. Comdt., CISF Unit, BSL Bokaro, w.e.f. the forenoon of 17th Oct. 1986.

(Sd.) ILLEGIBLE  
Director General/CISF

## OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 24th April 1987

No. 11/98/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri S. R. Sharma, Chief Secretary, Andaman & Nicobar Islands, as Director of Census Operations Andaman and Nicobar Islands, Port Blair, in an ex-officio capacity with effect from 1-4-1987 until further orders.

2. The Headquarters of Shri S. R. Sharma will be at Port Blair.

No. 10/5/87-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri S. K. Ghorai, a Gr. JII Officer of Indian Economic Service as Senior Research Officer in the pay scale of Rs. 3000-100-3500-125-4500 in the Office of the Registrar General, India, New Delhi with effect from 13-3-87(FN) to 25-3-87 (AN).

No. 13/6/87-Ad.I.—The President is pleased to accept the three months notice of Dr. N. G. Nag, Deputy Registrar General (Social Studies) in the office of the Registrar General, India, New Delhi, for voluntary retirement from Government Service, under Rule 48(1)(a) of the Central Civil Services (Pension) Rules, 1972, with effect from the afternoon of the 30th June, 1987.

V. S. VERMA  
Registrar General, India

## MINISTRY OF FINANCE

OFFICE OF THE COLLECTOR OF CUSTOMS AND  
CENTRAL EXCISE :

Madurai, the 20th April 1987

No. 1/87.—The Collector is pleased to appoint the following Inspectors of Central Excise to officiate in the grade of Superintendent of Central Excise in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 (Old Scale) / Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500 (New Scale),

The Officers accordingly assumed charge of the post of Superintendent of Central Excise Group 'B' on the dates mentioned against their names :—

Sl. No.	Name	Date of Appointment as Superintendent
1	2	3
S/Shri		
1.	N. Veeriah	17-1-86
2.	R. Karunakaran	27-2-86
3.	K. Rajagopal	9-4-86
4.	V. Gandhi	16-4-86
5.	D. Ram Singh	28-4-86
6.	M. Haja Mohideen	4-6-86
7.	V. Manickkan	4-6-86
8.	C.M. Ochappan	5-6-86
9.	M. Kader Batcha	11-6-86
10.	C.V. Ramasamy	11-6-86
		(Since transferred to Coimbatore)
11.	P. Arumugam	13-6-86
12.	K.M. Arunachalam	12-6-86
13.	J.L. Chandrasekaran	18-6-86
14.	A. Raman	16-6-86
		(Since transferred to Coimbatore)



1	2	3
S/Shri		
15. N. Subramanyam		1-7-86
16. A.S. Mohammed Ibrahim		2-7-86
17. S. Chidambaram		3-7-86
18. R. Narayanan		11-8-86
19. K. Bijili Singh		29-9-86
20. T.R. Umapathy		22-10-86
21. H. Deivanayagam		21-11-86
22. M. Arumugam		11-11-86
23. K.A. Janakiraman		5-12-86
24. R. Swaminathan		30-12-86

RAM PARKASH,  
Deputy Collector (Per & Estt.)

## DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS

## BANK NOTE PRESS

Dewas, the 26th April 1987

F. No. BNP/C/5,87.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group 'B'), Shri A.L. Datar, Engineer (Civil) is appointed to the post of Assistant Engineer (Civil) in the substantive capacity w.e.f. 29-4-84.

M. V. CHAR  
General Manager

## INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT

## OFFICE OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR GENERAL OF INDIA

New Delhi-110002, the 27th April 1987

No. 819 CA.I/27-77.—On his attaining the age of superannuation Shri S. N. Bose Audit Officer (Commercial) working in the office of the Member, Audit Board & Ex-Officio Director of Commercial Audit-II, Calcutta has retired from service with effect from 31-3-1987 AN.

No. 820 CA.I/5-72.—On his attaining the age of superannuation Shri O. P. Malhotra, Audit Officer (Commercial) working in the office of the Member, Audit Board and Ex-Officio Director of Commercial Audit-I, New Delhi has retired from service with effect from 31-3-1987 AN.

D. N. ANAND  
Asstt. Comptr. & Ar. Genl. (Comm.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT) I,  
MADHYA PRADESH

Gwalior, the 8th April 1987

No. Admn.XI/Gr.I/Promotion/AO/4.—The Accountant General (Audit) : I, Madhya Pradesh, Gwalior has been pleased to promote the following Asstt. Audit Officers as Audit Officers in an officiating capacity in the scale of Rs. 2375-75-2300-EB-100-3500 with effect from the dates of their taking over as noted against them :—

Sl. No.	Name	Permanent No.	Date of taking over/date of promotion
1	2	3	4
	S/Shri		
1.	Y.N. Sinha	355	1-1-187 F.N.
2.	R.K. Garg	443	1-1-87 F.N.
3.	Govind Narain	381	1-1-87 F.N.

1	2	3	4
4.	U.C. Gupta	383	1-1-87 F.N.
5.	J.P. Saxena III	496	5-1-87 F.N.
6.	N.L. Choudhary	402	2-1-87 F.N.
7.	K.C. Tripathi	407	5-1-87 F.N.
8.	G.J. Jhala	403	2-2-87 F.N.
9.	T.K.N. Nambisan	411	13-2-87 F.N.
10.	H.N. Saxena	404	13-2-87 F.N.
11.	K. Jayaraman	412	16-2-87 F.N.
12.	S.N. Singh	414	23-3-87 F.N.
13.	D.V. Singh	415	23-3-87 F.N.
	(On deputation to Betwa River Board, Jhansi)		(Proforma promotion)
14.	M.B. Shrivastava	416	23-3-87 F.N.

[Authority :—A.G. (Audit) I : M.P. Orders dated 1-1-1987, 19-1-1987, 12-2-1987 and 20-3-1987]

R.C. GUPTA,  
Dy. Accountant General/(Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT)  
RAJASTHAN

Jaipur, the 27th April 1987

No. Admn. I(Audit)/P. 13044/78.—The Accountant General (Audit), Rajasthan, Jaipur has been pleased to promote the following Asstt. Audit Officer to the post of Audit Officer (Group 'B' Gazetted) in the scale of Rs. 2375-75-3200-EB-100-3500 in an officiating capacity till further orders from the dates noted against each :—

Sl. No.	Name	Date of promotion
1	2	3
	S/Shri	
1.	Shyam Sunder Agrawal	27-2-87 (F.N.)
2.	Shanti Lal Mahnot	31-3-87 (F.N.)
3.	Manohar Lal Gupta	14-4-87 (F.N.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT) I,  
UTTAR PRADESH

Allahabad, the 15th April 1987

No. AG (Au) I/Admn.)13-7/80.—Following Asstt. : Audit Officers have been appointed to officiate in the grade of Audit Officers w.e.f. the dates shown against their names :—

Name	Date of Appointment
1	2
	S/Shri
1.	Pratap Singh
2.	Ved Prakash Arora
3.	Ram Briksh Lal Srivastava
4.	Hari Bahadur Verma
5.	Virendra Kumar Sharma
6.	Om Narain Verma
7.	Daya Shankar Singh II
8.	Daya Ram Gupta-II

No. AG (Adm)/A-1/13-7/8J—Following Audit Officers have retired from Government Service on attaining the age of Superannuation with effect from the dates noted against each:-

Name	Date	Office
1	2	3
S/Shri		
1. R.N. Gupta	31-1-87 (AN)	Accountant-General (A) I & U.P.
2. Kapoor Chandra Srivastava	7 31-1-87 (AN)	Do.
3. Jai Krishna Khanna	31-1-87 (AN)	Do.
4. Yoga Nand Dutta	31-1-87 (AN)	Accountant-General(A) II UP
5. Balwant Singh	31-1-87 (AN)	Do.
6. Kalyan Kumar Chatterjee	31-1-87 (AN)	Do.
7. Radhey Shyam Rai	31-3-87 (AN)	Do.

P.K. MUKHOPADHYAY,  
Sr. Dy. Accountant General/Admn  
OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT)  
RAJASTHAN

Jaipur, the 27th April 1987

No. Admn.I (Audit)/P. 13044/78—The Accountant General (Audit), Rajasthan, Jaipur has been pleased to promote the following Section Officers (Audit) to the post of Asstt. Audit Officer (Group 'B' gazetted) in the scale of Rs. 2000-60-1300-EB-75-3200 in an officiating capacity, till further orders from the dates noted against each:—

Sl.No.	Name	Date of promotion
	S/Shri	
1.	Kalu Ram	15-4-87 (F.N.)
2.	Annu Mal Singh	15-4-87 (F.N.)
3.	Ramavatar Natnakwal	15-4-87 (F.N.)
4.	Mool Chaudhary	15-4-87 (F.N.)
5.	Mool Chand Garg	15-4-87 (F.N.)
6.	Ishwari Prasad Gupta	15-4-87 (F.N.)
7.	Hoti Lal	15-4-87 (F.N.)
8.	Parag Mehta Soni	15-4-87 (F.N.)
9.	Narendra Mohan Snelli	15-4-87 (F.N.)

(Sign) Illegible  
Deputy Accountant General/Audit

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT)-I,  
WEST BENGAL

Calcutta-700 001, the 27th April 1987

No. Admn.I/Promotion-93/AAO/273.—The Accountant General (Audit)-I, West Bengal has been pleased to appoint the following Section Officers (Audit) as Assistant Audit Officers (Group-B Gazetted) Post carrying scale of pay of Rs. 2000-60-2500-EB-75-3200 in a temporary and officiating capacity with effect from the forenoon of 27th April 1987 :—

1. Shri Tapan Kumar Nag.
2. Shri Chandra Sekhar Banerjee.

Their promotion is subject to the final outcome of the writ petition now pending before the Central Administrative Tribunal, Calcutta.

The Officers will have to exercise option within one month, in terms of para 2(b) of G.I.M.H.A. O.M. dated 26-3-1981 for either to fix their pay under F.R. 22(a)(i) on the date of promotion and then under F.R. 22-C from the date of next increment in the lower post or under F.R. 22-C from the date of promotion straightway.

S. K. MISHRA  
Sr. Deputy Accountant General (Admn.)

## MINISTRY OF TEXTILE

### OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-20, the 29th April 1987

Controlled Cloth (Production & Distribution) Notification, 1987

No. CER/(13),87-CLB.—In exercise of powers conferred by clause 16, 17 and 18 of the Textile (Control) Order, 1986 I hereby issue the following notification namely :—

### PART I

#### 1. Short title, extent and commencement

- (1) This notification may be called "Controlled Cloth" (Production and Distribution) Notification, 1987.
- (2) It extends to the whole of India.
- (3) It shall come into force on the date of its publication in the official Gazette.

#### Repeal and Savings :

The following notifications issued under the Textile (Control) Order, 1986 are hereby repealed :—

- (i) CER/7/86-CLB dated 26-6-1986
- (ii) CER/9/86-CLB dated 29-7-1986

Provided any order made right accrued, penalty incurred or anything done or deemed to have been made shall notwithstanding the supersession of the said notifications, be, and shall be deemed always to have been validly issued, accrued, incurred or done under the corresponding provisions of this notification.

3. (i) Maximum ex-factory price of controlled dhoty, controlled saree and controlled long cloth and controlled polyester blended shirting produced by a producer under the National Textile Corporation (herein after called NTC) and packed on its publication shall be NTC cost per sq. mtr. calculated on the basis of the formula approved by the Government inter-alia taking into account actual capacity utilisation, actual interest and zero return in respect of mills participating in the production of controlled cloth reduced by Rs. 2,- per sq. mtr. for controlled dhoty and controlled saree and by Rs. 1.50 per sq. mtr. for controlled long cloth and in case of controlled polyester blended shirting as fixed by the Government from time to time.
- (ii) the maximum ex-factory price of seconds shall be 10% (ten percent) less than that of the above maximum ex-factory price. The word "seconds" has the same meaning as defined under the Notification issued under the provision of clause 17 of above control order.
- (iii) Consumer price of the aforesaid varieties of cloth packed on or after 1-7-81 shall be 15% over the ex factory price in case of cotton cloth and 20% (Provisional) in case of polyester cotton shirting as determined in accordance with the clause (i) or (ii) above as the case may be plus excise duties

levied under the Central Excise Salt Act, 1944 and the amount of central duty levied under any provision of law for the time being in force.

## PART II

### Varieties and Specifications of Controlled Cloth

#### 4. For purpose of this Notification :—

- (a) Controlled dhoty/Controlled Saree/Controlled Long-cloth/Controlled polyester blended shirting shall have following common specifications in addition to the specifications given for each of these varieties under item (B) (C) & (D) below :—

- (i) an average count not exceeding 40.49s.
- (ii) woven in plain weave.
- (iii) difference between warp. count & weft count not exceeding 8s.
- (iv) woven with 2 red threads fast to bleach, warp-wise all through the length and adjacent to one of the selvages (Except in the case of bordered saree & dhoties).

Provided that such coloured thread shall not be inserted in non-controlled cloth.

*Note :* The coloured threads to be included for the above purpose shall ordinarily be in a Naphthol Red Colour. However, in the case of printed, dyed or other coloured cloth, the coloured threads to be included may be in any other alternative contrasting colour and shall be clearly visible.

- (v) are manufactured wholly from cotton (except in case of blended polyester shirting).
- (vi) difference between reeds and picks not exceeding four & picks not below 40.
- (vii) Colours/dyes used in the above fabrics shall be fast to washing.

#### B. Controlled Dhoty

- (a) In addition to (A) above shall be grey or bleached cloth commonly known by the name whether or not mercerised and shall contain white or coloured yarn on its border and heading.
- (b) Shall have width between 104 to 122 cms. (Both inclusive).

#### C. Controlled Saree :

- (a) In addition to (A) above shall be grey or bleached cloth commonly known by that name, whether or not mercerised.
- (b) contain coloured yarn or white yarn on its borders and in headings.
- (c) Shall have a width ranging between 104 cms. and 122 cms. (Both inclusive)
- (d) it includes printed mull and printed voil having a length not below 5 mtr per piece.

*Note :* For the purpose of this item printed mull and printed voil shall mean printed fabrics with or without printed borders/headings of plain weave manufactured with single yarn and with warp count not lower than 28s and it is cut out into saree length piece of 5 metres 51 mtrs then consumer price per piece shall be stamped on the same.

#### D. Controlled Long cloth :

- (a) in addition to (A) above grey or bleached or dyed cloth whether or not mercerised or preshrunk, and
- (b) shall have a width ranging between 84 cms. and 120 cms. (Both inclusive).

E. Controlled bleached/dyed/pinted polyester cotton blended shirting shall have following specifications :—

warp	:	38s
Weft	:	42s
Reed	:	72
Picks per inch	:	68
Finished width	:	89 cms.

Blended percentage : Cotton 52%, Polyester 48%

Final consumer price to be stamped shall be Rs. 10.50 per metre for bleached and Rs. 11.50/- for dyed varieties and Rs. 12/- for printed varieties.

## PART-III

### Production of Controlled Cloth

5. No person including National Textile Corporation shall produce and/or process controlled cloth unless otherwise permitted in writing by the Textile Commissioner.

## PART IV

### Marketing and Stamping of Controlled Cloth

6. The consumer price so determined as per clause 3 above shall be stamped by the producer (in red colour/ink) on the face plait of the controlled cloth and at selvages on every metre/alternatively in Devanagiri script and English in Capital letters when cloth is to be sold metrewise, and in the case of Controlled Dhوتي and Controlled Saree at the end of the piece both in Hindi in Devanagiri Script and English when packed in singles or in pairs, in the manner specified under clause 8 below :—

7. In addition, the following markings shall be made by the producer on the face plait of each piece of Controlled Cloth either in Hindi, in Devnagari script or in English in capital letters.

#### 1. Name of the producer

2. Name of variety viz. "Controlled Dhوتي", "Controlled Shirting" etc. as the case may be as defined in Clause 4 above.

3 Running serial number of the sorts as given by the manufacturer produced by the letter "S. No."

*Note :* (i) The serial number as stamped on such sort shall be entered at the appropriate place in Form "A" which the manufacturer is required to furnish here under.

(ii) When the production of any sort for which a serial number has been assigned is discontinued, the same serial number shall not be assigned and stamped on any other cloth.

4 The word "ALL COMBED YARN" on cloth where only combed yarn is used both in warp and in weft.

5. The month and year of packing

6. Length in metres and width in centimetres.

7. The words "Blended Fabric" when the cloth is manufactured partly from cotton and partly from any other non-cotton fibres, followed by the exact percentage of each of the different types of fibres used in the cloth as illustrated below :—

"Blended Fabric—52% Cotton—48% Polyester"

*Note :* (i) The markings required to be made as above on a piece of controlled cloth, where the piece length is 20 metres and above, shall be made either at both ends of the cloth or on a separate piece of cloth to be securely fastened at either end. If the cloth is book-folded, the

above markings shall be made on the face plait only.

- (ii) Where the folder consists of two-part pieces, besides the markings required to be made on the face-plait as above, the following markings shall be made at the end of the part piece of which the face-plait does not form a part :—

- (a) Name of the manufacturer.
- (b) Running serial number of the sort as given by the manufacturer, preceded by the letters "S. No."
- (c) Month and year of packing.
- (d) The words "TWO PART PIECE".

- (iii) The abbreviations as illustrated below may be used for stamping the month of packing.

FOR	ABBREVIATION
JANUARY	JANY
FEBRUARY	FEBY
AUGUST	AUGT
SEPTEMBER	SEPT
OCTOBER	OCTR
NOVEMBER	NOVR
DECEMBER	DECR

- (iv) For the year of packing abbreviation as illustrated below may be used

For	Abbreviation
1986	86

8. (1) On each piece of controlled cloth, other than "Controlled Dhoti" or "Controlled Saree" packed in singles or in pairs, in addition to the markings to be made in accordance with Clause 7 above, the following markings shall be made, namely;

- (i) Immediately below the markings made in accordance with Clause 7 above, the words "FINAL CONSUMER PRICE PER METRE" (rounded to nearest paise) AND the amount of final consumer prices per metre in figures, and the words "OCTROI EXTRA".

- (ii) On every metre, at a height not exceeding 2.54 cms. from the selvedge, the words "FINAL CONSUMER PRICE PER METRE" and the amount of final consumer price per metre in figures, and the words "Octroi Extra".

- (2) On "Controlled Dhoti" or "Controlled Saree" packed in single or in pairs, in addition to the markings to be made in accordance with clause 6 above, the following markings shall be made, namely :—

- (a) Immediately below the marking made in accordance with clause 7 above, when packed in pairs, the words "FINAL CONSUMER PRICE PER PIECE" (rounded to nearest 5 paise) and the amount final consumer price per piece in figures, and the words "OCTROI EXTRA". On the other end of the second piece, not exceeding 2.54 cms. from the selvedge, the words "FINAL CONSUMER PRICE PER PIECE" and the amount of final consumer price in figures, and the words, "OCTROI EXTRA".

- (b) When packed in Singles, immediately below the markings made in accordance with clause 7 above the words "FINAL CONSUMER

PRICE PER PIECE" and the amount of final consumer price per piece in figures and the words "OCTROI EXTRA".

- (3) In case of Seconds the words "Seconds" and the amount in figures, of the consumer price of such "Seconds" as arrived, at in accordance with the Note below, shall be stamped in the manner specified above.

Note : (i) For the purpose of the above paragraphs the expression consumer price shall mean the retail price per piece of dhoti or saree or the retail price per metre in the case of cloth other than dhoti or saree as the case may be, plus excise duty payable thereon but shall not include octroi if any, payable.

- (ii) The consumer price of "Seconds" that is required to be stamped shall be the retail price of "Seconds" as arrived at in the manner prescribed in Clause 3 plus the amount of excise duty payable thereon but shall not include octroi, if any, payable.

## PART-V

### Sale and Disposal of Controlled Cloth

9. No producer, including National Textile Corporation, who produces Controlled Cloth shall, unless otherwise permitted in writing by the Textile Commissioner, sell or deliver any such controlled cloth produced by him except to such person or persons and subject to such conditions as the Textile Commissioner may hereafter specify.

10. (i) Unless with the previous permission or appointment in writing by an appropriate authority, no person shall carry or transport any controlled cloth from one place to another, except for his bonafide personal use.

Explanation : The expression "appropriate authority" for the purpose of the above clause shall mean the Textile Commissioner or the Civil Supply Department of a State or A Union Territory, concerned with the distribution of controlled cloth.

- (ii) Save in accordance with the previous permission of the Textile Commissioner or the State Govt. or Union Territory Govt., no person acting as the carrier of controlled cloth shall deliver such cloth to any person or destination other than specified in the written instructions of his consigner in this respect.

## PART-VI

### Channels for sale

11. Every producer who produces controlled Cloth, shall sell or deliver all stocks of controlled cloth as on date of this order and the stocks of such cloth which may accrue after the said date only to the five channels of distribution mentioned below, on the basis of directions that may be issued to him from time to time by the Textile Commissioner, as regard the quantities that is to be sold or delivered to each such channel of distribution, namely :—

- (1) Mills' own retail shops or Mills' authorised, retail shops in the semi-urban/rural areas.
- (2) Super Bazaars in the Co-operative sector.
- (3) National Consumer's Co-operative Federation and the chain of Co-operative institutions affiliated to them.

- (1) Fair price shops run under the aegis of the State Government concerned; and
- (5) Any other agency in the Co-operative sector specified by the State Government concerned and any agency as may be specified by the Textile Commissioner from time to time.

## Explanation :

- I The expression "rural area" means where the population does not exceed 10,000 on the basis of 1981 census figures.
- II The expression Semi-urban area means towns with a population of 10,000 and above but below 50,000 on the basis of 1981 census figures.

## PART—VII

## Returns and Forms

12. (i) Each producer of Controlled Cloth including those under NTC shall furnish true and accurate information to the Textile Commissioner, New C.G.O. Building, Churchgate, Bombay-20, and Regional Office of the Textile Commissioner, within whose jurisdiction the place of manufacture is situated about the controlled cloth manufactured and packed by him on or before 1-7-81 in the Form A annexed herein.

(ii) The above form in respect of cloth having the same serial number shall be submitted to the Textile Commissioner as indicated above once in a every period when the prices are revised not later than 10th day of the month succeeding the month in which the prices are revised. When a variety having a new serial number is introduced by the manufacturer for the first time during the price period, particulars in respect of such cloth in form A shall be submitted on or before 10th day of the month succeeding the month of introduction of such cloth having a new serial number

GOVIND SWARUP

Additional Textile Commissioner

## FORM 'A'

Form of particulars to be furnished to the Textile Commissioner in respect of each quality of mill manufacture. Price Fixation for the quarter :-

Name of Mill :--  
[ Location :--

1. (a) Mill serial No. as stamped on cloth :--  
(b) Code; No. with suffix if any :--
2. Full description of cloth (in final finished state)

## 3. DIMENSIONS

## LOOM STATE

CALENDERED &  
OR FINISHED

- (a) Width in Centimetres  
(b) Length in Metres.  
(c) Weight in kilograms.
4. Reed per inch (2.54 cm.)  
5. Picks per inch (2.54 cm.)  
6. Average Count (English Count)  
7. Reed Space in centimetres  
8. Tape length in Metres.  
9. No. of ends (i) Warp  
(ii) Border  
(iii) Selvedge

(a)  
Grey(b)  
Bleached(c)  
Coloured

## 10. Actual weight of yarn :

Description	Count		Calculation	Remarks
	In French Count	In equivalent English	Weight of yarn (Actual)   without additional for wastage	
1	2	3	4	5
(a) Warp :				
(b) Waft :				
(c) Border/Selvedge :				
(d) Special Yarn, if any used				
(e) Blend % (overall in the fabrics)				
In the case of blended shirting				

11. Width of border & following in cms. and inches (In case of  
Sarees and Dhoties)

## 12. Incase of printed cloth state

- (i) No. of colours used :  
 (ii) The percentage of area of fabrics covered by printing

## 13. Date of commencement of packing of cloth.

## 14. Price calculation

Serial No. :  
 Code No. :  
 Description :

- (a) Maximum ex-factory price per mtr./per piece . . . . .  
 (b) Retail price per metre per piece . . . . .  
 (c) Excise duty per metre/per piece. . . . .  
 (d) Maximum consumer price. . . . .  
 (e) Rounding off to nearest paise when sold meterwise or to the nearest 5 paise (when sold piecewise) . . . . .

Place :

Date :

Signature of Mill Manager/Secretary.

## MINISTRY OF INDUSTRY

(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER

(SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 23rd April 1987

No. A-19018(753)/84-Admn.(G).—Consequent on his appointment to Grade II of the Indian Economic Service in the Department of Agriculture & Co-operation, Shri P. N. Ramamoorthy relinquished charge of the post of Deputy Director (Economic-Investigation) in the office of the Development Commissioner (Small Scale Industries), New Delhi on the afternoon of 17th March, 87.

C. C. ROY  
 Dy. Director (Admn.)

## DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND DISPOSALS

(ADMINISTRATION SECTION A-6)

New Delhi-110001, the 27th April 1987

No. A-17011 318/86-A.6(.).—On the results of the Engineering Services Examination, 1984 conducted by the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri Radhev Shyam Pandey in Engineering Branch of Grade III of the Indian Inspection Service Group 'A' with effect from the forenoon of 30th March, 1987 and until further orders.

2. Shri Pandey assumed charge of the post of Assistant Director of Inspection/Inspecting Officer (Engineering) in the office of the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi on 30-3-1987 (F.N.). He will be on probation for a period of two years from the date of his appointment.

No. A 17011 312/86/A-6 —On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri A. K. Aggarwal as Assistant Director of Inspection/Inspecting Officer (Engineering) in the Engineering Branch of the Indian Inspection Service, Group 'A' with effect from the forenoon of 2nd February, 1987 and until further orders.

2. Shri R. K. Aggarwal assumed charge of the post of Assistant Director of Inspection/Inspecting Officer (Engineering) in this office at Headquarters on 2-2-1987 (F.N.).

3. Shri Aggarwal will remain on probation for a period of two years.

R. P. SHAHI  
 Dy. Director (Admn.)

## ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA

(KHAN VIBHAG)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 23rd April 1987

No. 2817B/A-32013(SAO)/82-19A.—The President is pleased to appoint Shri S. K. Mahanta, Adm. Officer Geological Survey of India, as Senior Administrative Officer on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 3000-4500/- in the same Department in an officiating capacity with effect from the forenoon of 20-3-87, until further orders.

No. 2835B/A-19011(1-GG)/86-19A.—The President is pleased to appoint Shri Ghanshyam Gonnade to the post of Geologist (Jr.) in the Geological Survey of India in the minimum of the scale of pay of Rs. 2200-75-2800-EB-100-4000/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 19-3-87, until further orders.

A. KUSHARI  
 Director (Personnel)

Calcutta-700 016, the 27th April 1987

No. 2912B/A-190011[1-SR.DDG(P)]/86-19A.—The President is pleased to appoint Shri D. K. Gupta, Commissioner, Income Tax (Level-I) as Senior Deputy Director General (Personnel) in the Geological Survey of India on pay according to normal rules in the scale of pay of Rs. 5900-200-6700/- on deputation with effect from afternoon 16-4-1987, until further orders.

N. K. MUKHERJEE  
 Sr. Dy. Director General (Opn)

## SURVEY OF INDIA

SURVEYOR GENERAL'S OFFICE

Dehra Dun-248001, the 30th April 1987

No. C-20/579-A.—Shri S. L. Verma, who was appointed to officiate as Establishment and Accounts Officer (G.C.S.

Group 'B' post) is confirmed in his appointment with effect from 17th March, 1987.

G. C. AGARWAL  
Major General  
Surveyor General of India

#### DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

##### DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Bombay-85, the 15th April 1987

No. Ref. : DPS/2/1(29)/83-Adm./18186.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri S. R. Vaidya a permanent Storekeeper to officiate as an Asstt. Stores Officer in the scale of pay of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500 in a temporary capacity with effect from the forenoon of April 1, 1987 until further orders in the same Directorate.

The 24th April 1987

No. Ref. : DPS/2/1(26)/83-Adm./19686.—The Director, Directorate of Purchase & Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri C. Sivaraj, Purchase Asstt. to officiate as an Asstt. Purchase Officer in the scale of pay of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of 1st April, 1987 until further orders in the same Directorate.

B. G. KULKARNI  
Administrative Officer

##### TARAPUR ATOMIC POWER STATION

Thane-401504, the 16th April 1987

No. TAPS/1/57/86-R.—The Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic Energy, appoints Shri N. Srinivasan, a permanent Senior Stenographer in NPB Pool and officiating Assistant Personnel Officer in Madras Atomic Power Station to officiate as Administrative Officer-II in the Tarapur Atomic Power Station with effect from 8-4-1987 (FN), until further orders.

S. RANGANATHAN  
Chief Administrative Officer

#### DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

##### (ADMINISTRATION-I SECTION)

New Delhi, the 29th April 1987

No. A-31014/2/81-Admn-I.—In this Directorate's notification No. A-31014/2/81-Admn-I, dated the 30-7-1985.

For—3-1-1979

Read—12-1-1982

P. K. GHAI

#### OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF WORKS

##### CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 29th April 1987

No. 1/384/69-EC IX.—Shri M. I. Sota, Assistant Architect of this Department retires from Government Service on attaining the age of superannuation with effect from the afternoon of 30th April, 1987.

No. 1/73/69-EC IX.—Shri B. K. Dar, Assistant Architect of this Department retires from Government Service on attaining the age of superannuation with effect from the afternoon of 30th April, 1987.

The 30th April 1987

No. 1/29/69-EC IX.—Shri G. S. Bhogal, Technical Officer of this Department retires from Government Service on attaining the age of superannuation with effect from 30-4-1987 (AN).

PRITHVI PAL SINGH  
Dy. Director of Administration

#### MINISTRY OF INDUSTRY

##### (DEPTT. OF COMPANY AFFAIRS)

##### O. O. THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of the Companies Act, 1956*

*and*

*In the matter of Ruby Rubber Works Limited*

Cochin, the 24th April 1987

No. 993/Liq./3381/87.—By an order dated 30-7-86 in C.P. No. 85/81 of the High Court of Judicature at Ernakulam it has been ordered to wind up Ruby Rubber Works Limited.

V. A. VIJAYAN MENON  
Registrar of Companies  
Kerala

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(ACQUISITION RANGE), 106/282, KANCHAN  
BHAWAN, GANDHI NAGAR, OPP. LANEY PARK  
KANPUR-208 012.

Kanpur, the 16th April 1987

No. M.D. 23, 86-87.—Whereas, I,  
S. K. PAHWA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value  
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
Khasra No. 275 or Khatan No. 48, Aurang Sahpur Diggi,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the Office of the Registering Officer at  
Meerut, under registration No. 19973, dated 22-8-86,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not truly stated in the said instrument of transfer  
with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer,  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

- (1) Shri Nandur Kora s/o Shri Ishri r/o Aurangshapur  
Diggi City, Meerut. (Transferor)  
(2) M/s. Janakpuri Sahkari Avas Samiti Ltd. Meerut  
through Shri Kadam Singh Dhavan Bujpal Singh,  
Meerut. (Transferee)  
(3) —Do— (Person(s) in occupation of the property)  
(4) —Do— (Persons whom the undersigned knows  
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;  
(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Khasra No. 275, Khatan No. 48, Aurangshapur, Diggi,  
Meerut.

S. K. PAHWA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
(Acquisition Range), Kanpur.

Date : 16-4-87.  
Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX(ACQUISITION RANGE), 106/282, KANCHAN  
BHAWAN, GANDHI NAGAR, OPP LANEN PARK,  
KANPUR-208 012.

Kanpur, the 16th April 1987

No MD-30 86-87 —Whereas, I,  
S K PAHWA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value  
exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing  
Khasia No. 392, Quarsi (Aligarh),  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and registered under registration Act,  
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Aligarh under registration No 7860/218006 dated 21-8-86  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-Tax  
Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Rajendra Singh s/o Shri Sohan Singh R/o  
Quarsi Tehsil, Cool, Distt. Aligarh.  
(Transferor)
- (2) M/s Uttari Railway Karmchary Sahakari Awas  
Samiti Ltd Aligarh, 142-A Railway Colony  
through Shri Yogendra Chaudhary s/o Ram Swa-  
rup  
(Transferee)
- (3) —Do—  
[Person(s) in occupation of the property]
- (4) —Do—  
(Persons whom the undersigned knows  
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30  
days from the service of notice on the respective  
persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Khasia No 392 Village Quarsi Tehsil Cool, Aligarh

S K PAHWA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
(Acquisition Range) Kanpur

Date 16-4-87  
Seal.

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(ACQUISITION RANGE), 106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR, OPP. LANTIN PARK KANPUR-208 012.

Kanpur, the 16th April 1987

No. M.D.-32/86/87.—Whereas, I, S. K. PAHWA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 81/1, situated at Narahara, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the registering officer at Meerut under registration No. 20158, dated 30-8-86, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Jagdish Prasad s/o Shri Sohan Lal R/o 28, Ram Nagar, Meerut.

(Transferor)

(2) Shri Vijaya Pal Singh s/o Shri Bhalul Singh V. & P.O. Mudlana, Saharanpur.

(Transferee)

(3) —Do—

(Person(s) in occupation of the property)

(4) —Do—

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

No. 81/1 Narahara, Meerut.

S. K. PAHWA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
(Acquisition Range), Kanpur.

Date : 16-4-87.  
Seal :

## FORMS ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX(ACQUISITION RANGE), 106/242, KANCHAN  
BHAWAN, GANDHI NAGAR, OPP. LANES PARK,  
KANPUR-208 012.

Kanpur, the 16th April 1987

No. M-1117/86-87.—Whereas, I,  
S. K. PAHWA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
5862/587/2 situated at Surajpur,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered under  
Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office  
of the Competent Authority at  
Daduri, under registration No. 5374 dated 13-8-86,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitate the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act 1922  
(11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

- (2) Shri Narendra Singh Chehal s/o Mahendra Singh  
R/o Mavala Magh Dashna, Ghaziabad.  
(Transferor)  
(2) M. S. C. Laboratories Ltd. through Shri S. K.  
Chopra s/o Dr. R. N. Chopra, 31 Kalkaji, New  
Delhi  
(Transferee)  
(3) —Do—  
(Person(s) in occupation of the property)  
(4) —Do—  
(Persons whom the undersigned knows  
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective per-  
sons, whichever period expires later ;  
(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that chapter.

## THE SCHEDULE

No. 587/2 586, Surajpur, Ragna Daduri, Ghaziabad.

S. K. PAHWA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
(Acquisition Range), Kanpur.

Date : 16-4-87.  
Seal :

## FORM ITNS—

- (1) M. s. Essel Properties & Industries B-10, Lawrence Road, Indl Area, New Delhi-35,  
(Transferor)
- (2) M s New Bajlee Foundry, G. T. Road, Batala (Punjab),  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-IV

AGGARWAI HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI.

New Delhi, the 13th April 1987

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. I.A.C. (Acq)/R-VI/VI-37-EE/85-86/79,—  
Whereas, I, T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No UG-10/Upper Ground Floor, situated at Essel House, 10-Asaf Ali Road, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in August, 1986.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No UG-10 Upper Ground Floor/391-13 Sq. Ft.  
(Essel House, 10-Asaf Ali Road, New Delhi).

T. K. SAH  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VI  
New Delhi-110002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-4-87.  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-VI  
AGGARWAL HOUSE, 4, 14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI.

New Delhi, the 13th pril 1987

Ref. No. IAC (Acq) R-VI/37-FE/886/80—Whereas,  
1. T. K. SAH,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
Flat No. 209 & 210/2nd Floor/658.82 Sft. situated at Essel  
House, 10-Asaf Ali Road, New Delhi,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred and the agreement is registered under  
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office  
of the Competent Authority at New Delhi in  
August, 1986,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

14—76 GI/87

- (1) M/s. Essel Properties & Industries, B-10, Lawrence  
Road Indl. Area, New Delhi-35. (Transferor)  
(2) M. S. Indo Java & Co. 811-Ansal Bhawan, Kasturba  
Gandhi Marg, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of  
the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 209 & 210/2nd Floor/658.82 Sq. Ft. 'Essel  
House'; 10, Asaf Ali Road, New Delhi

T. K. SAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VI,  
New Delhi-110002.

Date : 13-4-87.

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-VI  
AGGARWAI HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 13th April 1987

Ref. No. IAC. (Acq)/R-VI/37TF/80A.—Whereas, I,  
T. K. SAH,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearing No.  
Flat No. 217/2nd Floor 'ESSEL HOUSE' situated at 10,  
Asaf Ali Road, New Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
and has been registered with the Competent Authority u/s  
269 AB of the I.T. Act 1961 read with rule 48 DD (4) of  
the Income Tax Rules 1962 in  
August 1986  
of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1986  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) M/s. "Essel Properties & Industries"  
B-10, Lawrence Road Indl. Area,  
New Delhi.

(Transferor/s)

- (2) Shri Ashish Gupta s/o Sh. B. K. Gupta,  
C-30, Greater Kailash, Part-I,  
New Delhi.

(Transferee/s)

Objection, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other persons interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION. —The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

"Flat No. 217/2nd Floor/103.96 sq. ft. 'ESSEL HOUSE' 10-  
Asaf Ali Road, New Delhi"

T. K. SAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VI  
New Delhi-110002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons namely :—

Date : 13-4-1987  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) M s Essel Properties & Industries,  
B-10, Lawrence Road Indl Area,  
New Delhi-35

(Transferor/s)

(2) Mr. Munish Gupta s/o Mr. B. K. Gupta,  
C-50, Greater Kailash Part-I,  
New Delhi-48

(Transferee/s)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 13th April 1987

Ref. No. AIC (Acq) R-VI/37EF/8-86/80B—Whereas I T K SAH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. Flat No. 114/1st Floor, 'ESSEL HOUSE' situated at 10-Asaf Ali Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), and has been registered with the Competent Authority u/s 269 AB of the IT Act 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in August 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

"Flat No. 114/1st Floor/267.63 sq ft 'ESSEL HOUSE' 10, Asaf Ali Road, New Delhi."

T. K. SAH  
Competent Authority  
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VI  
New Delhi-110002

Date 13.4.1987  
Seal

## FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-VI  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 13th April 1987

Ref No IXC (Acq)/R VI/8-86/37EE/80C—Whereas I, T K SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 100,000/- and bearing No Flat No 316/3rd Floor situated at 'ESSEL HOUSE', 10-Asaf Ali Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), and has been registered with the Competent Authority u/s 269 AB of the IT Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in August 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) M/s Essel Properties & Industries,  
B 10, Lawrence Road Indl. Area,  
New Delhi-35 (Transferor)  
(2) Km Sonia Sarna D/o Sh J L Sarna,  
B1/75, Safdarjung Enclave, New Delhi (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;  
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or  
(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

'Flat No 316/3rd Floor/233.29 sqt 'ESSEL HOUSE', 10-Asaf Ali Road, New Delhi'

T K SAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VI  
New Delhi-110002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-4-1987  
Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-VI  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 13th April 1987

Rel. No. IAC. (Acq)/R-VI/8-86/37EE/80D.—Whereas I, T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 216/2nd floor 'ESSEL HOUSE' situated at 10-Asaf Ali Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), and has been registered with the Competent Authority u/s 269 AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in August 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Essel Properties & Industries,  
B-10, Lawrence Road Indl. Area,  
New Delhi-35.

(Transferor)

- (2) Shri I. L. Sarna S o Sh. V. P. Sarna  
B1/75, Safdarjung Enclave, New Delhi-29.

(Transferee(s))

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

"Flat No. 216/2nd Floor/233.29 sft.  
'ESSEL HOUSE', 10-Asaf Ali Road, New Delhi".

T. K. SAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VI  
New Delhi-110002

Date : 13-4-1987  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 13th April 1987

Ref. No. IAC (Acq)/R-VI/8-86/37EE/80-E. —Whereas I,  
T. K. SAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. L-10 Loft Floor/295.69 sft. situated at "ESSEL HOUSE" 10, Asaf Ali Road, New Delhi-2 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), and has been registered with the Competent Authority u/s 269 AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in August 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) M/s Essel Properties & Industries,  
B-10, Lawrence Road Indl. Area,  
New Delhi-35.

(Transferor)

(2) M/s. New Bijlee Foundry,  
G. F. Road Butala (Punjab).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

"Flat No. L-10 Loft Floor/295.69 sft.  
"ESSEL HOUSE", 10-Asaf Ali Road, New Delhi-2.

T. K. SAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VI  
New Delhi-110002

Date : 13-4-1987

Sent :

## FORM I.T.N.S.

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III

AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

- (1) M. S. Raghbir Singh Santokh Singh & Co.  
through Shri Gurcharan Singh, Road No. 44,  
Punjabi Bagh, New Delhi.  
Sh. Parshan Singh,  
S-147 Naraina Vihar, New Delhi. (Transferor)
- (2) M. S. Monna International  
C-139, Naraina Industrial Area,  
Phase-I, New Delhi. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

New Delhi, the 15th April 1987

Ref. No. IAC/Acq. III/37EE/8-86/195-K.—Whereas I, SUBHASH KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- (Rupees One Lakh only),

No. C-139, situated at Naraina Industrial Area, Phase-I, N. Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred (or offered under the Income-tax Act, section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Registering Officer at IAC Acq. Range-III, New Delhi on August 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be included by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

C-139, Naraina Industrial Area, Phase-I, New Delhi. Area 600 sq. yds.

SUBHASH KUMAR

Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-4-1987  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 15th April 1987

Ref. No. IAC/Acq. III/SR-II/8-86/355.—Whereas I SUBHASH KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Prop. No. 3, Class C situated at Punjabi Bagh, New Delhi (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred/registered under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in August 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Mithlesh Gupta  
2. Mukesh Gupta  
3. Sanjay Gupta sons of Sh. R. K Gupta all  
r/o 7006, Block-14, Dev Nagar,  
Karol Bagh, New Delhi. (Transferor)
- (2) S/Sh. Ram Kumar Gupta, Dharam Pal Gupta,  
Ashok Kumar Gupta sons of  
Baru Mal Gupta and  
(4) Suchma Gupta,  
r/o 30, Ashoka Park (Main) Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. 3, Class-C, area 555.55 sq. yds. at Punjabi Bagh, East Avenue Road, Delhi.

SUBHASH KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
New Delhi

Date : 15-4-1987  
Seal :

## FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 15th April 1987

Ref. No. IAC/Acq III SR-II/8-86/360.—Whereas, I, SUBHASH KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. C-78, situated at Inderpuri area of Vill Naraina, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at New Delhi on August 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
15—76 GI/87

(1) Sh Brij Narain Datt,  
S/o Shri Harnam Dass  
r/o C-78, Inderpuri  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh Bharat Bhushan Taneja,  
So Sh P. L. Taneja  
Smt., Neeru Taneja  
W/o Sh. Bharat Bhushan  
r/o H-86 Kirti Nagar  
New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House single storeyed No C-78 mg. 500 sq. yds, situated at Inderpuri area of village Naraina, Delhi.

SUBHASH KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Agarwal House  
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Date : 15-4-1987  
Seal :

FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL HOUSE  
4, 14-A ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 15th April 1987

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-II/8-86/369.—Whereas, I, SUBHASH KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 17/35, Punjabi Bagh situated at New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at New Delhi in August 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Madan Mohan Sachdeva  
S/o Sh. Bishan Dass Sachdeva  
r/o K 35, Model Town, Delhi, (Transferor)
- (2) Sh. Rajesh Lakhanpal &  
Smt. Smita Lakhanpal  
w/o Sh. Rajesh Lakhanpal  
r/o K-4/8, Model Town, Delhi, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. 17, on Road No. 35, Punjabi Bagh, New Delhi measuring 569.46 sq. yds.

SUBHASH KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Agarwal House  
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Date : 15-4-1987  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 15th April 1987

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-III/8-86/381.—Whereas, I, SUBHASH KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 2265, Naiwala situated at Karol Bagh, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in August 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Harbhajan Singh,  
s/o S. Joginder Singh  
r/o H. No. 2265, Naiwala Street No. 67,  
Karol Bagh, New Delhi. (Transferor)
- (2) M/s. Blaze Construction Co.  
Pvt. Ltd., Regd. Office 404,  
Padma Tower, Rajindra Place,  
New Delhi (Co. under incorporation) through  
its Promotor/Director. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Half portion of property No. 2265, Naiwala Street No. 67, and Khasra No. 591, Karol Bagh, New Delhi mg. 231 sq. yds.

SUBHASH KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Aggarwal House  
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Date : 15-4-1987  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 15th April 1987

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-III/9-86/431.—Whereas, I, SUBHASH KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 2265, Naiwala situated at Karol Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in September 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Gurcharan Devi  
W/o Sh. Jagjit Singh  
r/o 2265, Street No. 67, Karol Bagh,  
New Delhi. (Transferor)
- (2) M/s. Blaza Construction Co.  
Pvt. Ltd. Regd. Office 404, Padma Tower,  
Rajinder Place, New Delhi.  
C/o Under incorporation) through its Director  
Sh. D. N. Taneja S/o Sh. G. D. Taneja. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Half portion of property No. 2265, street No. 67, Naiwala Karol Bagh, New Delhi falling in Khasra No. 591, measuring about 231 sq. yds.

SUBHASH KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Agarwal House  
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Date : 15-4-1987  
Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-IV  
AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 20th April 1987

Ref. No. IAC/Acq/Range-IV/37EC/79—Whereas, I.  
D. K. SRIVASTVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Farm No. B-29, Pushpanjali Vill. Bijwasan, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at I.T. Act 1961 IAC Range-I New Delhi in Aug 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said aforesaid property by the issue of this notice under sub-Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Ansal Properties (P) Ltd  
115, Ansal Bhawan 16,  
K G Marg, New Delhi

(Transferor)

- (2) Sh. Arjun C. Wancy,  
C/o Mrs. Mohani Wancy  
C-34, West End (Near Shanti Niketan)  
New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

Farm No. B-29, Puspanjali farm at village Bijwasan New Delhi.

D. K. SRIVASTVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV  
Agarwal House  
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Date : 20/4/1987  
Seal.

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV  
AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 20th April 1987

Ref. No. IAC/Acq/R-IV/37EE/80.—Whereas, I, D. K. SRIVASTVA, being the Competent Authority, under sec. 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. W-21, Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at I.T. Act 1961 IAC Range-I New Delhi on Aug 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any oneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of said this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Usha Dalmia  
w/o Sh. A. H. Dalmia.  
No. 1, Tees January Marg New Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Rama Rani Khanna  
w/o Sh. Kewal Krishan Khanna and  
(M) Munish Khanna,  
(M) s/o Sh. Kewal Krishan Khanna  
R/o 2-C/5, New Rohtak Road, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/8 Part Portion in Plot of land bearing W-21, Greater Kailash-II, New Delhi.

D. K. SRIVASTVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV  
Aggarwal House  
4/14-A, Asuf Ali Road, New Delhi.

Date : 20/4/1987  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV  
AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 20th April 1987

Ref. No. IAC/Acq/R-IV/37EE/81.—Whereas, I, D. K. SRIVASTVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. W-21, G. K. II, New Delhi situated at New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at I.T. Act 1961 IAC Range-I New Delhi in Aug 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Bela Dalmia  
w/o Sh. Y. H. Dalmia (No. 1,  
Tees January Marg, New Delhi. (Transferor)
- (2) Sh. Vijay Kumar Khanna & Sons.  
(HUF) Through its Karta Sh. Vijay Kumar  
Khanna, 2C/5, New Rohtak Road, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Part Portion in plot of land bearing W-21, in Greater Kailash-II, New Delhi.

D. K. SRIVASTVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV  
Agarwal House  
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Date : 20/4/1987  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV  
Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road,  
NEW DELHI

New Delhi, the 20th April 1987

Ref. No. IAC/Acq'R-IV, 37-FE/82.—Whereas, 1,  
D. K. SRIVASTVA,being the Competent Authority under Section 269AB of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearingFarm No. B-30, Pushpanjali Vill-Bijwasan,  
situated at New Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and registered under Registration Act  
1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer  
at New Delhi in August 1986for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or others assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

- (1) Smt. Mohini Waney, C-34,  
West End (Near Shanti Niketan)  
New Delhi.

(Transferor)

- (2) M/s Ansal Properties & Industries (P) Ltd.,  
115, Ansal Bhawan, K. G. Marg,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30  
days from the service of notice on the respective  
persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Farm No. B-30, Pushpanjali farm at Vill. Bijwasan, New  
Delhi.

D. K. SRIVASTVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV,  
Aggarwal House,  
4/14-A, Asaf Ali Road,  
New Delhi

Date : 20-4-87  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-IV  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A- ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 20th April 1987

Ref. No. JAC Acq/IV/37-G/72.-Whereas, I,  
D. K. SRIVASTVA,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
F-48, G Floor, Greater Kailash-II,  
New Delhi,  
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),  
has been transferred and registered under Registration Act  
1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer  
at New Delhi in August 1986  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Pran Nath Kayship,  
E-48, G. Floor Greater Kailash-II,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Balkishen,  
E-56, Greater Kailash Enclave-II,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been  
or which ought to be disclosed by the transferee  
for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);E-48, G. Floor, Greater Kailash Part-II, Three Bed  
Rooms Drawing/Dining, Two baths Kitchen, Store, Meza-  
nine room with bath room.D. K. SRIVASTVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV.  
Aggarwal House  
4/14-A, Asaf Ali Road,  
New DelhiNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the  
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of  
the aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

16—76 GI/87

Date : 20-4-87  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV  
Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road,  
NEW DELHI

New Delhi, the 20th April 1987

Ref. No. IAC/Acq/R-IV 37G 71.—Whereas, I, D. K. SRIVASTVA, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 77, Block M, Meas. 195, Sq. ft. Resl. Colony known as Greater Kailash-II, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in August 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Sudhar bala Sarina W/o Sh. Gopal Singh Sarina, R o E-496, Greater Kailash-II, New Delhi, and presently residing at 3353, Ramzay Street, Longueuil, Quebec, Canada. Through Attorney Sh. Gopal Sarina. (Transferor)
- (2) M/s M. J. Enterprises, 55-A, Uday Park, New Delhi through its partners Smt. Manjit Kaur and Smt. Jasbir Kaur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop plot bearing No. 77, in Block M, Measuring 195 Sq. ft. situated in the residential colony known as Greater Kailash-II, New Delhi.

D. K. SRIVASTVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV,  
Aggarwal House,  
4/14-A, Asaf Ali Road,  
New Delhi

Date : 20-4-87  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-VII  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 10th April 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq)/R-VII/37EE/8-86/413.—Whereas, J. V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. B-412, 4th Floor, 5 Bhikaji Cama Place, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered with the Competent Authority u/s 269AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in August 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. J. B. Martin  
S/o Late Shri G. M. Martin,  
A 1/230, Saidarjang Enclave,  
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Om Prakash Dhingra,  
S/o Late Shri Daulat Ram Dhingra,  
20/26, East Punjabi Bagh,  
New Delhi.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat B-412, 4th floor in 5 Bhikaji Cama Place, New Delhi.  
533 Sq. ft.

V. K. MANGOTRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
ACQUISITION RANGE-VII  
Aggarwal House,  
4/14-A, Asaf Ali Road,  
New Delhi

Date : 10-4-87  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sh. Chaman Lal Madhok (C. L. Madhok)  
87/3, Safdarjang Enclave,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Shashi Khana,  
1A-232, Faridabad.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 10th April 1987

Ref. No. IAC (Acq)/R-VII, 37EE/8-86/142.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 409, 9 Bhikaji Cama Place, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered with the Competent Authority u/s 269AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in August 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 409, 9 Bhikaji Cama Place, 4th floor New Delhi.  
550 sq. ft.

V. K. MANGOTRA  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VII  
Aggarwal House,  
4/14-A, Asaf Ali Road,  
New Delhi

Date : 10-4-87  
Seal



**FORM ITTS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) Sh. C. J. Madhok,  
B 7/3, Safdarjang Enclave,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Dulari Khurana,  
1A-232, Jaidabad.

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-VII  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 10th April 1987

Ref No IAC (Acq)/R-VII/37EE/8-86/141.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 408, 9 Bhikaji Cama Place, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered with the Competent Authority u/s 269AB of the IT. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in August 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

**THE SCHEDULE**

Flat No. 408, Bhikaji Cama Place, 4th floor New Delhi.  
550 sq. ft

V. K. MANGOTRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
ACQUISITION RANGE-VII  
Aggarwal House,  
4/14-A, Asaf Ali Road,  
New Delhi

Date : 10-4-87  
Seal :

FORM 11 N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-VII  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 10th April 1987

Ref. No. IAC (Acq) R-VII 37LE/8-86/195-17.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. S-171, Greater Kailash-II, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered with the Competent Authority u/s 269AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48 DID (4) of the Income Tax Rules 1962 in August 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Master Aman Nagrath,  
S/o Shri Ranjit Nagrath,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Mohan Lal Deorah,  
5 Lower Rowdon Street,  
Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

No. S-171, Greater Kailash-II, 1st Floor New Delhi.  
298 sq. yds.

V. K. MANGOTRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
ACQUISITION RANGE-VII  
Aggarwal House,  
4/14-A, Asaf Ali Road,  
New Delhi

Date : 10-4-87  
Seal.

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII  
AGGARWAL HOUSE  
4 14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi the 10th April 1987

Ref. No. IAC(Acq)/R-VII/37F/8-86/222-—Whereas, I, V. K. MANGOTRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 10,000— and bearing

No. S-62, Greater Kailash-II situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered with the Competent Authority under Section 269AB of the said Act, 1961 read with rule 48 DD (1) of the Income Tax Rules, 1962 in August, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M. P. Wajidsong Exports Ltd.,  
through their Dir. Sh. Abdul Qadir,  
D-B Kalindi Colony,  
New Delhi

(Transferor)

(2) 1. Shri Bimal Kishore Jain  
2. Mrs. Rita Jain  
3. Mrs. Kavita Jain  
4. Mrs. Durgam Jain,  
all R/o 1940, Kucha Dariba Kalan,  
Chandni Chowk, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

S-62, Greater Kailash-II, New Delhi.

V. K. MANGOTRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VII  
Aggarwal House  
4 14-A, Asaf Ali Road  
New Delhi

Date : 10-4-1987  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 16th April 1987

Ref. No. IAC /Acq-1/37EE/8-86/3213A.—Whereas, I,  
S. C. GUPTA,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.Space No. 11 on 3rd floor in Block E,  
Hotel-Cum-Commercial Complex, Nehru Place, New Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and registered with the Competent  
Authority u/s 269 AB of the IT. Act, 1961 read with  
rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in  
August, 1986for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—(1) M/s. Nehru Place Hotels Ltd.,  
Eros Cinema Building,  
Jangpura Extension,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Vibha Bhatia &  
Mrs. Simi Bhatia, R/o  
A-1/114, Safdarjang Enclave,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purpose, of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27\* of 1957);Space No. 11 on 3rd floor in Block-E, Hotel-Cum-Com-  
Hotel, Nehru Place, New Delhi. Area 735 Sq. ft.  
647 Sq. ft.S. C. GUPTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Aggarwal House  
4/14-A, Asaf Ali Road  
New DelhiNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—Date : 16-4-1987  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
AGGARWAL HOUSE,  
4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 16th April 1987

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/8-86 3213B.—Whereas, I, S. C. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 805 International Trade Tower Nehru Place, Hotel, Nehru Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered with the Competent Authority u/s 269 AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in August, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) M/s. Coronation Spinning India,  
B-44, Greater Kailash-I,  
New Delhi-110048.

(Transferor)

(2) M/s. J. S. Luthra,  
111/92, Nehru Place,  
New Delhi-110019.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of this liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 805, International Trade Tower Nehru Place  
Hotel, Nehru Place, New Delhi. Area 735 Sq. ft.S. C. GUPTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Aggarwal House  
4/14-A, Asaf Ali Road  
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-consideration for such transfer as agreed to between the persons, namely :—

17—76 GI/87

Date : 16-4-1987  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I  
AGGARWAL HOUSE  
4, 14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 16th April 1987

Ref. No. IAC. Acq-I/37FE/8-86/3225—Whereas, I, S. C. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing No. Flat No. 1304, Devika Tower, 6, Nehru Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule below), has been transferred and registered with the Competent Authority u/s 269 AB of the IT Act 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in August, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Pragati Construction Co.  
(Devika Tower) 4th Floor  
Sheetla House, 73-74, Nehru Place,  
New Delhi (Transferor)
- (2) Shri Mahesh Chandra Jain,  
55 B Canal Kanpur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of this said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 1304, Devika Tower, 6, Nehru Place, New Delhi. Area 560 sq. ft.

S. C. GUPTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Aggarwal House  
4/14-A, Asaf Ali Road  
New Delhi

Date: 16-4-1987  
Seal:

## FORM ITNS— —

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
AGGARWAL HOUSE,  
4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 16th April 1987

Ref. No. IAC/Acq-I/37/Et: 8-86 3228—Whereas, I,  
S. C. GUPTA,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value  
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.Flat No. 1309, Devika Tower,  
6, Nehru Place, New Delhihas been transferred and registered with the Competent  
Authority u/s 269 AB of the I.T. Act, 1961 read with  
rule 48 DD (1) of the Income Tax Rules, 1962 in  
August, 1986for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
money or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

- (1) M/s Pragati Construction Co.  
(Devika Tower) 4th Floor,  
Sheetla House, 73-74, Nehru Place,  
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Pradeep Jain,  
55 B Cantt. Kanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
**45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;**
- (b) by any other person instead in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of  
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 1309 Devika Tower, 6, Nehru Place, New Delhi,  
Area 500 Sq. ft.S. C. GUPTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Aggarwal House  
4/14-A, Asaf Ali Road  
New DelhiNow, therefore in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—Date : 16-4-1987  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 16th April 1987

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/8-86 3230.—Whereas, I, S. C. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 1306, Devika Tower, situated at 6, Nehru Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered with the Competent Authority u/s 269 AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in August 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (1) M/s Pragati Construction Co.  
(Devika Tower) 4th Floor,  
Sheetla House, 73-74, Nehru Place,  
New Delhi. (Transferor)
- (2) Master Prashant Jain  
55 B. Cantt. Kanpur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 1306 Devika Tower, 6, Nehru Place, New Delhi.  
Area 325 Sq. ft.

S. C. GUPTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Aggarwal House  
4/14-A, Asaf Ali Road  
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-4-1987  
Seal :



## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I  
AGGARWAL HOUSE  
4 14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 16th April 1987

Ref. No. IAC Acq-I/37EE/8-86/3231.—Whereas, I, S. C. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1308, Devika Tower, situated at 6, Nehru Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered with the Competent Authority u/s 269 AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in August, 1987 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s Pragati Construction Co.  
(Devika Tower) 4th Floor  
Sheetla House, 73-74, Nehru Place,  
New Delhi.

(Transferee)

(2) Smt. Shakuntala Devi Jain  
55 B Cantt. Kanpur.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 1308, Devika Tower, 6, Nehru Place, New Delhi.  
Area 440 Sq. ft.

S. C. GUPTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Aggarwal House  
4/14-A, Asaf Ali Road  
New Delhi

Date : 16-4-1987  
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) M/s Pragna Construction Co. (Devika Tower)  
4th Floor, Sheela House, 73-74  
Nehru Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Sandeep Jain  
55 B. Cantt. Kanpur

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 16th April 1987

Ref No. IAC/Acq-I/37EE/8-86/3232 --Whereas, I,  
S. C. GUPTA  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value  
exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing  
Flat No. 1310 Devika Tower,  
situated at 6 Nehru Place, New Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred and registered with the Competent  
Authority u/s 269AB of the I.T. Act 1961 read with Rule  
48DD (4) of the I Tax Rules 1962 on August 1986  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

Flat No. 1310, Devika Tower, 6, Nehru Place, New Delhi.  
Area 500 Sq. ft.

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

S. C. GUPTA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Dated: 16-4-1987  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) M/s Pragati Construction Co. (Devika Tower)  
4th Floor, Sheetla House, 73-74  
Nehru Place, New Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Durga Bai Jain  
55 B. Cantt. Kanpur. (Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 16th April 1987

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

Ref. No. IAC/Acq-I/37EF/8-86/3233.—Whereas, I, S. C. GUPTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 1307, Devika Tower, situated at 6 Nehru Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered with the Competent Authority u/s 269AB of the I.T. Act 1961 read with Rule 48DI (4) of the I. Tax Rules 1962 on August 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitate the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. 1307, Devika Tower 6, Nehru Place, New Delhi.  
Area 560 Sq. ft.

S. C. GUPTA,  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated: 16-4-1987  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI**

New Delhi, the 16th April 1987

Ref. No. IAC/Acq-I/37P.E./8-86/3234.—Whereas, I, S. C. GUPTA being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1305, Devika Tower situated at 6 Nehru Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered with the Competent Authority u/s 269AB of the I.T. Act 1961 read with Rule 48DD (4) of the I. Tax Rules 1962 on August 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s Pragti Construction Co. (Devika Tower),  
4th Floor, Sheetla House, 73-74 Nehru Place,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Kusum Lata Jain,  
55 B. Cantt. Kanpur.

(Transferee(s))

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Flat No. 1305, Devika Tower, 6, Nehru Place, New Delhi.  
Area 325 Sq. ft.

S. C. GUPTA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, New Delhi

Dated: 16-4-1987  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 16th April 1987

Ref. No. JAC/Acq-I/371-F/8-86/3237.-Whereas, I, S. C. GUPTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 2-A, Ground Floor, situated at Kundan House, 16-Nehru Place, New Delhi-110019 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered with the Competent Authority u/s 269AB of the I.T. Act 1961 read with Rule 48DD (4) of the I. Tax Rules 1962 on August 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) M/s Tower Height Builders (P) Ltd.  
D-31, Model Town,  
New Delhi-110009 (Transferor)
- (2) M/s Laxmi Paul Dhir & Son (HUF)  
C-361, Defence Colony,  
New Delhi-110024  
through Shri L. P. Dhir, karta. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 2-A, Ground Floor, Kundan House, 16 Nehru Place, New Delhi-110019.  
(Measuring 250 Sq. ft.).

S. C. GUPTA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
18—76 GI/87

Dated: 16-4-1987  
Seal :

## FORM IIS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 16th April 1987

Ref. No. IAC A-4 /37/- 86 87 3240.—Whereas, I, S. C. GUPTA being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 20 on 4th floor at 38, Nehru Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered with the Competent Authority u/s 269AB of the I.T. Act 1961 read with Rule 48 DD(4) of the I. Tax Rules 1962 on August 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) M/s Gulmohar Estates (P) Ltd.  
415, Devika Towers, 6, Nehru Place,  
New Delhi-110019. (Transferor)
- (2) Mr. Amit Garg  
S/o Shri Ravinder Garg  
R/o 14, Kailash Apartments,  
New Delhi-110048. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 20, on the 4th floor, at 38, Nehru Place, New Delhi-110019.  
Area 399 Sq. fts.

S. C. GUPTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, New Delhi

Dated: 16-4-1987  
Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s Gulmshar Estates (P) Ltd.  
415, Devika Towers 6, Nehru Place,  
New Delhi 110019

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Master Nitin Garg  
S/o Shri Ravinder Garg,  
R/o 14, Kailash Apartment,  
New Delhi 110048

(Transferee)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I NEW DELHI

New Delhi, the 16th April 1987

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

Ref No JAC/Acq-1/37EE 8 86/3241 —Whereas, I,  
S C GUPTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing Flat No. 419, on 4th floor at 38, Nehru Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered with the Competent Authority u/s 269AB of the I T Act 1961 read with Rule 48 DD(4) of the I tax Rules 1962 on August 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of each apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of this said Act shall have the same meaning as given in this Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferee to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No 419, on 4th floor at 38, Nehru Place, New Delhi-110019,

Area 584 Sq. fts

S C GUPTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, a hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Dated 16.4.1987  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 16th April 1987

Ref. No. IAC /Acq-I, 37EE/9-86/3273.—Whereas, I,  
S. C. GUPTA

being the Competent Authority under Section 269AB of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the (said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. G/8-A (Ground Floor) Kundan House, situated at 16, Nehru Place, New Delhi-110019 (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and registered with the Competent Authority u/s 269AB of the I.T. Act 1961 read with Rul-48 DD(4) of the I. Tax Rules 1962 in September, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Tower Height Builders Pvt. Ltd.  
D-31, Model Town, Delhi-110009. (Transferor)
- (2) Mr. Alok Dhir & Miss Swati Dhir.  
C-361, Defence Colony,  
New Delhi-24 (Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meanings as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(401 Sq. ft.) Flat No. G/8-A (Ground Floor) Kundan House, 16, Nehru Place, New Delhi-110019.

S. C. GUPTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, New Delhi

Dated: 16-4-1987  
Seal :



FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 16th April 1987

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/8-86/3313.—Whereas, I,  
S. C. GUPTA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
G-1 Shopping Centre Cum Community Facility, Kalkaji,  
New Delhi situated at New Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and has been registered with the Com-  
petent Authority u/s 269AB of the I. T. Act 1961 read with  
Rule 48D(1) (4) of the Income-tax Rules 1962  
in August 1986  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

- (1) M/s Bhatia Apartments (P) Ltd.,  
A-18, Kailash Colony,  
New Delhi, (Transferor)
- (2) Miss Bimla Mehra,  
C/o M/s Amolak Ravi Om Parkash,  
Bazar Sabunia (Guru Bazar),  
Amritsar (Pb), (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable  
property within 45 days from the date of publication  
of this notice in the official Gazette.

EXPLANATIONS—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning to given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

G-1, Shopping Centre Cum Community Facility, Kalkaji,  
New Delhi. Area 562.50 Sq. ft. Flat No. 102 First Floor.

S. C. GUPTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Aggarwal House  
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 16-4-1987  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi the 16th April 1987

Ref No IAC/Acq I/37FE/8 86/3314—Whereas, I, S C GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 100,000/- and bearing No G-1 Shopping Centre cum Community Facility Kalkaji, flat No 103, situated at New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered with the Competent Authority u/s 269AB of the I T Act 1961 read with Rule 48DD (4) of the Income-tax Rules 1962 in August 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

(1) M/s Bhatia Apartments (P) Ltd,  
A 18, Kailash Colony,  
New Delhi

(Transferor)

(2) Mr Sohan Lal Mehra,  
C/o M/s Amolak Ram, Om Parkash,  
Bazar Sabunia (Guru Bazar),  
Amritsar (Pb)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

G-1, Shopping Centre Cum Community Facility Kalkaji,  
New Delhi First Floor Total area 375 Sq ft Flat No. 103.

S C GUPTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Aggarwal House  
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date . 16-4-1987  
Seal .

## FORM ITNS—

(1) M/s Bhatia Apartments (P) Ltd.,  
A-18, Kailash Colony,  
New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Bhagwan Dass Mehra,  
Gurq Bazar, Amritsar (Pb).

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 16th April 1987

Ref. No. IAC/Acq-I/371T/8-86/3315.—Whereas, I,  
S. C. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.

G-1 Shopping Centre Cum Community Facility, Kalkaji,  
New Delhi situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and has been registered with the Com-  
petent Authority u/s 269AB of the I. T. Act, 1961 read with  
Rule 48DD (4) of the Income-tax Rules, 1962  
on August 1986

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of this said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable  
property within 45 days from the date of publication  
of this notice in the Official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein are  
defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

G-1, Shopping Centre Cum Community Facility, Kalkaji,  
New Delhi. Area 375 Sq. ft. Flat No. 104, 1st Floor.

S. C. GUPTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Aggarwal House  
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 16-4-1987  
Seal :

## FORM 111S—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 16th April 1987

Ref. No. IAC / Acq-I/37ET/8-85/3316.—Whereas, I, S. C. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. G-1, Shopping Centre Cam Community Facility, Kalkaji, New Delhi situated at New Delhi, Flat No. 105 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered with the Competent Authority u/s 269AB of the I. T. Act 1961 read with Rule 48DD (4) of the Income-tax Rules, 1962 on August 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property is also said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s Bhatia Apartments (P) Ltd.,  
A-18, Kailash Colony,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Bipul Mehra,  
C/o M/s Amolak Ram Om Parkash,  
Bazar Sabunia (Guru Bazar),  
Amritsar (Pb).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

G-1, Shopping Centre Cam Community Facility, Kalkaji, New Delhi. 1st Floor Flat No. 105. Total Area 187.50 Sq. ft.

S. C. GUPTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Aggarwal House  
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-4-1987  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 16th April 1987

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/8-86/3317.—Whereas, I, S. C. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. G-1, Shopping Centre Cum Community Facility, Kalkaji, New Delhi situated at New Delhi Flat No. 106 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered with the Competent Authority u/s 269AB of the I. T. Act, 1961 read with Rule 48DD (4) of the Income-tax Rules, 1962 on August 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
19—76 GI/87

(1) M/s Bhatia Apartments (P) Ltd.,  
A-18, Kailash Colony,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Rajiv Mehra,  
C/o Amolak Ram Om Parkash,  
Bazar Sabunia, Guru Bazar,  
Amritsar (Pb).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

G-1, Shopping Centre Cum Community Facility Kalkaji,  
New Delhi. 1st Floor Flat No. 106, total area 187.50 Sq. ft.

S. C. GUPTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Aggarwal House  
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 16-4-1987

Seal ;

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE  
4/14-A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 16th April 1987

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/8-86/3318.—Whereas, I, S. C. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 101, MPD House I, Plot No. 6, Madangir LSC, Near Pushpa Bhawan, New Delhi situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered with the Competent Authority u/s 269AB of the I. T. Act, 1961 read with Rule 48DD (4) of the Income-tax Rules, 1962 in August 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s MPD Builders Private Limited,  
110 Meghdoot, 94 Nehru Place,  
New Delhi-110 019. (Transferor)
- (2) M/s Aptarna Mall (Minor),  
U/g Santosh Devi Mall,  
40 Strand Road, 4th floor, Room No. 2,  
Calcutta-700 001. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 101, MPD House I, Plot No. 6., Madangir LSC, Near Pushpa Bhawan, New Delhi, measuring 257 Sq. ft.

S. C. GUPTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Aggarwal House  
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 16-4-1987  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) M/s MPD Builders Private Limited,  
110 Meghdoot, 94 Nehru Place,  
New Delhi-110 019.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(2) Anand Shankar Mall,  
U/g Sagarmal Mall, 40 Strand Road,  
4th Floor Room No. 2, Calcutta.

(Transferee)

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE  
4/14-A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 16th April 1987

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No IAC/Acq-I/37EE/8-86/3319.—Whereas, I, S. C. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 102 MPD House I, Plot No. 6 Madangir LSC, Near Pushpa Bhawan, New Delhi situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered with the Competent Authority u/s 269AB of the I. T. Act, 1961 read with Rule 48DD (4) of the Income-tax Rules, 1962 in August 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. 102, MPD House I, Plot No. 6 Madangir LSC, Near Pushpa Bhawan, New Delhi, measuring 368 Sq. ft.

S. C. GUPTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Aggarwal House  
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

13—66GI/87

Date : 16-4-1987  
Seal :

## FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 16th April 1987

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/8-86/3320.—

Whereas, I, S. C. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 103 MPD House I, 6 Madangir LSC, Near Pushpa Bhawan, New Delhi, measuring 410 sq. ft. situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered with the Competent Authority u/s 269AB of the I. T. Act, 1961 read with Rule 48DD (4) of the Income-tax Rules, 1962 on August, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- |  |              |
|--|--------------|
| (1) MPD Builders Private Limited<br>110 Meghdoot,<br>94 Nehru Place,<br>New Delhi-110 019. | (Transferor) |
| (2) Smt. Santosh Devi Mall<br>40, Strand Road,<br>No. 2, 4th Floor,<br>Calcutta-700 001.   | (Transferee) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 103 MPD House I, 6 Madangir LSC, Near Pushpa Bhawan, New Delhi, measuring 410 Sq. ft.

S. C. GUPTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Aggarwal House  
4/14-A, Asaf Ali Road  
New Delhi

Date : 16-4-1987  
Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 16th April 1987

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/8-86/3321.—

Whereas, I, S. C. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 105, MPD House I, Madangir LSC Near Pushpa Bhawan; New Delhi situated at New Delhi measuring 410 Sq. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered with the Competent Authority u/s 269AB of the I. T. Act, 1961 read with Rule 48DD (4) of the Income-tax Rules, 1962 on August, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) MPD Builders Private Ltd.  
110 Meghdoot,  
94, Nehru Place,  
New Delhi-110 019.

(Transferor)

- (2) Mr. Sagarmal Mall  
40, Strand Road,  
4th floor, Room No. 2,  
Calcutta-700 001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 105, MPD House I, Madangir LSC, Near Pushpa Bhawan, New Delhi, measuring 440 sq. ft.

S. C. GUPTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Aggarwal House  
4/14-A, Asaf Ali Road  
New Delhi

Date : 16-4-1987  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 16th April 1987

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/8-86/3322.—

Whereas, I, S. C. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 101, Building No. 4, Pushpa ihar, New Delhi situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered with the Competent Authority u/s 269 AB of the I.T. Act, 1961 read with Rule 48DD (4) of the Income-Tax Rules 1962 on August, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Rajesh Jain,  
54, Bhogal Road,  
Jangpura,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Kiran Kapoor  
C-12, Greater Kailash-I,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 101, Building No. 4, Pushp Vihar, New Delhi.  
Area 324 Sq. ft.

S. C. GUPTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Aggarwal House  
4/14-A, Asaf Ali Road  
New Delhi

Date : 16-4-1987  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Brijesh Jain  
54, Bhogal Road,  
Jangpura,  
New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) H. K. Kapoor (HUF)  
C-12, Greater Kailash-I,  
New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

New Delhi, the 16th April 1987

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/8-86/3323.—

Whereas, I, S. C. GUPTA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property having a fair market value  
exceeding Rs 1,00,000/- and bearing  
Flat No. 102, Building No. 4 situated at Pushp Vihar, New  
situated at New Delhi,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred and has been registered under Section  
269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the  
Competent Authority at  
Bombay on 18-8-1986  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Flat No. 102, Building No. 4, Pushp Vihar, New Delhi.  
Area 324 Sq. ft.

S. C. GUPTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Aggarwal House  
4/14-A, Asaf Ali Road  
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 16-4-1987  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 16th April 1987

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/8-86/3324.—  
Whereas, I, S. C. GUPTA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the  
Immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
Flat No. 104, Building No. 4 Pushp Vihar, New Delhi  
situated at New Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and has been registered with the Compe-  
tent Authority u/s 269 AB of the I.T. Act, 1961 read with  
Rule 48DD (4) of the Income-Tax Rules 1962  
on August, 1986  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration and  
that the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

(1) Shri Rajesh Jain  
54, Bhogal Road,  
Jangpura,  
New Delhi.

(Transferor)

(1) H. K. Kapoor (HUF)  
C-12, Greater Kailash-I,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein, a-  
re defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 104, Building No. 4, Pushp Vihar, New Delhi  
Area 316 Sq. ft.

S. C. GUPTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Aggarwal House  
4/14-A, Asaf Ali Road  
New Delhi

Date : 16-4-1987  
Seal :

## FORM ITN—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 16th April 1987

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/8-86/3325.—

Whereas, I, S. C. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 105, Building No. 4 Push Vihar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered with the Competent Authority u/s 269 AB of the I.T. Act, 1961 read with Rule 48DD (4) of the Income-Tax Rules 1962 on August, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in request of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

20—76 GI/87

(1) Mrs. Sushila Daryani  
C-103, New Rajinder Nagar,  
New Delhi.

(Transferor)

(1) H. K. Kapoor (HUF)  
C-12, Greater Kailash-I,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 105, Building No. 4, Push Vihar, New Delhi,  
Area 263 Sq. ft.

S. C. GUPTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Aggarwal House  
4/14-A, Asaf Ali Road  
New Delhi

Date : 16-4-1987  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Balraj Kumar Sud R/o  
S-59, Greater Kailash-II,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shakti Kapur  
R/o 63/5, N.E.A.,  
Old Rajinder Nagar,  
New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

## COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

New Delhi, the 16th April 1986

Ref. No. LAC/Acq-I/37EE/8-86/3326 —

Whereas, S. C. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 2/5th share of property No. W-14, measuring 500 Sq. Yds. situation at Greater Kailash-I New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered with the Competent Authority u/s 269 AB of the I.T. Act, 1961 read with Rule 48DD (4) of the Income-Tax Rules 1962 on August, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

2/5th share of property No. W-14, measuring 500 Sq. yds. Greater Kailash-I, New Delhi.

S. C. GUPTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Aggarwal House  
4/14-A, Asaf Ali Road  
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-4-1987  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A  
ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 16th April 1987

- (1) Balraj Kumar Sud r/o S-59,  
Greater Kailash-II, New Delhi. (Transferor)
- (2) Mrs. Shivangi Kapur r/o 63/5  
N.E.A. Old Rajinder Nagar, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/8-86/3327.—Whereas, I,  
S. C. GUPTA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
No. 2/5th share of property No. W-14, situated at  
measuring 500 Sq. yds. Greater Kailash-I, New Delhi.  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred with the Competent Authority U/s  
269AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48D(4) of  
the Income-tax Rules, 1962  
on August 1986  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

2/5th share of property No. W-14, measuring 500 sq.  
yds. Greater Kailash-I, New Delhi.

S. C. GUPTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Aggarwal House  
4/14-A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 16-4-1987  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A  
ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 16th April 1987

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/8-86/3328.—Whereas, I, S. C. GUPTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1½th share of property No. W-14, situated at measuring 500 sq. yds Greater Kailash-I, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered with the Competent Authority U/s 269AB of the I.T. Act, 1961 read with Rules, 48DD(4) of the Income-tax Rules, 1962 in August 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Balraj Kumar Sud R/o S-59,  
Greater Kailash-II, New Delhi. (Transferor)  
(2) Master Siddarth Kapur through father and  
natural guardian Shakti Kapur r/o 63/5,  
N.E.A, Old Rajinder Nagar, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1½th share of property No. W-14, measuring 500 Sq. yds. Greater Kailash-I, New Delhi.

S. C. GUPTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Aggarwal House  
4/14-A Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 16-4-1987  
Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A  
ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 16th April 1987

- (1) Shri S. Tarlochan Singh Anand,  
A-3, Kailash Colony, New Delhi. (Transferor)
- (2) M/S Mahajan Foundation through its Trustee  
Lalit Mahajan, 1411 Chiranjiv Tower,  
43 Nehru Place, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

No. AR. II/37EE/37591/1986-87.—Whereas, I,

S. C. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-  
able property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearingNo. 1/3rd share of property No. N-118 mg 300 Sq. yds  
situated at Greater Kailash-I, New Delhi.  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and registered with the Competent  
Authority U/s 269AB of the I.T. Act, 1961 read with Rules,  
48DD(4) of the Income-tax Rules, 1962 in August 1986  
New Delhi in August 1986for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of :—EXPLANATION :—The terms and expression used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

## THE SCHEDULE

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Plot No. 1/3rd share at N-118, Greater Kailash-I, New  
Delhi Mg. 300 sq. yds.S. C. GUPTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Aggarwal House  
4/14-A Asaf Ali Road, New DelhiNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—Date : 16-4-1987  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I,

New Delhi, the 16th April 1987

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/8-86/3330.—Whereas, I, S. C. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1/3rd share in property No. 118 mg. 300 Sq. yds. situated at Greater Kailash-I New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered with the Competent Authority u/s 269 AB of the I.T. Act 1961 read with the Rule 48 DD (4) of the Income-Tax Rules 1962 on August 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor, to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S. Tarlochan Singh Anand  
A-3, Kailash Colony,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Master Jatin Mahajan,  
Master Nitin Mahajan  
through their father and natural guardian  
Lalit Mahajan  
218, Gulmohar Park,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/3rd share in property No. N-118, measuring 300 sq. yds. Greater Kailash-I, New Delhi.

S. C. GUPTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Aggarwal House  
4/14-A Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 16-4-1987  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,  
AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 16th April 1987

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/8-86/3331.—Whereas, I,  
S. C. GUPTA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
1/3rd share of property No. N-118, measuring 300 sq. yds.  
situated at Greater Kailash-I, New Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and has been registered with the Compe-  
tent Authority u/s 269 AB of the I.T. Act 1961 read with  
the Rule 48 DD (4) of the Income-Tax Rules 1962 on  
August 1986  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen percent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

- (1) Shri S. Tarlochan Singh Anand  
R/o A-3, Kailash Colony,  
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Smt. Anila Mahajan  
R/o 218, Culmohar Enclave,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/3rd share of property No. N-118, measuring 300 sq. yds.  
Greater Kailash-I, New Delhi.

S. C. GUPTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Aggarwal House  
4/14-A Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 16-4-1987  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Pal & Paul Builders Ltd.  
70 Regal Building, Connaught Circus  
New Delhi-110001.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,  
AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 16th April 1987

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/8-86/3332.—Whereas, I,  
S. C. GUPTA,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
Half built up portion of the property No. A-3 Niti Bagh,  
situated at New Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and has been registered with the Compe-  
tent Authority u/s 269 AB of the I.T. Act 1961 read with  
the Rule 48 DD (4) of the Income-Tax Rules 1962 on  
August 1986  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and  
that the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of :—

(2) Sh. Satya Pal Bansal &  
Sh. B. R. Chopra  
R/o B-15 Greater Kailash-I,  
R/o Chopra Firm  
New Delhi.  
Mehrauli, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Half built up portion of the property A-3, Niti Bagh along-  
with the half area of plot of land under neath, i.e. 426.66  
Sq. yds. in the basis of incomplete construction done up  
to 18-6-86.

S. C. GUPTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Aggarwal House  
4/14-A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 16-4-1987  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,  
AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 16th April 1987

(1) M/s. Capricorn Industries Ltd.  
B-4/205, Safdarjung Enclave,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Gammond India Ltd,  
Gammon House veer Savarkar Marg,  
Bombay-400025.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/8-86/3333.—Whereas, I,  
S. C. GUPTA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property having a fair market value  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
Entire Second Floor of proposed construction Plot No.  
16/17 LSC Madangir,  
situated at New Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and has been registered with the Compe-  
tent Authority u/s 269 AB of the I.T. Act 1961 read with  
the Rule 48 DD (4) of the Income-Tax Rules 1962 on  
August 1986  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Entire Second Floor of proposed for Construction at  
Plot No. 16/17 LSC, Madangir New Delhi. Area 4000 sq.  
ft.S. C. GUPTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Aggarwal House  
4/14-A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—  
21—76 GI-87

Date : 16-4-1987  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-I,  
AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI  
New Delhi, the 16th April 1987

Ref. No. IAC/Acq-1/37EE/4-87/3334.—Whereas, I,  
S. C. GUPTA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
C-7/2, Vasant Vihar,  
situated at New Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and has been registered with the Compe-  
tent Authority u/s 269 AB of the I.T. Act 1961 read with  
the Rule 48 DD (4) of the Income-Tax Rules 1962 on  
August 1986  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957)

(1) D. C. Jain, Supdt. Engineer,  
All India Radio,  
Indore.

(Transferor)

(2) P. K. Jain,  
C-7/2, Vasant Vihar,  
New Delhi-110057.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in the writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

**THE SCHEDULE**

C-7/2, Vasant Vihar, New Delhi. Area 5000 Sq. fts.

S. C. GUPTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Aggarwal House  
4/14-A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

Date : 16-4-1987  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI,  
AGGARWAL HOUSE  
4/14-A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th April 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq)/R-VI/SR-I/8-86/781.—Whereas, I, T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. C-8/16, Model Town, Area of Vill. Malikpur Chhaoni Delhi State, situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in August 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Pritam Singh  
S/o Sh. Sajjan Singh and  
Sh. Daljit Singh  
S/o S. Pritam Singh  
R/o 1880, Bhagirath Palace,  
Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Sukhbir Saran Aggarwal  
S/o Sh. Hari Ram,  
Smt. Pushpa Devi Aggarwal  
W/o Sh. Sukhbir Saran Aggarwal,  
Sh. Ashok Kumar  
S/o Sh. Sukhbir Saran Aggarwal,  
Master Ajay Kumar Aggarwal  
and Master Anup Kumar Aggarwal Sons of  
Sh. Sukhbir Saran Aggarwal  
under the guardianship of his father  
Sh. Sukhbir Saran Aggarwal  
R/o 2023, Katra Lachhu Singh, Fountain,  
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

"2-1/2 storeyed house No. C-8/16, measuring 487.5 Sq. yds. situated at Model Town, area of Vill. Malikpur Chhaoni Delhi State, Delhi".

T. K. SAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VI  
New Delhi-110002

Date : 13-4-1987  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI,  
AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th April 1987

Ref. No. I.AC. (Acq)/R-VI/SR-1/8-86/784.—Whereas, I, T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. A-2/65, Rajouri Garden, Area of Vill. Basai Darapur Delhi State, situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in August 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of said this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Attar Singh  
S/o Sh. Pardhan Singh,  
Sh. Sewa Singh  
S/o Sh. Pardhan Singh and  
Sh. Kesar Singh  
S/o Pardhan Singh through its Attorney  
Sh. Paras Ram  
S/o Kanshi Ram all  
R/o A-2/65, Rajouri Garden,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Parmod Kumar, Rakesh Kumar and  
Sh. Kamal Kumar sons of  
Sh. Paras Ram All R/o J-6/77,  
Rajouri Garden,  
New Delhi.

(Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

"House No. A-2/65, measuring 295.4 sq. yds. situated at Rajouri Garden, area of Vill. Bassai Darapur Delhi State, Delhi".

T. K. SAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VI  
New Delhi-110002

Date : 13-4-1987  
Seal :



FORM ITNS—

P. Dayal 76 GI/87 8X8X20 FRESH 16-5-87

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-VI,  
AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th April 1987

Ref. No. IAC (Acq)/R-VI/SR-I/8-86/789.—Whereas, I, T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 9, Block 5-C, Mpl. Ward No. XVI, on Rohtak Rd., situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in August 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Tara Chand  
S/o Sh. Barkat Ram Gambhir  
Sh. Kasturi Lal  
S/o Tara Chand Gambhir  
Sh. Bodh Raj  
S/o Tara Chand Gambhir  
R/o H. No. 1210, Gali No. 11, Sadu Bazar, Delhi.  
(Transferor)
- (2) M/s. R. N. Gupta and sons HUF through Karta Sh. Ram Niwas;  
M/s. Gupta Raja Ram & Sons HUF through Karta Raja Ram; and  
(Transferee)
- (3) M/s. Jain Bhagwan & Sons HUF Through Karta Jai Bhagwan,  
R/o D-28, Manohar Park, New Delhi.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in the writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

"Property Kothl Pucca Built 2½ storeyed built on Plot No. 9, Block 5-C, Mpl. Ward No. XVI, on Rohtak Road, New Delhi, area 367.56 Sq. yds, in Khasra No. 1057/153, Khewat No. 7, Khatauni No. 1046/1, Bagh Rao Ji, Delhi".

T. K. SAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VI  
New Delhi-110002

Date : 13-4-87  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 13th April 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq)/R-VI/SR-I/8-86/807.—

NISAR AHMED

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, have a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1, Ansari Road, Darya Ganj, Delhi bearing Municipal No. 4222 situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer of the Competent Authority at Bombay on 4-8-1986 at New Delhi in August, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ravinder Shankar Mathur, Mr. Anil Shankar, Mr. Rakesh Shankar Mathur, All R/o E-313, Greater Kailash-I, New Delhi and Mr. Vinal Shankar Mathur, R/o K-34C, Kailash Colony, New Delhi. (Transferor)
- (2) M/s. Rishi Engineering & Construction Pvt. Ltd., K-41, Hauz Khas Enclave, New Delhi-110016. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

"Land measuring 348.9 sq. yds. with two-storeyed building thereon known as No. 1, Ansari Road, Darya Ganj, Delhi bearing Municipal No. 4222."

T. K. SAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VI, New Delhi-110002

Date : 13-4-1987  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-VI  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 13th April 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq)/R-VI/SR-I/8-86/809.—

Whereas, I, T. K. SAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 3-D/III, in Block-C/1 situated at Model Town, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in August, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been so which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri Om Parkash Bhasin,  
Tilak Raj Bhasin and  
Jagdish Lal Bhasin Ss/o  
Late Shri Ram Dass Bhasin all R/o  
3-D/III, in Block C/1, Model Town, Delhi.  
(Transferor)
- (2) S/Shri Pawan Kumar,  
Rakesh Kumar,  
Raman Kumar and  
Mukesh Kumar Ss/o  
Shri Kashmiri Lal, All R/o  
2/3, Singh Sabha Road, Shakti Nagar, Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

"House No. 3-D/III, in Block C-1, meas. 586 sq. yds. situated in Model Town, Delhi."

T. K. SAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VI, New Delhi-110002

Date : 13-4-1987  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 13th April 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq.)/R-VI/SR-I/8-86/811.—

Whereas, I, T. K. SAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. J-128, Rajouri Garden, situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in August, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or this said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Jatinder Paul Singh So  
Shri Pritpal Singh and  
Shrimati Piem Lata W/o  
(1) Shri Jatinder Paul Singh S/o  
J-128, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferor)

- (1) Shri Ramesh Kumar Malhotra &  
Shri Rajinder Pal Malhotra Ss/o  
Shri Krishan Lal Malhotra, R/o  
15/44, Subhash Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

"Property bearing No. J-128, mg. 311.1 sq. yds. situated at Rajouri Garden, area of Vill. Bassai Darapur Delhi State, Delhi."

T. K. SAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VI, New Delhi-110002

Date: 13-4-1987  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Anthony Valentine Trinidad S/o  
Shri Vincent Manual Trinidad, R/o  
C-32, Preet Vihar, Delhi-92.

(Transferor)

(2) M/s. Jaina Properties Pvt. Ltd.  
(a company duly incorporated under the Indian  
Companies Act), with its Regd. Office at  
'M' Block, Adinath Shree House,  
Opp. Super Bazar, New Delhi through its Director  
Shri Rakesh Jain.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 13th April 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq)/R-VI/SR-1/8-86/818,—

Whereas, I, T. K. SAH,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
No. 2, Netaji Subhash Marg, Daryaganj situated at New Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred and registered under Registration Act  
1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer  
at New Delhi in August, 1986  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been so  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

"Property bearing No. 2, Netaji Subhash Marg, Darya  
Ganj, New Delhi, built on leasehold plot No. 2, falling in  
Khasia No. 128/43, 46, 47, measuring 279.7 sq. yds".

T. K. SAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VI, New Delhi-110002

Date : 13-4-1987  
Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—  
22—76 GI 87

(1) Shri S. P. Khosla S/o  
Shri Krishan Khosla, R/o  
J-173, Rajouri Garden, New Delhi. (Transferor)

(2) Shri Sudershan Kumar S/o  
Shri Mulkh Raj Gulati, R/o  
J-4/8, Rajouri Garden, New Delhi. (Transferee)

New Delhi, the 13th April 1987

Whereas, I, T. K. SAH,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
No. J-173, Rajouri Garden, Area of Vill. situated at Bassal  
Darapur, Delhi State, Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and registered under Registration Act  
1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer  
at New Delhi in August, 1986  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

"House (Ground Floor) No. J-173, mg. 301 sq. yds. (50% share) situated at Rajouri Garden, area of Vill. Bassai Darapur, Delhi State, Delhi."

T. K. SAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VI, New Delhi-110002

Date : 13-4-1987  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-VI  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 13th April 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq)/R-VI/SR-1/8-86/829.—  
Whereas, I, T. K. SAH,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
No. 31/5, East Patel Nagar, New Delhi situated at New  
Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred and registered under Registration Act  
1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer  
at New Delhi in August, 1986  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

- (1) Shri Prem Vir &  
Shri Dharam Vir, R/o  
681, Sector 21-A, Faridabad (Haryana).  
(Transferor)  
(2) Shrimati Parveen Mehta and  
2. Shri A. K. Mehta, R/o  
D-129 & 131, West Patel Nagar, New Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;  
(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

"Property No. 31/5, East Patel Nagar, New Delhi."

T. K. SAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VI, New Delhi-110002

Date : 13-4-1987  
Seal

FORM ITNS—

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-VI  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 13th April 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq)/R-VI/SR-I/8-86/832.—  
Whereas, I, T. K. SAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 31, Block-B, Ashok Vihar, House No. 31, Block-B, Ashok Vihar (Wazirpur Phase-I) situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in August, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Shri Hans Raj Swan S/o  
Shri Garib Das, R/o  
HAP Police Complex Madhuban Karnal (Haryana).  
(Transferor)
- (2) Shri Krishan Kumar S o  
Shri Muni Lal, R/o  
KC/19-A, MIG Flat, Ashok Vihar, Phase-I, Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

**THE SCHEDULE**

"Single storeyed house No. 31, Block-B, Ashok Vihar (Wazirpur Phase-I), Residential Scheme, Delhi, measuring 497.22 sq. yds."

T. K. SAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VI, New Delhi-110002

Date : 13-4-1987  
Seal :



**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-VI,  
AGGARWAL HOUSE,  
4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI**

New Delhi, the 13th April 1987

Ref. No. IAC.Acq//R-VI/SR-I/8-86/833.—Whereas, I, T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Mpl. No. 1545/C-8 built on Plot No. 5, Block 40 West Patel Nagar, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in August, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—  
23—76 GI/87

- (1) 1. Shri Bharat Bhushan  
R/o S-429, Greater Kailash-I,  
New Delhi  
2. Shri Vidhya Bhushan  
R/o B-22, Maharani Bagh,  
New Delhi  
3. Shri K. B. Soni  
R/o S-429, Greater Kailash-I,  
New Delhi.  
all sons of Shri Gopal Dass, (Transferor)
- (2) Smt. Lajwanti Devi Trust  
through its Trustees  
S/Shri Sushil Bhushan, Ved Bhushan,  
Anand Bhushan and Vijay Bhushan  
All Ss/o Shri Pitambar Lal  
R/o 24, Pusa Road,  
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Two and half storeyed property bearing Mpl. No. 1545/C-8, built on Plot No. 5, Block 40 measuring 1000 sq. yds. situated at West Patel Nagar, New Delhi.

T. K. SAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range VI  
New Delhi-110002

Date : 13-4-1987  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-VI  
AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 13th April 1987

Ref. No. IAC-Acq R-VI, SRI/8-86/934 —Whereas, I, T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 7 Block No. 30 (30/7), Mpl. No. 1084, situated at East Patel Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in August, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Daljit Singh, S/o  
Late Shri Jagat Singh, R/o  
307, East Patel Nagar,  
New Delhi. (Transferor)
- (2) 1. Shri Deepak Gambhir  
S/o Shri Padam Chand Gambhir  
R/o 22, Pusa Road,  
New Delhi and  
2. Shri Yogesh Gambhir Singh  
S/o Shri Padam Chand Gambhir  
R/o 22, Pusa Road,  
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Two & Half storeyed property on Plot No. 7, Block No. 30 (30/7), Mpl. No. 1084, East Patel Nagar, New Delhi measuring 200 sq. yds.

T. K. SAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range VI  
New Delhi-110002

Date : 13-4-1987  
Seal :

## FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-VI  
AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 13th April 1987

Ref. No. IAC.(Acq)/R-VI/SR-1/8-86/835.—Whereas, I, T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. J-179, Rajouri Garden, New Delhi situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Office at New Delhi on August, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Rajiv Kumar Silas S/o  
Shri B. A. Silas, and  
Smt. Ruth Kusum Silas, W/o  
Shri Rajiv Kumar Silas,  
both R/o J/179, Rajouri Garden,  
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Maj. Prem Kumar Malhotra,  
S/o Late Sh. Peshori Lal Malhotra,  
R/o L-12, Rajouri Garden,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. J/179, Rajouri Garden, New Delhi Entire First Floor and Entire Second Floor.

T. K. SAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range VI  
New Delhi-110002

Date : 13-4-1987  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-VI

AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 13th April 1987

Ref. No. I.A.C.(Acq)/VI/SR-III/8-86/384.—Whereas, I, T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 52/21, W. E. A. Karol Bagh, New Delhi situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in August 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S. Ashvinder Singh,  
S/o. S. Sujan Singh,  
R/o. Fancy Bazaar,  
Gauhati.

(Transferor)

(2) S. Pritpal Singh,  
S/o. S. Sarup Singh,  
5300, Hardhian Singh Road,  
Karol Bagh, New Delhi,  
Partner of M/s. Bharat Leather & Shoe Material  
Store.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;**

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

"1/2 Share in property bearing No. 52/21, W. E. A. Karol Bagh, New Delhi measuring about 253 sq. yds. Municipal No. 8096-97"

T. K. SAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VI  
New Delhi-110002

Date : 13-4-1987  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-VI,  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 13th April 1987

Ref. No I.A.C. (Acq) R/VI/SR-III/8-86/385.—Whereas, I, T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 52/21, W. E. A. Karol Bagh, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in August 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to be following persons, namely :—

(1) S. Ashvinder Singh,  
S/o. S. Sujan Singh,  
R/o. Fancy Bazar, Gauhati.

(Transferor)

(2) S. Narinder Pal Singh,  
S/o. S. Saroop Singh,  
R/o. 5300, Hardhian Singh Road,  
Karol Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

"1/2 Share in property bearing No. 52/21, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi, measuring 253 sq. yds. Mpl. No. 8096-97".

T. K. SAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VI  
New Delhi-110002

Date : 13-4-1987  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-VI,  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 13th April 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq) VI/S. R.-III/8-86/386.—Whereas I, T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Basement MCD Building, D. B. Gupta Road, Pahar Ganj, New Delhi, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and registered under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in August 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Dharam Bir & Sons through its,  
Karta Sh. Dharam Bir,  
S/o. Sh. Hari Chand (Late),  
R/o. 431, Mathura Road,  
Jangpura Ext., New Delhi.

(Transferor)

(2) Motia Diwan, 2. Prithvi Raj Diwan, Both,  
R/o. SP-III, Tilak Nagar, Jaipur,  
3. Smt. Sudesh B. Malik,  
R/o. C-33, Paschim Apartments,  
Dadar, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

"Basement MCB Building, Desh Bandhu Gupta Road, Pahar Ganj, New Delhi-110055, mg. 3500 sq. ft.

T. K. SAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VI  
New Delhi-110002

Date : 13-4-1987  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(ACQUISITION RANGE), 106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR, OPP. LALIN PARK KANPUR-208 012.

Kanpur, the 14th April 1987

No. K-10/86-87.—Whereas, I, V. K. SINGHAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Nil situated at — (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Kanpur under registration No. 18007, dated 28-8-86, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Kamla Nayar w/o Shri A. N. Nayar 117K/17, Sarvodaya Nagar, Kanpur. (Transferor)

(2) Shri R. K. Tandon s/o Shri V. K. Tandon & Smt. Madhu Tandon w/o Shri R. K. Tandon R/o Civil Lines, Kanpur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

117. K/17 Sarvodaya Nagar, Kanpur.

V. K. SINGHAL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
(Acquisition Range), Kanpur.

Date : 14-4-87.  
Seal :

